हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से सीएम डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री खट्टर ने दिखाई हरी झंडी, मेट्रो में एम्स तक किया सफर

मेट्रो के शुभारंभ के साथ राजधानी में विकास की 'नई कहानी' शुरू

झीलों की नगरी की 'मेट्रो' से बढ़ी और शान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले- मेट्रो चली तो आनंद आ गया, भोपाल की सुंदरता का कराया अहसास, शहरी ट्रांसपोर्ट के लिए यह बड़ी सौगात

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मेट्रो जहां होती है वहां ऐसा लगता है कि शहर ऊंचा उठ गया है

देश में 300 किमी का दायरा बढ़ते ही भारत मेट्रो संचालन में चीन के बाद दूसरी कंट्री बन जाएगा

सभी लोगों ने मेट्रो से शहर को निहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭भोपाल

मेट्रो ट्रेन में बैठकर शहर का नजारा देखकर सुंदरता का अहसास हुआ। मेट्रो संचालन के साथ राजधानी में विकास की नई कहानी शुरू हुई है। इसके चलने से सभी यात्रियों, मरीजों को लाभ मिलेगा। शहरी ट्रांसपोर्ट के लिए यह बड़ी सौगात है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को एम्स मेट्रो स्टेशन पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि मेट्रो भोपाल के विकास में महती भूमिका निभाएगी। इससे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उसमें सवार होकर एम्स मेट्रो स्टेशन पहुंचे। डॉ. यादव ने कहा कि लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। लोग बेहद खुश थे। बच्चे, बुजुर्गों ने ट्रेन से शहर को निहारा है तो बहुत अच्छा लगा। उन्होंने मेट्रो के संचालन पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में 5800 करोड की 262 योजनाएं संचालित हो रही हैं जो गर्व की बात है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री द्वारा इंदौर में अंडरग्रांउड लाइन को मंजूरी मिलने का भी आभार माना। इससे पहले सुबह मिंटो हॉल में मेट्रो का लोकार्पण किया गया।

- सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन को फूलों से सजाया गया था
- फूलों के बीच लोग सेल्फी, फोटो लेते और वीडियो बनाते रहे
- मेट्रो के अंदर भी सवार लोगों ने खूब सेल्फी ली

मेट्रो वाला भोपाल देश का 26 वां शहर

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भोपाल इंदौर के बाद मेट्रो चलने वाला 26 वां शहर है। आगामी दो सालों में 30 किमी के दायरे में मेट्रो का संचालन हो सकेगा। दुनिया में चीन के बाद देश दूसरे नंबर पर होगा। मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान में देश में 1090 किमी मेट्रो ट्रैक है और 900 किमी ट्रैक का काम चल रहा है जब 300 किमी का दायरा बढ जाएगा तो देश चीन के बाद दूसरे नंबर पर होगा।

मेट्रो की पायलट जान्हवी बोलीं- अच्छा अनुभव रहा

एम्स मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो की पायलट जान्हवी गोस्वामी से 'हरिभूमि' ने मेट्रो चलाने के अनुभव पर सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा। को-पायलट ने कहा कि मेट्रो को चलाने के लिए विशेष ट्रेनिंग ली है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल बोले

स्कूली बच्चों ने भी मेट्रो का आनंद लिया और खूब मस्ती की

रोजमर्रा की आवाजाही आसान होगी

एम्स मेट्रो स्टेशन पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि झीलों की नगरी में मेट्रो के चलने से शान बढ़ी है। मेट्रो जहां होती है वहां ऐसा लगता है कि शहर उंचा उठ गया है। इससे रोजमर्रा की आवाजाही आसान होगी। पैसा बचेगा और वातावरण बेहतर होगा।

मेट्रो में सवार हुए मंत्री-विधायक के साथ करीब 600 लोग

मेट्रो में सफर करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव (मध्य में)

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, मंत्री कृष्णा गौर, मंत्री विश्वास सारंग, विधायक विष्णु खत्री के अलावा भाजपा के नेता, मीडिया से जुड़े लोगों सहित सरकारी एजेंसियों के लोग भी बैठे। करीब 600 लोग मेट्रो में सवार थे। सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन पर केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री के पहुंचने का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि वे जल्द आएं और हरी झंडी दिखाएं ताकि मेट्रो में बैठने का मौका मिले। जैसे ही मेट्रो का गेट खुला लोग उसमें खुशी-खुशी सवार हो गए।

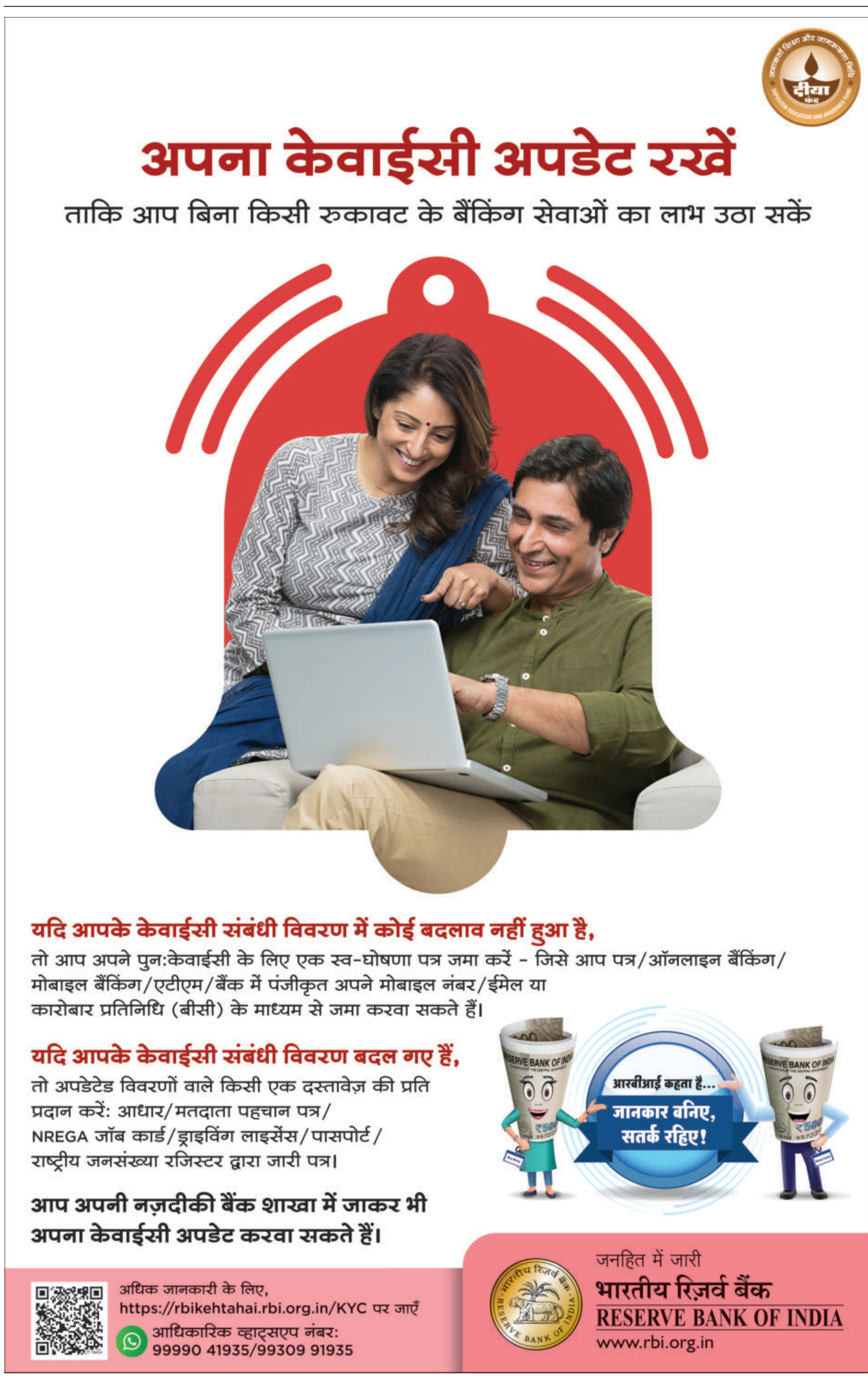

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 21 दिसंबर 2025

शुभारंभ के लिए स्टेशन पर तैयार भोपाल मेट्रो।

भोपाल मेट्रो के शुभारंभ अवसर पर स्टेशन की फूलों से सजावट की गई।

भोपाल मेट्रो में आपका स्वागत है, आज से आम लोग कर सकेंगे यात्रा

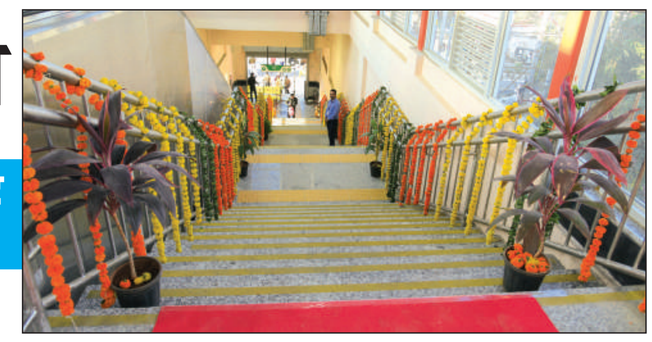

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल मेट्रो में आपका स्वागत है। यह शब्द आपको जब मेट्रो स्टेशन पर प्रवेश करेंगे तो सुनने को मिलेंगे। शनिवार को मेट्रो का लोकार्पण और हरी झंडी दिखाने के बाद मेट्रो का आम लोगों के लिए संचालन रविवार को सुबह 9 बजे से शुरू हो जाएगा।

पहली मेट्रो सुबह 9 बजे आम लोगों के लिए चलेगी। सुभाष नगर तक चलने वाली मेट्रो का चार स्टेशनों पर चार मिनट और दो स्टेशनों पर तीन मिनट का स्टापेज रहेगा। डीआरएम, आरकेएमपी, बोर्ड ऑफिस चौराहा और केवी स्टेशन पर चार मिनट का स्टापेज रहेगा, जबकि अलकापुरी और एमपी नगर में तीन मिनट का स्टापेज रहेगा। सुभाष नगर से पहली मेट्रो 9 बजकर 40 मिनट पर रवाना होगी, जो 10 बजकर 5 मिनट पर एम्स मेट्रो स्टेशन पहुंचेगी। एम्स स्टेशन से सुभाष नगर तक मेट्रो रोजाना 9 फेरे लगाएगी, जबकि सुभाष नगर से एम्स तक 8 फेरे रहेंगे।

सुबह 9 बजे एम्स से सुभाष नगर तक आम लोगों के लिए चलेगी मेट्रो

चार स्टेशनों पर चार मिनट और दो पर तीन मिनट का रहेगा स्टापेज

काउंटर से लेना होगा मैन्युअली टिकट, गुटखा, धूम्रपान और गंदगी करने पर लगेगा भारी-भरकम जुर्माना

मेट्रो के सामने खड़े होकर तस्वीर खिंचवाती महिला।

अभी मैन्यूअली लेना होगा टिकट, कुछ दिनों बाद होगा ऑनलाइन

यात्रियों को मैन्यूअली टिकट लेना होगा। हालांकि मेट्रो प्रशासन का कहना है कि ऑनलाइन टिकट की व्यवस्था जल्द की जाएगी। कार्ड सिस्टम भी लागू करने की योजना है। सभी स्टेशनों के टिकट काउंटर तैयार हैं। शनिवार से ही सभी की तैनाती हो गई है। टिकटिंग स्टाफ, सिक्योरिटी, एस्केलेटर, लिफ्ट सहित अन्य यात्री सुविधाएं पूरी तरह से तैयार हैं।

सिक्योरिटी प्वाइंट से गुजरना होगा

सभी मेट्रो स्टेशन पर प्रवेश के पूर्व सिक्योरिटी प्वाइंट से गुजरना होगा। स्टेशन पर गुटखा खाने, धुम्रपान करने और गंदगी करते पाए जाने पर भारी भरकम जुर्माना वसूला जाएगा। यह राशि दो हजार से पांच हजार रुपए है। स्टेशनों पर यात्रियों के लिए बरती जाने वाली सावधानियां लिखी गई हैं।

केंद्रीय मंत्री, मुख्यंमंत्री, सांसद, महापौर और विधायकों के साथ अफसरों को कराई यात्रा

मेट्रो पायलट जान्हवी गोस्वामी ने संभाली शहर की पहली मेट्रो राइडर की कमान

शनिवार को भोपाल के मेट्रो ट्रैक पर मेट्रो चलने का इतिहास रचा गया। इसकी कमान मेट्रो पायलट जान्हवी गोस्वामी ने संभाली। वे पहली मेट्रो राइड बनीं। गोस्वामी ने बचपन के शौक को एक शानदार करियर में बदल दिया। रेलवे से जुड़े रिश्तेदारों के बीच पली-बढ़ी जन्हावी अक्सर पैसेंजर कारों में बैठकर सोचती थीं कि इतनी बड़ी मशीनों को कैसे रोका जाता है। आज वह जिज्ञासा एक प्रोफेशनल कमांड में बदल गई। केबिन तक पहुंचने के लिए उन्हें एक कॉम्पिटिटिव एग्जाम पास करना पड़ा, जिसके बाद 114 दिनों की कड़ी ट्रेनिंग हुई। दिल्ली मेट्रो में उनके इंस्ट्रक्टर में महिलाएं भी शामिल थीं, जो महिला टेक्निकल एक्सपर्टाइज की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। सागर जिले की रहने वाली गोस्वामी सर्विस-ओरिएंटेड परिवार से आती हैं। उन्होंने हरिभूमि का बताया कि मेट्रो चलाने का अनुभव बेहद अच्छा रहा।

जान्हवी गोस्वामी

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

किसी ने इसे फ्लाइंग व्यू कहा तो किसी ने मिनिएचर सिटी

बच्चों की जुबानी मेट्रो का अनुभवः कहा- ऊपर से सुंदर और ग्रीन दिखता है शहर

मेट्रो में पहले दिन सफर करते स्कूल के विद्यार्थी।

भोपाल मेट्रो के पहले सफर में शामिल स्कूली बच्चों के लिए यह यात्रा सिर्फ एक ट्रिप नहीं बल्कि एक यादगार अनुभव बन गई। एलिवेटेड ट्रैक पर दौड़ती मेट्रो से शहर को ऊपर से देखना बच्चों के लिए बिल्कुल नया और रोमांचक था।

किसी ने इसे फ्लाइंग व्यू कहा तो किसी ने भोपाल को मिनिएचर सिटी बताया। संेट जोसफ कोएड स्कूल की मानविका सेटिया ने बताया कि जब मेट्रो ऊपर से चली तो नीचे सड़क पर चलती गाड़ियां बहुत छोटी लग रही थीं। पेड़, घर और फ्लाईओवर सब बहुत सुंदर दिख रहे थे। ऐसा लगा जैसे हम आसमान के पास चल रहे हों। सेंट जोसफ कोएड स्कूल की ओजस सेटिया ने बताया कि मेट्रो में बिल्कुल भी झटका नहीं लगता। अंदर बहुत शांति रहती है। अगर रोज स्कूल इसी से जाना पड़े तो बहुत अच्छा लगेगा। मेट्रो को टाइम मैनेजमेंट से जोड़ते हुए कहा कि अभी ट्रैफिक में बहुत टाइम खराब होता है। मेट्रो से जल्दी पहुंचेंगे और पॉल्यूशन भी कम होगा। यह हमारे शहर के लिए बहुत जरूरी है। छात्रा शिवानी सेन ने कहा कि ऊंचाई से भोपाल बहुत ग्रीन दिखता है। मुझे लगा कि हमारा शहर कितना सुंदर है, यह ऊपर से ही समझ आता है। मेट्रो स्टेशन बहुत साफ-सुथरे और मॉडर्न हैं। एस्केलेटर, लिफ्ट और प्लेटफॉर्म सब बहुत अच्छे हैं। यहां सब कुछ सिस्टम में है। छात्रा शाहीन खातून ने कहा कि मेट्रो में सफर करते हुए डर नहीं लगता। सीसीटीवी, गार्ड और अनाउंसमेंट सेफ फील कराते हैं। अब भोपाल भी मेट्रो सिटी बन गया है। बड़े शहरों जैसा फील आता है। यह हमारे शहर की पहचान बनेगी।

भोपाल मेट्रो की खासियतें

- ⏩ एलिवेटेड ट्रैक से स्मूद और साइलेंट सफर
- ⏩ आधुनिक और क्लीन मेट्रो कोच
- ⏩ डिजिटल डिस्प्ले और ऑटोमेटिक डोर सिस्टम
- ⏩ एस्केलेटर और लिफ्ट जैसी पैसेंजर-फ्रेंडली फैसिलिटी
- ⏩ टाइम सेविंग और ट्रैफिक फ्री ट्रांसपोर्ट
- ⏩ पॉल्यूशन कंट्रोल में मददगार
- ⏩ मरीजों और छात्रों के लिए आसान कनेक्टिविटी
- ⏩ सीसीटीवी और सिक्योरिटी सिस्टम से सेफ ट्रैवल

>> मेट्रो सिर्फ सफर का साधन नहीं... स्मार्ट, सुरक्षित और सस्टेनेबल भविष्य की तस्वीर

मेट्रो के पहले सफर में शामिल बच्चों ने भोपाल मेट्रो को ड्रीम ट्रांसपोर्ट बताया। बच्चों की बातों से साफ झलकता है कि भोपाल मेट्रो आने वाली पीढ़ी के लिए सिर्फ सफर का साधन नहीं, बल्कि स्मार्ट, सुरक्षित और सस्टेनेबल भविष्य की तस्वीर है। एलिवेटेड ट्रैक से दिखती भोपाल की खूबसूरती और मेट्रो का आधुनिक स्वरूप बच्चों के दिल में हमेशा के लिए बस गया। बच्चों ने मेट्रो को फास्ट, सेफ, क्लीन और फ्यूचर रेडी ट्रांसपोर्ट सिस्टम बताया। कोच के अंदर की सफाई, साइलेंट मूवमेंट, ऑटोमैटिक दरवाजे और डिजिटल स्क्रीन ने बच्चों को खासा प्रभावित किया।

इंदौर के सात किमी मेट्रो रूट का विवाद सुलझाया

राजधानी भोपाल के लिए शुरू हुआ नया अध्याय, मेट्रो से बढ़ेगा विकास

शहरों में बढ़ रहे प्रदूषण की वजह से आम लोगों की परेशानी बढ़ रही है। जिसका उदाहरण दिल्ली है, वहां प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इसलिए शहरों में मेट्रो और ई बसों की मदद से प्रदूषण को कम किया जा सकता है। जिसके लिए शहरों में ई बसों की तादाद बढ़ाई जा रही है।

यह बात शनिवार को केंद्रीय मंत्री मनोहरला खट्टर ने भोपाल में मेट्रो रेल के लोकार्पण कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो संदेश से हुई, जिसमें उन्होंने भोपाल की जनता को मेट्रो के लिए बधाई देते हुए कहा कि एमपी के मन में मोदी है और मोदी के मन में एमपी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भोपाल और इंदौर दोनों जगह मेट्रो का तेजी से विकास हो रहा है। इंदौर में 7 किलोमीटर के ट्रैक को लेकर विवाद था, जिसे आज सुलझा लिया गया है। अब वहां अंडरग्राउंड ट्रेक बनाया जाएगा।

मेट्रो के चीफ रेसिडेंट इंजीनियर निश्चल शर्मा सीएम को प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए।

पीएम मोदी ने वीडियो संदेश में दी मेट्रो की शुभकामनाएं

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में मेट्रो रेल की शुरुआत होने से विकास भी बढ़ेगा। प्रदेश सरकार ने इंदौर और भोपाल के लिए मेट्रोपोलिटन शहरों की योजना बनाई है, जिसमें केंद्र सरकार पूरी सहायता देगी। उन्होंने बताया कि आज भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया का नक्शा भी लांच कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 2047 में देश के विकास के रोडमैप पर प्रदेश कदम से कदम मिलकर आगे बढ़ रहा है।

भोपाल
रविवार, 21 दिसंबर 2025
पौष मास शुक्ल पक्ष-01
वर्ष : 12, अंक : 261
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 25
न्यून. 11

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

कैंसर संबंधी दावे भ्रामक

अंडा खाना पूरी तरह सुरक्षित: प्राधिकरण

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने अंडों को लेकर फैलाए जा रहे कैंसर के खतरे संबंधी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह दावे न केवल वैज्ञानिक तथ्यों से परे हैं, बल्कि जनता में अनावश्यक भय और भ्रम भी पैदा कर रहे हैं। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि पोल्ट्री और अंडों में नाइट्रोफ्यूरान का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है।

भोपाल में हुई शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा

आजादी के '100 साल' ध्यान में रख तैयार करें शहरों के विकास की योजना

बैठक में मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली और उत्तरप्रदेश के शहरी विकास मंत्री, राज्य मंत्री, भारत सरकार एवं राज्यों के अधिकारी शामिल थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि वर्ष @2047 तक भारत की शहरी आबादी अनुमान के मुताबिक कुल आबादी की 50 फीसदी तक हो जाएगी। जब हम इसे ध्यान में रख कर शहरी योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे, तभी विकसित और आत्मनिर्भर भारत बना सकेंगे।

उन्होंने कहा कि शहरी कार्य मंत्रालय ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए देश में क्षेत्रवार राज्यों की बैठक करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हर राज्य की भौगोलिक स्थिति और परेशानियां अलग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्यों के विकास के लिए केंद्र सरकार सपोर्टिंग सिस्टम के रूप में काम करती है, ठोस प्रयास तो राज्य सरकारों को ही करना होगा। खट्टर शनिवार को भोपाल के कुशाभाऊ इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर मे शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक (उत्तरी एवं मध्य राज्य) में बोल रहे थे। बैठक में मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली और उत्तरप्रदेश के शहरी विकास मंत्री, राज्य मंत्री, ▶▶ शेष पेज 4 पर

केंद्र सरकार सपोर्टिंग सिस्टम के रूप में काम कर रही

भोपाल के कुशाभाऊ इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर मे शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक

» ***विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये समन्वय से करें योजना का क्रियान्वयन***

» ***अधोसंरचना विकास के कार्यों में बजट का हो सही उपयोग***

पीएम आवास की सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकारें दें

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 9 लाख 46 हजार आवासों में 8 लाख 79 हजार आवास निर्माण किए जा चुके हैं। पूर्ण आवासों के आधार पर मप्र प्रथम सर्वश्रेष्ठ राज्यों में शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में 60 हजार आवासों को स्वीकृति दी जा चुकी है। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने कहा कि जिन हितग्राहियों ▶▶ शेष पेज 4 पर

» जिस कार्य के लिए केंद्र की राशि, उसे वहीं खर्च की जाए

केंद्रीय मंत्री खट्टर ने कहा कि केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि का उपयोग उसी कार्य के लिए होना चाहिए, जिस कार्य के लिए राशि दी गई हो। उसे अन्य मदों में खर्च नहीं किया जा सकता। शहरों के विकास के लिए केंद्र सरकार से मिलने वाली बजट राशि का पूरा उपयोग समय पर किया जाए। खट्टर ने कहा कि क्षेत्रीय बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन और शहरी परिवहन व्यवस्था पर मुख्य रूप से चर्चा ▶▶ शेष पेज 4 पर

मप्र में नगरीय निकायों को बनाया जा रहा है आत्मनिर्भर

मप्र के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि प्रदेश के नगरीय निकायों को आर्थिक और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। नर्मदा नदी के किनारे बसे शहरों में सीवरेज कार्य को प्राथमिकता दी गई है। राज्य सरकार ने संकल्प लिया है कि नर्मदा नदी में गंदा पानी न मिलाया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश की नगरीय क्षेत्रों में संपत्तियों की जीआई मैपिंग की गई है। इस कार्य से संपत्ति कर में 150 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। उन्होंने अमृत योजना में अधूरे कामों को पूरा करने के लिये केंद्र से मदद दिए जाने का आग्रह किया। ▶▶ पढ़ें पेज 02 भी

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कोमा में बेटा, पिता ने घर बेचकर मांगी इच्छामृत्यु

नई दिल्ली। गाजियाबाद के हरीश राणा (31) के लिए उनके माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट से इच्छामृत्यु की गुहार लगाई है। 2013 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान चौथी मंजिल से गिरने के बाद हरीश 12 वर्षों से कोमा में हैं। उनके इलाज के लिए पिता अशोक राणा अपना घर बेच चुके हैं और फिलहाल सैंडविच बेचकर गुजारा कर रहे हैं।

राजा मर्डर केस में सोनम की जमानत याचिका खारिज

शिलांग। मेघालय की शिलांग कोर्ट ने इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। पुलिस की 700 पन्नों की चार्जशीट के अनुसार, सोनम ने प्रेमी और भाड़े के हत्यारों के साथ राजा की हत्या की साजिश रची थी।

बांग्लादेश में हिंसा का तांडव

हिंदू युवक के बाद 7 साल की बच्ची को जिंदा जलाया

एजेंसी ▶▶ ढाका

■ बीएनपी नेता के घर में आग लगाई

बांग्लादेश के लक्ष्मीपुर सदर में शुक्रवार देर रात कुछ उपद्रवियों ने एक घर को बाहर से बंद कर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग में जिंदा जलने से एक 7 साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। यह घर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता बिलाल हुसैन का है। घटना रात करीब 1 बजे की है। आग लगने से बिलाल की 7 साल की बेटी आयशा अख्तर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, ▶▶ शेष पेज 4 पर

ट्रेन के 5 डिब्बे-इंजन पटरी से उतरे

असम में राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर 7 हाथियों की मौत

एजेंसी ▶▶ नगांव/गुवाहाटी

■ कोहरे के कारण हादसे की आशंका

असम के होजाई जिले में शनिवार सुबह हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई और एक हाथी का बच्चा घायल हो गया। हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए। यह हादसा सुबह 2:17 बजे चांगजुराई गांव के पास हुआ। हादसे में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। नगांव के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर सुहास कदम ▶▶ शेष पेज 4 पर

मां और दादा पर हमला किया

बहू को ससुर ने पिलाई थी शराब, नाती ने मार डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रीवा

■ नाती फरार पुलिस को तलाश

बिछिया थाना क्षेत्र के बदराव इलाके में एक नाती ने अपने ही दादा की डंडों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात का मुख्य कारण ससुर और बहू का साथ बैठकर शराब पीना बताया जा रहा है। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 3 बजे की है। मृतक श्रीनिवास साकेत उम्र 68 वर्ष ने सुबह बैंक से पैसे निकाले थे। इसके बाद वह अपनी बहू के साथ बैठकर शराब पी रहे थे। मृतक के दूसरे नाती आशीष चौधरी ने बताया कि ▶▶ शेष पेज 4 पर

अशोका गार्डन क्षेत्र में शुक्रवार शाम 5 बजे की घटना

भीड़ ने पकड़कर धुना, पुलिस ने दबोचा

9 साल की मासूम बच्ची से 35 साल के इलेक्ट्रिशियन ने पार्क में कर दिया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में 9 साल की बच्ची से पार्क में दुष्कर्म का मा म ला सा म ने आया है। 35 साल के इलेक्ट्रिशियन ने पार्क में बच्ची को अकेला देखकर वहां बने खंडहरनुमा कमरे में उसे लेकर पहुंचा था। वहां उससे दुष्कर्म कर रहा था, इसी बीच बच्ची की मां पहुंच गई और आरोपी के चंगुल से उसे छुड़ा लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया है। वहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार 9 साल की बच्ची थाना क्षेत्र में रहती है। उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे बच्ची घर के पास पार्क में खेल रही थी। इसी बीच वहां आरोपी नरेंद्र राजपूत पहुंचा। खंडहरनुमा कमरे में ले जाते समय बच्ची की छोटी बहन ने आरोपी को देख लिया। उसने मां को घटना की जानकारी दी। मां फौरन पार्क के कमरे में पहुंची।

लोगों ने आरोपी को पकड़कर जमकर धुना और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी नरेंद्र राजपूत अविवाहित है। वह नशे में धुत था। वह बच्ची को जानता था कि उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है।

हिंदू संगठन ने थाने में किया हंगामा

घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन के लोग अशोका गार्डन थाने पहुंच गए। वे थाने के बाहर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने हिंदू संगठन को आश्वासन दिया कि मामला पाक्सो एक्ट से जुड़ा हुआ है और पुलिस आरोपी पर कड़ी कार्रवाई कर रही है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

टूर्नामेंट भारत व श्रीलंका में अगले साल फरवरी और मार्च में खेला जाएगा

गिल-जीतेश बाहर, ईशान किशन और रिंकू सिंह को मिल गई जगह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप अगले साल फरवरी और मार्च में खेला जाना है। 7 फरवरी से इस टूर्नामेंट का आगाज होना है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। सूर्यकुमार यादव 2026 टी-20 विश्व कप में टीम इंडिया के कप्तान होंगे। शुभमन गिल को जगह नहीं मिली है। इसके अलावा जितेश शर्मा भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। अक्षर पटेल को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से ज्यादा रन ▶▶ शेष पेज 4 पर ▶▶ पढ़ें पेज 13 भी

7 फरवरी से इसका आगाज होगा कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी

शुभमन गिल | जितेश शर्मा | ईशान किशन | रिंकू सिंह

2026 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम

- 4 बल्लेबाज- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह
- 2 विकेटकीपर- संजू सैमसन (विकेटकीपर) और ईशान किशन (विकेटकीपर)
- 4 ऑलराउंडर- शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल
- 5 गेंदबाज- अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप ▶▶ शेष पेज 4 पर

मॉडल स्कूल 1975 बैच का 50वां स्वर्णिम रीयूनियन आयोजित

मॉडल स्कूल में 1975 बैच के छात्र-छात्राएं पचास साल बाद एक-दूसरे से मिले।

पूर्व छात्रों की जीवनसंगिनियां भी पूरे कार्यक्रम में सहभागी रहीं

शरारतों, किस्सों और बचपन की बातों पर मुस्कानें बिखरीं तो यादगार पलों में भी छलक पड़ीं भावनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पचास वर्षों की समय-यात्रा को मानो एक ही क्षण में समेटते हुए मॉडल स्कूल के 1975 बैच के पूर्व छात्रों का 50वां स्वर्णिम रीयूनियन शनिवार को मयूरी रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया।

देश और विदेश से आए पूर्व छात्रों ने जब एक-दूसरे से मुलाकात की, तो वर्षों का अंतराल पलों में सिमट गया। इस आयोजन की विशेषता यह रही कि सभ पूर्व छात्रों की जीवनसंगिनियां भी पूरे कार्यक्रम में सहभागी रहीं। उन्होंने न केवल अपने जीवनसाथियों की वर्षों पुरानी मित्रताओं को करीब से देखा, बल्कि उन स्मृतियों को भी महसूस किया, जिनकी चर्चा घरों में दशकों से होती रही थी। शरारतों, किस्सों और बचपन की बातों पर मुस्कानें बिखरीं तो कई क्षणों में भावनाएं भी छलक पड़ीं।

मिलन से सांस्कृतिक उत्सव तक

कार्यक्रम की शुरुआत आत्मीय मिलन समारोह से हुई, जहां वर्षों बाद मिले मित्रों ने एक-दूसरे को गले लगाकर पुराने रिश्तों की गर्मजोशी को फिर जीवंत किया। सभी प्रतिभागियों का औपचारिक परिचय वॉइस-ओवर के माध्यम से कराया गया। सांस्कृतिक उत्सव गीत, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत कर दिया। इस आनंद में जीवन संगिनियां भी पूरे उत्साह से शामिल रहीं और कई ने मंच पर आकर गायन प्रस्तुत कर कार्यक्रम को विशेष रंग प्रदान किया।

प्रेरक विचारों से सजी शाम

समारोह में मध्य प्रदेश के पूर्व डीजीपी विवेक जौहरी ने अपने संबोधन में स्कूल जीवन से जुड़ा एक प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए कहा कि नेतृत्व जिम्मेदारी से जन्म लेता है। जो जिम्मेदारी निभाना सीख लेता है, वही जीवन में अलग पहचान बनाता है। यह पाठ मैंने अपने स्कूल और अपने दोस्तों से सीखा।" उनके विचारों ने पूरे आयोजन को वैचारिक गहराई प्रदान की। यह आयोजन मात्र पुराने मित्रों का मिलन नहीं था, बल्कि परिवारों के साथ साझा की गई स्मृतियों का उत्सव था जहां उम्र ने कदम थाम लिए और दोस्ती फिर से जवान हो गई।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित कलाकार कमल जैन की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को ऊंचाई दी। नितिन नांदगांवकर के गीत "पुकारता हूं, चला हूं मैं" पर पूरा सभागार झूम उठा। अजय श्रीवास्तव और नीलू की प्रस्तुति "ऐ मेरी जोहराज़बी" ने मित्रों के बीच सोई हुई पुरानी भावनाओं को पुनः जगा दिया। प्रसिद्ध डायबिटीज़ चिकित्सक डॉ. सचिन गुप्ता की प्रस्तुति भी शाम का यादगार आकर्षण रही।

बाबूजी स्मारक पर अर्पित की श्रद्धांजलि

बाबूजी को श्रद्धांजलि देते श्रद्धालु।

भोपाल। भोपाल विलीनीकरण आंदोलन के सहयोगी रहे वाल्मीकि समाज के पूर्व पटेल समाजसेवी बाबूजी स्वर्गीय राजाराम श्रवण पटेल की 37वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। शनिवार सुबह बाबूजी के परिजनों और अनुयायियों ने कैची छोला स्थित उनके स्मारक पर पहुंचकर श्रद्धांजलि तथा पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बाबूजी के पुत्र युवा समाजसेवी विजय शंकर श्रवण, अजय श्रवण, संजय श्रवण सहित उनके पौत्र भी उपस्थित थे। बाबूजी की पुण्यतिथि के अवसर पर दौ मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। विजय शंकर श्रवण ने बताया कि बाबूजी की याद में प्रतिवर्ष शाहजहांनाबाद स्थित आसरा वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को भोज कराया। इस अवसर पर वृद्धजनों ने भी बाबूजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

■ भोपाल विलीनीकरण आंदोलन में थे सहयोगी

सासंद शर्मा और डीन डॉ. कविता ने किया प्लेटिनम जुबली समारोह का शुभारंभ

जीएमसी के 70 वर्ष पर जुटे पुराने साथी, एक-दूसरे को देखकर कॉलेज के बीते दिनों की यादें हुई ताजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के 70 वर्ष पूरे होने पर शनिवार से दो दिवसीय प्लेटिनम जुबली समारोह की शुरूआत हुई। शनिवार को समारोह के पहले दिन जीएमसी से निकलकर देश-विदेश में सेवाएं दे रहे पांच सौ से अधिक पूर्व मेडिकल स्टूडेंट शामिल होकर कॉलेज के दिनों की पुरानी यादों को ताजा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद आलोक शर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस दौरान उन्होंने कॉलेज में हो रहे अनुसंधानों और उपचार की प्रशंसा की। उन्होंने मौके पर कालेज के ऑडिटोरियम हॉल को विकसित करने के लिए 50 लाख की घोषणा की। जीएमसी एलुमनी एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी डॉ आईके चुघ ने बताया कि प्लेटिनम समारोह में साढे पांच सौ से अधिक कॉलेज के पूर्व छात्र एवं वर्तमान दौर में देश विदेशों में सेवाएं दे रहे डाक्टरों ने भाग लिया। भोपाल और मप्र के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद, नागपुर सहित अन्य क्षेत्रों से वह डॉक्टर आए। जो गांधी मेडिकल कॉलेज में पढ़े हैं। इसके अलावा विदेश से भी करीब 50 डॉक्टरों ने मौजूदगी दर्ज कराई।

ऑडिटोरियम हॉल को विकसित करने के लिए 50 लाख की आलोक शर्मा ने की घोषणा

प्लेटिनम जुबली समारोह में एकत्रित गांधी मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र-छात्राएं।

वरिष्ठ चिकित्सकों का किया सम्मान

प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि सासंद आलोक शर्मा, जीएमसी डीन डॉ कविता एन सिंह ने वरिष्ठ चिकित्सक जीएमसी के पूर्व डीन डॉ भानु दुबे, वरिष्ठ सर्जन एसके निगम, डॉ सीसी चौबल, डॉ प्रिया चित्तावार, डॉ सचिन चित्तावर, जीएमसी के पूर्व छात्र आर्मी ऑफिसर और 40 सालों तक ग्रामीण क्षेत्रों में उपचार करने वाले डॉ रमेश विश्वकर्मा का सम्मान किया गया।

मालिनी अवस्थी की खनकती आवाज में गूंजा जीएमसी

पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने शनिवार को अपनी खनकती आवाज का जादू कुछ इस तरह बिखेरा कि गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में डॉक्टर्स लोकगायन के रंग में रंग गए। जीएमसी के 70 वर्ष पूरे होने पर आयोजित संस्थान के पुराने छात्र-छात्राओं द्वारा प्लेटिनम जुबली समारोह के अंतर्गत लोकगायन की प्रस्तुति हुई। अपनी तालीम, साधना और अभ्यास का परिचय देते हुए मालिनी ने भी अपने सुरों को साधा। उन्होंने रामजी से पूछे जनकपुर की नारी, केसरिया बागवान हो, अपने चित परिचित अंदाज में आदि गीत प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन से शुभारंभ करते सांसद शर्मा।

गांधी मेडिकल कॉलेज में नई कैथलैब स्थापित: डॉ कविता एन सिंह

कार्यक्रम में जीमएसी की डीन डॉक्टर कविता एन सिंह ने हॉस्पिटल और महाविद्यालय की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने बताया कि मरीजों के सतत उपचार के लिए नई व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नई कैथलैब स्थापित की जा चुकी है। जल्द ही छात्रों के लिए नया हॉस्टल तैयार हो रहा है। अन्य सुविधाएं भी हैं। जिन्हें बनाने के लिए काम निरंतर चल रहा है।

आयोजन में गीतों पर झूमते वरिष्ठ चिकित्सक।

नेहरू नगर में श्रीराम कथा का आयोजन

राम-केवट प्रसंग सुनकर भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

कथा सुनाते बाल ब्रह्मचारी सर्वेस्वरानंद सरस्वती महाराज एवं भक्तजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नेहरू नगर डी सेक्टर में चल रही श्रीराम कथा के सातवें दिन शनिवार को कथावाचक चित्रकूट धाम से पधारे बाल ब्रह्मचारी सर्वेस्वरानंद सरस्वती महाराज ने वनवास, भरत मिलाप और राम-केवट संवाद की कथा का प्रसंग सुनाया तो पंडाल में बैठे श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

सरस्वती महाराज ने कहा कि भरत जैसा भाई इस युग में मिलना मुश्किल है। भगवान राम मयार्दा स्थापित करने को मानव शरीर में अवतरित हुए। पिता की आज्ञा पर वह वन चले गए। भगवान राम वन जाने के लिए गंगा घाट पर खड़े होकर केवट से नाव लाने को कहते हैं, लेकिन केवट मना कर देता है और पहले पैर पखारने की बात कहता है। केवट भगवान का पैर धुले बगैर नाव में बैठाने को तैयार नहीं होता है।

राम-केवट संवाद का प्रसंग सुनकर श्रोता आनंदित हो गए। यह प्रसंग भगवान राम की भक्ति और प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। श्रीराम कथा के आयोजक भोपाल महानगर जागरूक नागरिक मंच के संयोजक अजय पांडेय ने भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण के स्वरूप की आरती उतारी गई।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर व्याख्यान

धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर ने दिया था बलिदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत हमेशा से ही धर्म के मार्ग पर चलने वाला देश रहा है। हमने कभी किसी धर्म को मानने वालों पर आतंक नहीं जमाया, बल्कि सदा ही अपने धर्म की रक्षा के लिए प्राण त्यागे हैं। आज के समय में जिस तरह से धर्मांतरण या मतांतरण हो रहे हैं, उसके पीछे धार्मिक दृढ़ता की कमी ही एक बड़ा कारण हैं। ऐसे समय में हमारे गुरुओं का स्मरण करना समय की जरूरत है। यह कहना है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह क्षेत्र प्रचारक प्रेमशंकर का। वे शनिवार को शिवाजी नगर स्थित पुरुषार्थ सेवा फाउंडेशन के सभागार में गुरु तेग बहादुर के 350 वें शहीदी दिवस पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे।

धर्म की रक्षा के लिए शीश कटा दो लेकिन झुको नहीं

धर्म की रक्षा के लिए आप अपना शीश कटा भी दो लेकिन कभी झुको नहीं। उन्होंने कहा कि साल 1631 की नथाला लड़ाई के बाद ही उनका जीवन शुरु होता है। उनके भाइयों नृशंस हत्या की गई, लेकिन वे अपने पथ से हटे नहीं। उन्होंने बताया कि जबलपुर में हुई राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक में पूज्य रसंघचालक ने कहा था कि धर्म की रक्षा में प्राण गंवाने वाले गुरुजनों के जीवन-संघर्ष के बारे में आम जन को बतायें ताकि वे अपने गुरुओं को जानें।

धर्म की रक्षा का पाठ भी गुरू पढ़ाता है

मुख्य वक्ता प्रेमशंकर ने कहा कि गुरु हमें ईश्वर की पहचान तो कराता ही है साथ ही धर्म रक्षा का पाठ भी पढ़ाता है। हमें ऐसे जीवन को पूजना चाहिए। अध्यक्षीय उद्बोधन में जेपी सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन 'राष्ट्र प्रथम' का भाव जगाता है। उनका बलिदान हममें उत्तरदायित्व का बोध पैदा करता है। एक तरह का नवजागरण पैदा करता है। ऐसे व्यक्तित्व के बारे में सभी को जानना चाहिए।

द्वारकाधीश मंदिर थाटीपुर में कथा के दौरान बोले गुरुजी

एक-दूसरे के पूरक होते हैं पति-पत्नी तलाक हमारी भारतीय संस्कृति नहीं

ज्ञान यज्ञ के 5वें दिन गृहस्थ जीवन के बारे में दिया उपदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्री द्वारकाधीश मंदिर थाटीपुर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिवस की कथा में श्री गुरु जी ने गृहणी के महत्व को समझाते हुए कहा कि जिस स्थान में पत्नी होती है वह स्थान घर कहा जाता है, बिना गृहणी के अत्यआधुनिक शानदार भवन भी घर नहीं कहलाता है।

दंपत्ति यदि वट वृक्ष के नीचे भी रहते हो तो वट वृक्ष की छाया ही घर कहलाती है पति-पत्नी एक दूसरे के पूरक होते हैं इन्हें अलग नहीं किया जा सकता इसलिए हिंदी एवं संस्कृत साहित्य में तलाक शब्द का अर्थ बोध कराने वाला कोई पर्यायवाची शब्द ही नहीं है क्योंकि भारतीय प्राचीन संस्कृति सभ्यता में कभी तलाक को जानते ही नहीं थे। गुरुजी ने पूतना वध कथा के दौरान कहा कि लोग कार्ल मार्क्स, लेनिन एंजिल्स, फ्रेडरिक एंगेल्स मानवेंद्र राय आदि को कम्युनिस्ट विचारों का जनक कहते हैं किंतु मथुराधिपति कंस को प्रथम कम्युनिस्ट बताया जिसने एक दोषी को मारने के लिए साथ के सैकड़ो निर्दोष को भी मारने का आदेश दे दिया।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिवस कथा वाचन करते गुरुजी।

यह रहे उपस्थित

श्री गिर्राज पूजन के साथी कथा का समापन हुआ। कथा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर, वरिष्ठ प्रचारक सुरेंद्र तिवारी, राज्य सूचना आयुक्त डॉ उमाशंकर पचौरी, कथा वाचक भारत शास्त्री, को भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक मन्नालाल गोयल, पूर्व भाजपा अध्यक्ष अभय चौधरी, उद्योगपति अशोक निगम, सहित भागवत प्रेमी उपस्थित रहे।

VAN VIHAR
NATIONAL PARK & ZOO

आइए,
प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जिएं

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान एवं ज़ू, भोपाल द्वारा
डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं पीसीपीसी के सहयोग से

मध्यप्रदेश शिक्षक
प्रकृति संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम
(MPTTNC 2025-2028)

यह कार्यक्रम विद्यालय शिक्षकों को प्रकृति शिक्षा,
व विविधता संरक्षण, सतत जीवन शैली, जलवायु परिवर्तन एवं मिशन LifE से संबंधित
मूलभूत ज्ञान, क्षेत्रीय अनुभव एवं संप्रेषण कौशल प्रदान करने हेतु तैयार किया गया है,
जिससे वे विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी नागरिक बना सकें।

कार्यक्रम स्थल - वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल

पाठ्यक्रम सत्र	तारीख
प्रथम पायलट पाठ्यक्रम	27-28 दिसंबर 2025
द्वितीय पायलट पाठ्यक्रम	10-11 जनवरी 2026
प्रथम नियमित पाठ्यक्रम	17-18 जनवरी 2026
द्वितीय नियमित पाठ्यक्रम	24-25 जनवरी 2026
तृतीय नियमित पाठ्यक्रम	31 जनवरी - 1 फरवरी 2026
चतुर्थ नियमित पाठ्यक्रम	7-8 फरवरी 2026
पंचम नियमित पाठ्यक्रम	14-15 फरवरी 2026
षष्ठ नियमित पाठ्यक्रम	21-22 फरवरी 2026

इच्छुक शिक्षक
नीचे दिए गए गूगल फॉर्म के माध्यम से
ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं

अधिक जानकारी हेतु
कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी, पात्रता, पाठ्यक्रम
संरचना एवं दिशा-निर्देशों के लिए कृपया वेबसाइट देखें
https://vanviharnationalpark.org/document/documents

जागरूकता से संरक्षण की ओर, कक्षा से प्रकृति तक
वन विहार राष्ट्रीय उद्यान एवं ज़ू, भोपाल
D-11169/25

Corporate Office : Varma Construction & Developers
Add. : FF115, Minal Shopping Mall,
Ayodhya Bypass Road. Bhopal
Call : 9340522840,9303135081

श्री तिरूपति बालाजी रियल स्टेट कम्पनी
Site Office :
Balaji Palace & Farm Land, Berasia Bypass Square
Con.: 8871600327,9179600327,9617393789

समर्पित नक्सली छग के बीजापुर, सुकमा व दंतेवाड़ा जिलों के

तेलगांना में 1.46 करोड़ के ईनामी 41 नक्सलियों ने डाले हथियार

पड़ोसी राज्य तेलगांना के डीजीपी के समक्ष नक्सल संगठन में सक्रिय 41 नक्सलियों ने हथियार डालकर समर्पण कर दिया। समर्पित नक्सलियों पर 1.46 करोड़ रुपए का ईनाम घोषित था। इनमें 39 नक्सली बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा व बीजापुर जिले के निवासी है। समर्पण करने वाले नक्सलियों ने तेलगांना पुलिस के समक्ष 24 अत्याधुनिक हथियार भी सुपुर्द कर दिया। समर्पित नक्सली संगठन में अलग अलग कैडर में थे, जिन्होंने हिंसा का रास्ता त्यागकर मुख्यधारा में शामिल हो गए। तेलगांना पुलिस के मुताबिक इन माओवादियों पर एक करोड़ 46 लाख 30 हजार रुपए का ईनाम घोषित था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सभी ने पड़ोसी राज्य तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक के सामने 24 अत्याधुनिक हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पण करने वाले माओवादियों में कंपनी प्लाटून समिति के छह वरिष्ठ पदाधिकारियों के सदस्यों के अलावा मंडल समिति सदस्य रैंक (सीवाईपीसीएम, डीवीसीएम, एसीएम) शामिल हैं। इन नक्सलियों ने तेलगांना पुलिस को जो 24 अत्याधुनिक हथियार सौंपे, इनमें एक इंसास एलएमजी, तीन एके-47 राइफल्स, पांच एसएलआर राइफल्स, सात इंसास राइफल्स, एक बीजीएल गन, चार 303 राइफलें, एक सिंगल शॉट राइफल, दो एयरगन समेत अन्य हथियार शामिल है। नक्सलियों के लगातार बड़ी संख्या में समर्पण से संगठन को को एक बार फिर झटका लगा है।

41 में से 39 बस्तर संभाग के

समर्पण करने वाले 41 नक्सलियों में 39 बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा व दंतेवाड़ा जिले के रहने वाले है। तेलंगाना राज्य पुनर्वास नीति के अनुसार डीवीसीएम कैडर के नक्सलियों को 5 लाख रुपए मुआवजा, एसीएम को 4 लाख रुपए तथा पार्टी सदस्यों को 1 लाख रुपए मुआवजा घोषित किया गया है। इसके अलावा नगद प्रोत्साहन के अलावा सौंपे गए हथियार के अनुरूप घोषित प्रोत्साहन राशि भी प्रदान किया जाएगा। समर्पण के दौरान सभी समर्पित नक्सलियों को 25-25 हजार रुपए अंतरिम सहायता राशि प्रदान किया गया।

समर्पित नक्सलियों में यह शामिल

तेलगांना में समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने वाले नक्सलियों में प्लाटून कमाण्डर मड़कम गंगा निवासी पामेड़ बीजापुर के अलावा पीपीसीएम ताती गंगा, कलमु ओयम जोगा, कुंजाम देवा उर्फ दिलीप, कोवासी गंगी, पूनम मड़कम जोगी, मड़कम सोनी उर्फ नंदिनी, डोडी रामे, परसम संतोष, योगेश, वेट्टी मांगी, मड़कम सोमा उर्फ रघु, सोड़ी, पूनम उर्फ राधिका, हेमा, मंगू, पुनेम उर्फ महेश, वंजाम लिंगा उर्फ राजू, ओयाम मंगू उर्फ मासा, कोरसा उर्फ राजू, मड़कम, मड़कम देवा, मुसक्का अदुमे, मदकम जोगा उर्फ सोरू, पूनम सोनी उर्फ राधा, माड़वी जोगी उर्फ रामू, ताती मोती, मड़कम भीमे, देवे, पोडियाम हिड़मे उर्फ विमला, देवे, मासो उर्फ तेजा, माडवी जोगा, माड़वी उरे उर्फ रोशनी, कोवासी, मड़कम सानिया तथा पोड़ियाम फगनु शामिल है।

10 निजी डेंटल कॉलेजों पर 10-10 करोड़ का जुर्माना

बीडीएस दाखिला में नियमों का उल्लंघन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बीडीएस में दाखिले के नियमों का उल्लंघन करने पर राजस्थान के 10 निजी डेंटल कॉलेजों पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने इन सभी कॉलेजों पर 10-10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि इन कॉलेजों ने जानबूझकर नियमों की अनदेखी की, जिससे मेडिकल शिक्षा के मानकों को नुकसान पहुंचा। न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी की पीठ ने कॉलेजों के साथ-साथ राज्य सरकार की भूमिका पर भी नाराजगी जताई। अदालत ने बीडीएस दाखिले (शैक्षणिक सत्र 2016-17) में कानूनी प्रक्रिया का पालन न करने पर राजस्थान सरकार को 10 लाख रुपये राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (आरएसएलएसए) में जमा करने का आदेश दिया।

जबरन 15 फीसदी की छूट दी

बीडीएस में दाखिले के लिए एनईईटी परीक्षा में न्यूनतम प्रतिशत तय है। राजस्थान सरकार ने बिना अधिकार के इस न्यूनतम प्रतिशत में पहले 10 प्रतिशत और फिर पांच प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दे दी। इस छूट के कारण कई ऐसे छात्रों को दाखिला मिल गया, जो तय पात्रता पूरी नहीं करते थे। इतना ही नहीं, कुछ कॉलेजों ने इस 10+5 प्रतिशत की छूट से भी आगे जाकर छात्रों को दाखिला दे दिया, जो पूरी तरह नियमों के खिलाफ था।

जाहिर सूचना
खसरा नं. 263/2 एवं 265 ग्राम महाबड़ियां, भोपाल के संबंध में

मेरे पक्षकार बैंक ऑफ बड़ौदा होशंगाबाद रोड़ भोपाल के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जा रहा है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्री राम कुमार नरवानी आत्मज श्री के.एल. नरवानी निवासी-भोपाल के स्वत्व व स्वामित्व की दो किता डायर्वटेड भूमि जिसका खसरा क्रमांक 263/2 रकवा 0.12 हेक्टेयर एवं खसरा क्रमांक 265 रकवा 0.23 हेक्टेयर इस प्रकार कुल रकवा 0.35 हेक्टेयर जो कि ग्राम महावड़ियां प.ह.नं. 31, तहसील हुजूर/कोलार जिला भोपाल में स्थित है, जिसकी चतुर्थ सीमायें निम्न है:- पूर्व में- मैन रोड़, पश्चिम में-खसरा क्रमांक 263/1/1, उत्तर में- सर्वधर्म सोसायटी की भूमि, दक्षिण में-खसरा क्रमांक 263/1/1 एवं खसरा क्रमांक 266/2/1, को बंधक करके ऋण दिया गया है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि पर किसी भी शासकीय/अर्धशासकीय/व्यक्ति संस्था /बैंक/ सोसायटी एवं अन्य का, किसी भी प्रकार का कोई हित, स्वत्व संबंध या कोई लेन देन हो या इस अंतरण से किसी का कोई हित प्रभावित हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि तक मेरे कार्यालयीन समय मे दस्तावेजी प्रमाण के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, समयावधि निकल जाने के पश्चात किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या अपील मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी एवं मेरा पक्षकार उक्त सम्पत्ति पर ऋण देने के लिये स्वतंत्र होगा।

अकलंक कुमार जैन -अधिवक्ता
कार्या.: एफ-2, प्लाट क्रं.1बी, बी.एच.ई.एल.गेट नं.1 के सामने, इन्द्रपुरी भोपाल मो. 9981165041

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति
पिपरिया, जिला-नर्मदापुरम् (म.प्र.)
क्र./मंडी/निर्माण/25-26/1720 पिपरिया, दिनांक : 18.12.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक 2025_MPSAM_469585_1 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदायें **दिनांक 16.01.2026 को शाम 5:30 बजे** तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर प्राप्त होंगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल **https://mpmandiboard.in** पर भी अवलोकनीय होगी।
नोटः- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।
म.प्र. माध्यम/123599/2025 सचिव

पेज एक का शेष....

आजादी के '100....

भारत सरकार एवं राज्यों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।
खट्टर ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के लिए तैयार की गई कार्य दिशा पुस्तिका का विमोचन भी किया।
केंद्रीय सचिव आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय नई दिल्ली श्रीनिवास कटिकिथला ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक के आयोजन के बारे में जानकारी दी।

जिस कार्य के....

की जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में तैयार मकानों के आवंटन न होने पर चिंता प्रकट की। इस योजना को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ प्राइवेट रियल्टी सेक्टर के उद्यमियों को प्रोत्साहित करना होगा।

पीएम आवास की ....

के प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान बनाए जा चुके हैं, उनकी सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकार को देना चाहिए। अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने बताया कि मप्र के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों की आवास समस्या के हल के लिए उद्योगपतियों की मदद से किफायती आवास तैयार करने का कार्य राज्य सरकार कर रही है।
सत्र में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा की प्रगति पर भी चर्चा की गई। सत्र में बताया गया कि प्रदेश में बस डिपो और चार्जिंग स्टेशन बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

हिंदू युवक के....

बिलाल हुसैन और उनकी दो अन्य बेटियां सलमा अख्तर (16) और सामिया अख्तर (14) गंभीर रूप से झुलस गईं। बिलाल का इलाज लक्ष्मीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है, जबकि दोनों बेटियों को गंभीर हालत में ढाका भेजा गया है। लक्ष्मीपुर सदर अस्पताल के रेजिडेंशियल मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) डॉ. अरूप पाल के मुताबिक दोनों लड़कियों की बॉडी का 50-60% हिस्सा जल गया है। उनकी हालत गंभीर है। इसके चलते उन्हें ढाका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में रेफर किया गया है।
बिलाल के घर में लगी आग को उनकी मां हाजरा बेगम ने सबसे पहले देखा। हालांकि, वह किसी की पहचान नहीं कर सकीं। इससे पहले गुरुवार देर रात ढाका के नजदीक मयमनसिंह शहर में 25 वर्षीय दीपु चंद्र दास को ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला था। पुलिस के मुताबिक भीड़ ने उस युवक के शव को नग्न करके पेड़ से लटका दिया और बाद में उसमें आग लगा दी। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए मयमनसिंह मेडिकल कॉलेज भेजा है।

असम में राजधानी....

ने बताया कि इलाके में घना कोहरा होने के कारण यह हादसा होने की आशंका है। हादसे वाली जगह अधिसूचित हाथी कॉरिडोर नहीं है। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन इसके बावजूद हाथी ट्रेन से टकरा गए। सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस मिजोरम के सैरांग (आइजोल के पास) से दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल तक जाती है। हादसे के बाद पटरी से उतरे कोचों के यात्रियों को अस्थायी रूप से अन्य डिब्बों में खाली बर्थ पर शिफ्ट किया गया। फिर प्रभावित कोचों को हटाकर बाकी ट्रेन 4 घंटे बाद, सुबह 6:11 बजे गुवाहाटी के लिए रवाना किया गया। गुवाहाटी में ट्रेन में अतिरिक्त कोच जोड़े गए।

बहू को ससुर ने....

बहू ने काफी अधिक शराब पी ली थी और वह चलने की स्थिति में नहीं थी, जिसके बाद वे घर के अंदर ही शराब पीने लगे। इसी दौरान आरोपी नाती करण साकेत मौके पर पहुंचा। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। जब दरवाजा खुला और उसने अपनी मां को दादा के साथ इस हालत में देखा, तो वह आगबबूला हो गया। गुस्से में आकर आरोपी ने अपनी मां और दादा दोनों पर हमला कर दिया। उसने पास ही पड़े डंडे से अपने बुजुर्ग दादा पर तब तक वार किए, जब तक उनकी सांसें नहीं थम गईं। आरोपी करण साकेत की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें बनाकर तलाश शुरू कर दी है।

गिल-जीतेश बाहर....

बनाने वाले ईशान किशन को टीम में शामिल किया गया है। रिंकू सिंह को भी इस टीम में जगह मिली है। बीसीसीआई ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में चार बल्लेबाज, दो विकेटकीपर, दो स्पिन ऑलराउंडर, दो तेज बॉलिंग ऑलराउंडर, दो स्पिनर्स और तीन तेज गेंदबाजों को चुना है। 2026 टी20 विश्व कप के मैच भारत और श्रीलंका में खेले जाने हैं। टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। इन सभी 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत ग्रुप-ए में है। इस ग्रुप में भारत के साथ यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स और पाकिस्तान शामिल है। भारत के पांच और श्रीलंका के तीन वेन्यू पर सभी मुकाबले खेले जाएंगे। अगर पाकिस्तान फाइनल में नहीं प्रवेश करता है तो फिर खिताबी मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम अपने मैच श्रीलंका में खेलेगी। अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल और फाइनल में जाता है तो उसके नॉकआउट मैच श्रीलंका में ही खेले जाएंगे।

2026 टी20 ....

यादव और वरुण चक्रवर्ती 2026 टी20 वर्ल्ड कप में 20 टीमें, देखें भारत का शेड्यूल

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644, 9977912473

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वधु चाहिए
पंजाबी युवक बिलासपुर (छ.ग.) निवासी शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह हाइट 5 फुट 5 इंच, स्वयं का व्यवसाय संपन्न परिवार हेतु शिक्षित कन्या चाहिये।
-:सम्पर्क करें:- 9039965807

वर चाहिए
वर चाहिए- अहिरवार (SC) 28 वर्ष 5'6'' (तलाकशुदा) असिस्टेंट प्रोफेसर (PHD IN PHARMACY) हेतु सक्षम वर चाहिए, कृपया मैरिज ब्यूरो क्षमा करें, संपर्क करे- 9752378176, 91091888890 (35441)

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

भोपाल की सबसे कम कीमत में सबसे ज्यादा सुविधा के साथ
क्लासेस रात्रि 10 बजे तक उपलब्ध है!
DCA PGDCA में प्रवेश लेने पर ...
FREE GYM+CPCT +LIBRARY एक साल तक फ्री
और साथ में Free DCA, PGDCA की All Subject की Books, Q Bank Notes आदि भी फ्री उपलब्ध है!
ONLY LIBRARY 299/- Rs. PER MONTH
भोपाल कम्प्यूटर एकेडमी (अधिकृत : माखनलाल विश्वविद्यालय)
Plot No. 15, NIRMAL TOWER, NEAR APSARA CINEMA, ABOVE SBI BANK, ASHOKA GARDEN, BHOPAL
M. 86027-11111

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
R- 04/12/25 to 17/01/26

राशिफल

मेष – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह – आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक – मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ – मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन – मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 6084

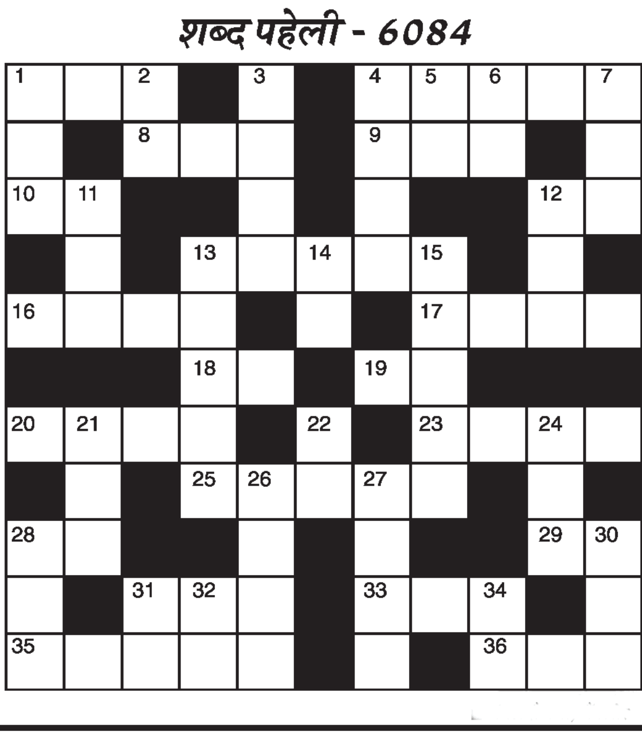

बाएँसेदाएं
1. द्वेष, झगड़ा, रार-3
4. बुरकापोश-5
8. गागर, घड़ा-3
9. प्याऊ (उर्दू-3)
10. पैंदा, तला-2
12. बरस, वर्ष-2
13. सतत, लगातार-5
16. मजार, समाधि-4
17. उदारता, बड़पन्न-4
18. वायदा, कसम-2
19. महीना, माह-2
20. हमसफर-4
23. आदेश, आज्ञा-4
25. कहानी लेखक-5
28. गधा, गर्दभ-2
29. श्रवणेंद्रिय-2
31. बारिश, वर्षा-3
33. देवर्षि-3
35. दया करना-3,2
36. चिंतन

ऊपर से नीचे
1. कुपुत्र-3
2. अधिकार-2
3. सलाह, राय-4
4. अफसोस, खेद-4
5. शीतकालीन फसल-2
6. दलहन-2
7. ठंडा, सर्द-3
11. जिज्ञासा, उत्साह-3
12. बारिश का मौसम-3
13. धारावाही, अविराम, सीरियल-5
14. रीत, परंपरा-2
15. जीवनसाथी, हमराही-5
21. मोर-3
22. जल, नीर-2
24. पीहर-3
26. गजशाला, हाथी घर-4
27. करतब, करामात-4
28. उपभोग, खर्च-3
30. नेत्र, चक्षु, आंख-3
31. सवारी गाड़ी-2
32. रहन, गिरवी वस्तु-2
34. ताकत, जोर, बल-2

शब्द पहेली -6083 का हल

म	न	मो	ह	न	■	र	बा	ना	हो	ना
न	■	म	क	र	■	त	ल	ना	■	का
मो	ह	■	■	गि	■	ज	■	■	क	म
ह	म	■	आ	स	ल	गा	ना	■	मा	या
क	ल	र	व	■	क्ष	■	म	त	ल	ब
■	■	■	भ	ला	■	जो	र	■	■	■
ज	ग	म	ग	■	मौ	■	ख	चा	ख	च
मी	ल	■	त	म	त	मा	ना	■	र	म
न	त	■	■	हा	■	ल	■	■	ल	क
दा	■	म	चा	न	■	खा	रि	श	■	दा
र	म	णी	य	ता	■	ना	ट	क	का	र

सूडोकु नवताल - 6094

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6093 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

निवेश लिए अगले साल लें स्मार्ट फैसला, तभी कर पाएंगे कमाई

मल्टी-एसेट में मिलेगा बढ़िया रिटर्न

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

- इस साल 2025 में गोल्ड और सिल्वर में रही मजबूत रैली
- बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश न करें
- बेहतर है लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं
- जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सकेगा
- शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय अनुशासन व लंबी अवधि पर करें फोकस

साल 2025 वैश्विक और घरेलू स्तर पर निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टैरिफ, जियो-पॉलिटिकल टेंशन, जीएसटी सुधार और आईपीओ की बढ़ती गतिविधियों के बीच शेयर बाजार लंबे समय तक सीमित दायरे में घूमता रहा। हालांकि साल के दूसरे हिस्से में बाजार में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखने लगे। इसी दौरान 2 एसेट क्लास सोना और चांदी ने निवेशकों को सबसे ज्यादा अट्रैक्ट किया। जहां सोने ने इस कैलेंडर ईयर में अबतक 63% रिटर्न दिया, वहीं चांदी ने 100% से ज्यादा की तेजी दिखाई, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी एक बार फिर वैकल्पिक एसेट्स की ओर बढ़ी। बीते रिटर्न को देखकर निवेश करना अक्सर गलत फैसलों की वजह बनता है। तेजी के बाद निवेश करने का ट्रेंड, जिसे रिटर्न के पीछे भागना" कहा जाता है, लंबे समय में नुकसान भी पहुंचा सकती है। ऐसे माहौल में विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने के बजाय निवेशकों को लंबी अवधि की सोच, अनुशासन और मल्टी-एसेट डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान देना चाहिए। अलग-अलग एसेट क्लास में संतुलित निवेश न सिर्फ रिस्क को कम करता है, बल्कि समय के साथ कंपाउंडिंग के जरिए बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है।

रिटर्न के पीछे भागना गलत स्ट्रैटेजी

लॉन्ग टर्म रिटर्न चार्ट देखें तो पता चलेगा कि सोने में निवेशकों का इंटरेस्ट तब तेजी से बढ़ता है, जब इसके रिटर्न तेजी से बढ़ने लगते हैं, लेकिन जैसे ही कीमतें गिरती हैं, यह इंटरेस्ट भी कम हो जाता है। यह प्रतिक्रिया पर आधारित तरीका साफ बताता है कि निवेश में अनुशासन और निरंतरता कितनी जरूरी है। बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने की बजाय, निवेशकों के लिए बेहतर है कि वे लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं, जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सके। इसे अपनाने का एक असरदार तरीका है आउटसोर्स्ड एसेट एलोकेशन, यानी ऐसे फंड्स में निवेश करना जो अलग-अलग एसेट क्लास में अपने आप निवेश को संतुलित करते हैं।

क्यों जरूरी है डायवर्सिफिकेशन

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के पीछे भागना, चाहे तेजी के समय शेयर हों या गिरावट के समय सोना, अक्सर गलत समय पर निवेश करने और बाजार के अधिक उतार-चढ़ाव का जोखिम बढ़ा देता है। डायवर्सिफिकेशन इन जोखिम को कम करता है, क्योंकि इसमें पैसा अलग-अलग एसेट्स में लगाया जाता है जो अलग परिस्थितियों में अलग तरह से व्यवहार करते हैं। लेकिन अब यह ट्रेंड फिर से बदल रहा है। जून 2024 से, बाजार ने एक बार फिर तेज ग्रोथ और अच्छी क्वालिटी वाली कंपनियों को बेहतर रिटर्न देना शुरू कर दिया है। इन कंपनियों ने अप्रैल 2023 से मई 2024 के दौरान हुए अपने खराब प्रदर्शन का एक-चौथाई से ज्यादा हिस्सा वापस हासिल कर लिया है। इसलिए निवेशकों को शेयरों में भी अलग-अलग स्टाइल में निवेश करके पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करना चाहिए।

समझदारी दिखाएं

आज की दुनिया में, जहां बदलाव लगातार हो रहा है, समझदारी से किया गया डायवर्सिफिकेशन एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाने के लिए सिर्फ अच्छा नहीं, बल्कि बहुत जरूरी है। निवेशकों को शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय संतुलन, अनुशासन और लंबी अवधि की रणनीति पर ध्यान देना चाहिए। इसलिए, अलग-अलग एसेट्स में डायवर्सिफाइड मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो को जोखिम और रिटर्न के सही संतुलन में मदद करने दें, ताकि समय के साथ कंपाउंडिंग अपना कमाल दिखा सके।

प्रमुख एसेट क्लास और उनका व्यवहार

आज के आपस में जुड़े हुए और उतार-चढ़ाव भरे ग्लोबल वित्तीय माहौल में, सिर्फ एक ही एसेट क्लास पर भरोसा करना निवेशकों के लिए बेवजह का जोखिम पैदा कर सकता है, चाहे उसने हाल ही में कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। इस समय मुख्य एसेट क्लास किस तरह का व्यवहार कर रहे हैं।

सोना और चांदी

ये कीमती धातुएं पारंपरिक रूप से सुरक्षित निवेश मानी जाती हैं। महंगाई के समय या जब सामान्य करेंसी (फिएट करेंसी) कमजार होती है, तब ये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। चांदी का इस्तेमाल इंडस्ट्री में भी होता है, इसलिए यह इकोनॉमिक साइकिल से ज्यादा प्रभावित होती है। इससे इसमें उतार-चढ़ाव भी ज्यादा होता है, लेकिन मौके भी मिलते हैं।

शेयर (इक्विटी)

शेयरों में बढ़त की अच्छी संभावना होती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो नई तकनीक और इनोवेशन से जुड़े होते हैं, लेकिन ये ब्याज दरों, कंपनियों की कमाई के अनुमान और आर्थिक बदलावों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। अलग-अलग देशों और इंडस्ट्री में इनका प्रदर्शन काफी अलग हो सकता है।

फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड)

बॉन्ड अपेक्षाकृत स्थिरता और फिक्स्ड इनकम देते हैं। हालांकि ब्याज दरें बढ़ने पर बॉन्ड की कीमतों पर दबाव आ सकता है, फिर भी ये जोखिम कम करने और पूंजी को सुरक्षित रखने के लिए बहुत जरूरी होते हैं। खासकर सतर्क निवेशकों या

रिटायरमेंट के करीब लोगों के लिए ये काफी उपयोगी हैं।

रियल एसेट्स और वैकल्पिक निवेश

रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और कमोडिटीज महंगाई से बचाव करने और निवेश में डाइवर्सिफिकेशन लाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, प्राइवेट इक्विटी और हेज फंड जैसे वैकल्पिक निवेश रिटर्न बढ़ा सकते हैं, लेकिन इनमें जोखिम अधिक होता है और पैसा जल्दी निकालना आसान नहीं होता।

(डिस्क्लेमर : यह आर्टिकल ब्रोकरेज हाउस की रिपोर्ट के आधार पर जानकारी के उद्देश्य से दिया है। यह फाइनेंशियल एक्सप्रेस के निजी विचार नहीं हैं। किसी कैटेगरी में निवेश की सलाह ब्रोकरेज हाउस के द्वारा दी गई है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश के पहले एक्सपर्ट की सलाह लें।)

विदेश घूमने का है प्लान तो ट्रैवल इंश्योरेंस लेते समय न करें गलतियां

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी विदेश में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो कुछ सावधानियां बरतें और विदेश जाने से पहले ट्रैवल इंश्योरेंस की बारीकियों को अच्छे से समझ लें, ताकि कवरेज, सब-लिमिट या बीमारी छिपाने जैसी गलती से आपका क्लेम अटके नहीं। वरना आपको इससे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अक्सर विदेश घूमने की प्लानिंग में फ्लाइट, होटल, घूमने-फिरने की जगहें सब कुछ सोच लिया जाता है, लेकिन ज्यादातर लोग इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस को हल्के में ले लेते हैं, जबकि बाहर कुछ अनहोनी हो जाए तो यही इंश्योरेंस बड़ा सहारा बन सकता है। जानकारों का कहना है कि भारतीय यात्री अक्सर कुछ आम गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बाद में भारी नुकसान हो सकता है। इसलिए कभी भी विदेश घूने के लिए जाएं तो इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस के बारे में अच्छे से जान लें। इससे आप आसानी से बिना किसी चिंता के विदेश घूम सकेंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ नियम जो आपको विदेश जाने के दौरान होने वाली परेशानियां से बचाएंगे और सुरक्षित रखेंगे।

कवरेज की रकम कम रखना सबसे बड़ी भूल

शेंगेन देशों के लिए वीजा लेने के लिए कम से कम 30,000 यूरो का कवर जरूरी होता है, लेकिन ये सिर्फ वीजा की शर्त है, सुरक्षा के लिए नहीं। अमेरिका या यूरोप जैसे देशों में मेडिकल खर्चा बहुत ज्यादा होता है। वहां एक दिन आईसीयू में रहने से ही पूरी कवरेज रकम खत्म हो सकती है और बाकी लाखों रुपये खुद की जेब से देने पड़ सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतें और ध्यान रखें।

पहले से मौजूद बीमारियां छिपाना भारी

कई लोग डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी पुरानी बीमारियां छिपा देते हैं, ताकि प्रीमियम कम देना पड़े। अगर विदेश में हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़े और वो बीमारी छिपाई गई पुरानी बीमारी से जुड़ी हुई निकले, तो क्लेम तुरंत रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए जब भी इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस लें तो अपनी सारी बीमारियों का उल्लेख करें। इससे क्लेम लेने में परेशानी होगी।

सिर्फ मेडिकल कवर पर ध्यान न दें

ट्रैवल इंश्योरेंस में सिर्फ इलाज ही नहीं, फ्लाइट डिले, कैंसिलेशन और सामान खोने जैसी परेशानियों का भी कवर मिलता है। "अगर फ्लाइट छह घंटे से ज्यादा लेट हो जाए तो होटल और खाने का खर्चा क्लेम किया जा सकता है। सामान खोने पर एयरलाइन का लिखित डॉक्यूमेंट जरूर रखें, वरना इंश्योरेंस कंपनी क्लेम नहीं मानेगी।" इसलिए सिर्फ मेडिकल कवर ही नहीं, बाकी चीजों पर ध्यान न दें, ताकि किसी आपात स्थिति में आपको परेशानी का सामना न करना पड़े।

सब-लिमिट को नजरअंदाज करना

कई पॉलिसी में रूम रेंट या सर्जरी जैसे खर्चों पर अलग-अलग कैप यानी सब-लिमिट होती है। "भले ही कुल कवरेज रकम ज्यादा हो, लेकिन सब-लिमिट की वजह से क्लेम में बहुत कटौती हो सकती है।" इसलिए सब लिमिट पर भी ध्यान दें, ताकि बाद में पछताना न पड़े। इससे आप आसानी से क्लेम कर सकेंगे। अपनी ट्रिप के हिसाब से सही इंश्योरेंस चुनें कवरेज रकम और फीचर्स आपकी यात्रा की जगह, मकसद और दिनों के हिसाब से होने चाहिए। जानकारों का कहना है कि आप जिस देश में जा रहे हैं, वहां इलाज का औसत खर्चा एक बार जरूर चेक कर लेना चाहिए। अमेरिका-यूरोप में इलाज का खर्च बहुत महंगा पड़ता है, जबकि साउथ ईस्ट एशिया या मिडिल ईस्ट में थोड़ा कम, लेकिन फिर भी काफी ज्यादा होता है। इसलिए पहले उस देश की स्थिति जरूी देख लें जहां आप घूमने जा रहे हैं।

यात्रा का मकसद

बिजनेस ट्रिप पर जाने वाले लोग फ्लाइट डिले, मिस्ड कनेक्शन और लैपटॉप-डिवाइस कवर को प्राथमिकता दें। घूमने-फिरने वाले लोगों को एडवेंचर स्पोर्ट्स, कार रेंटल या क्रूज कवर की जरूरत पड़ सकती है। "बुजुर्गों को पुरानी बीमारियां पूरी तरह बतानी चाहिए। कैशलेस हॉस्पिटलाइजेशन वाली पॉलिसी लें और कम खर्च वाले देशों में भी ज्यादा कवरेज रखें।" शुरू में आपको थोड़ा ज्यादा पैसा प्रीमियम के तौर पर देना पड़ सकता है, बाद में यह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

एक्सक्लूजन और शर्तें ध्यान से देखें

एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं : ज्यादातर पॉलिसी में सिर्फ लाइसेंस वाले इंस्ट्रक्टर की निगरानी में किए गए मनोरंजन वाले एक्टिविटी का कवर मिलता है। प्रोफेशनल लेवल पर प्राइज मनी वाली एक्टिविटी शामिल नहीं होती। एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं देखकर ही बीमा करवाएं।

डिडक्टिबल और सब-लिमिट

डिडक्टिबल वो फिक्स रकम है जो आपको खुद देनी पड़ती है, उसके बाद इंश्योरेंस शुरू होता है। "लोग अक्सर नहीं जानते कि डिडक्टिबल से कम का क्लेम बिल्कुल नहीं मिलेगा।" विदेश यात्रा का इंश्योरेंस सिर्फ औपचारिकता नहीं है। सही तरीके से समझकर और अपनी जरूरत के मुताबिक लिया गया प्लान भारी-भरकम मेडिकल बिल, ट्रिप में रुकावट और दूसरी परेशानियों से बचा सकता है।

निवेशकों को खूब भाया

फ्लेक्सी कैप फंड्स इस साल रहा टॉपर

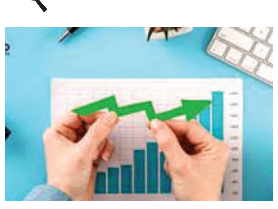

बिजनेस डेस्क

- नेट सेल्स 12 महीनों में सबसे ज्यादा रही
- म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ हुआ
- फ्लेक्सी कैप की खासियत ये लार्ज, मिड व स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश बदलते रहते हैं

एक साल में म्यूचुअल फंड मार्केट में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे बड़े विजेता बनकर उभरे हैं। यह दिखाता है कि उतार-चढ़ाव वाले बाजार में निवेशक अब ज्यादा लचीलापन चाहते हैं। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। निवेशकों ने इसमें बढ़-चढ़कर निवेश और अपनी पूंजी बढ़ाई। इस फंड में मिल रहे अच्छे रिटर्न के कारण ही यह इस सबसे लोकप्रिय फंड बनकार उभरा और निवेशकों का धन बढ़ाने का काम किया।

इक्विटी की मजबूती से बूस्ट

फ्लेक्सी-कैप फंड्स के अच्छे प्रदर्शन से कुल इक्विटी-बेस्ड म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी बढ़ी है। अब इक्विटी स्कीमें कुल म्यूचुअल फंड एयूएम का करीब 60% हिस्सा रखती हैं, जो बताता है कि रिटेल निवेशक हाई रिटर्न के लिए जोखिम लेने को तैयार हैं। एसआईपी के जरिए इक्विटी फंड्स में लगातार पैसा आ रहा है, जिससे फ्लेक्सी-कैप फंड्स को लंबे समय का स्थिर निवेश मिल रहा। ये पोर्टफोलियो का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

म्यूचुअल फंड का एसेट्स बैंक डिपॉजिट का एक तिहाई

घरेलू बचत के तरीके में अब साफ बदलाव दिखाई दे रहा है। म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो अब कुल बैंक डिपॉजिट का करीब 33% है। एक दशक पहले यह आंकड़ा सिर्फ करीब 13% था। यह बढ़ोतरी दिखाती है कि निवेशक पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट से धीरे-धीरे हटकर लंबे समय में ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं, खासकर फ्लेक्सी-कैप जैसे इक्विटी आधारित फंड्स की तरफ।

निवेशकों की सोच में बदलाव

पिछले 5 सालों में म्यूचुअल फंड की संपत्ति 22% की सालाना दर (सीएजीआर) से बढ़ी है, जो बैंक डिपॉजिट की करीब 11% की बढ़त से डबल है। यह बढ़ता गैप बताता है कि लोगों में वित्तीय जागरूकता बढ़ी है, मेट्रो शहरों के बाहर भी म्यूचुअल फंड की पहुंच मजबूत हुई है और प्रोफेशनल फंड मैनेजमेंट पर भरोसा बढ़ा है। ग्रोथ की संभावना और लचीलापन रखने वाले फ्लेक्सी-कैप फंड्स इस बदलाव के सबसे बड़े बेनेफिशियरीज में शामिल हैं।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता व घरेलू बचत में म्यूचुअल फंड की बढ़ती हिस्सेदारी यह साफ दिखाती है कि भारत में निवेश की सोच बदल रही है। निवेशक अब बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

क्या है फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करता है। इसमें फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, जिससे वे बाजार की स्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड की विशेषताएं

- **लचीलापन:** फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, वे बाजार के अनुसार पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।
- **विविधता:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से लार्ज, मिड व स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **जोखिम और रिटर्न का संतुलन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको जोखिम और रिटर्न का संतुलन मिलता है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है ।

फ्लेक्सी कैप फंड के लाभ

- **पेशेवर मैनेजमेंट:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको पेशेवर फंड मैनेजर्स की दक्षता और जानकारी का लाभ मिलता है।
- **डायवर्सिफिकेशन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है

ईपीएफ-एनपीएस से एफडी तक

2025 में बुजुर्गों को मिला कितना रिटर्न

जानकारी

बिजनेस डेस्क

इस साल भारत के बुजुर्गों के लिए सेवानिवृत्ति पर निवेश से मिले-जुले नतीजे सामने आए हैं। ज्यादातर फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में रिटर्न स्थिर रहे, जबकि शेयर बाजार से जुड़े निवेश में काफी उतार-चढ़ाव दिखा। यह सब निवेश की मात्रा और सही समय पर निर्भर करता रहा। सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न अच्छे और स्थिर रहे। पेंशनबाजार के हेड विश्वजीत गोयल के मुताबिक, ईपीएफ ने 2024-25 के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दिया। वहीं सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सरकारी छोटी बचत योजनाओं में 8.2 फीसदी का रिटर्न मिला। पोस्ट ऑफिस की जमा योजनाएं 6.9 से 7.5 फीसदी तक ब्याज दे रही थीं, जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट में बुजुर्गों को 7 से 7.5 फीसदी के बीच मिला। कुल मिलाकर सुरक्षित विकल्पों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया।

बाजार से जुड़े निवेश में बड़ा अंतर

मार्केट लिंक्ड विकल्पों की बात अलग थी। विश्वजीत गोयल बताते हैं कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के इक्विटी स्कीमों ने एक साल में मिड-20 से लो-30 फीसदी तक रिटर्न दिया। कॉर्पोरेट बॉन्ड स्कीमों में करीब 9 फीसदी और सरकारी बॉन्ड स्कीमों में 4 से 6 फीसदी तक मिला।

- रिटायरमेंट निवेश का सचः 2025 में बुजुर्गों के रिटायरमेंट निवेश में फिक्स्ड इनकम स्थिर रहे
- वहीं, इक्विटी और एनपीएस में रिटर्न समय और निवेश के हिसाब से बदलते रहे

एक आम रिटायरमेंट के करीब व्यक्ति जिसने एनपीएस में बैलेंस्ड तरीके से पैसा लगाया, उसे कुल 8 से 12 फीसदी रिटर्न हाथ लगा, लेकिन शेयर बाजार इंडेक्स ने बहुत कम दिया। जानकारों के अनुसार, निफ्टी और सेंसेक्स टीआरआई ने वित्त वर्ष 2025 में महज करीब 6 फीसदी रिटर्न दिया।

निवेशकों की गलतियां

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि कई बुजुर्गों ने गलतियां कीं। ज्यादातर लोग बैंक डिपॉजिट में ही ज्यादा पैसा रखे रहे, टैक्स बचत वाले विकल्पों का फायदा नहीं उठाया या गलत एन्युटी प्लान चुन लिया, जिससे पेंशन कम हो गई या जीवनसाथी को कोई सुरक्षा नहीं मिली। सबसे बड़ी समस्या यह रही कि मेडिकल महंगाई 12-15 फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही है, जबकि ज्यादातर बुजुर्गों को सिर्फ 7-8 फीसदी रिटर्न मिल रहा है। ऑनलाइन ठगी का खतरा बताया। उदाहरण के तौर पर पुणे के एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर ने गारंटीड रिटर्न का लालच देकर चलाए जा रहे ऑनलाइन स्कैम में पूरा 2.2 करोड़ रुपये गंवा दिए।

ये जरूरी बदलाव आपको 2026 के लिए क्या करनी है तैयारी

- आर्थिक विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अब धीरे-धीरे ऐसा पोर्टफोलियो बनाएं। इसमें नियमित आय भी आए और थोड़ी ग्रोथ भी रहे। मिड और स्मॉल कैप में ज्यादा निवेश कम करें, डेट हिस्से को मजबूत बनाएं और 3 से 5 साल की जरूरत के लिए लिक्विडिटी अलग रखें।
- एससीएसएस, ईपीएफ, शॉर्ट से मीडियम टर्म डेट फंड्स, रीट्स/इनविट्स, लैडर्ड फिक्स्ड डिपॉजिट और थोड़ा सा इक्विटी हिस्सा मिलाकर चलें। साथ ही 6 से 12 महीने का आपातकालीन फंड जरूर रखें।

अनुमानः ब्याज दरें नीचें आएंगी

- विशेषज्ञों की लोगों को सलाह कि वे लंबे समय के ब्याज दरें नीचे आएंगी, इसलिए अभी जो अच्छे स्थिर रिटर्न मिल रहे हैं, उन्हें लॉक कर लेना चाहिए। अनुमान है कि 2026 में बैंक एफडी पर 5.5 से 7.5 फीसदी और जी-सेक पर 6 से 6.5 फीसदी तक मिल सकता है। अगर ब्याज दरें गिरेंगी तो एन्युटी की पेआउट भी कम हो सकती है।
- 2024-25 में कई बड़े नियम बदले। यूनिफाइड पेंशन स्कीम शुरू हुई, एनपीएस वात्सल्य लॉन्च हुआ, एनपीएस/यूपीएस/एपीवाई के चार्जेस बदले गए और इंश्योरेंस टैक्स व जीएसटी में भी बदलाव आए। 2026 की प्लानिंग करते समय इन सब पर नजर रखनी जरूरी है।

सावधानी नहीं बरती तो बिगड़ जाएगा फाइनेंस का पूरा गणित

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही तय करते हैं बुढ़ापे की जिंदगी

लापरवाही बरती तो बुढ़ापे में इसका खामियाजा भुगतना होगा

बिजनेस डेस्क

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही बुढ़ापे की जिंदगी तय करते हैं। अगर आपने इस उम्र में गलत डिसीजन लिए या लापरवाही बरती तो बुढ़ापे पर आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे 5 ऐसी गलतियों के बारे में जो आपके बुढ़ापे पर फाइनेंस का पूरा गणित बिगाड़ सकती हैं और आपको भारी आर्थिक परेशानियों का समना करना पड़ सकता है। जवानी में करियर, मस्ती और लाइफस्टाइल पर पूरा फोकस रहता है। इसी भागदौड़ में कई ऐसे फैसले टलते रहते हैं, जो बुढ़ापे को सिक्योर बनाने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। उस वक्त लगता है कि अभी बहुत समय है, बाद में देख लेंगे. लेकिन जब उम्र बढ़ती है और जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, तब उन गलतियों को सुधारने की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है।

निवेश में देरी

सबसे बड़ी और सबसे आम गलती है समय रहते निवेश शुरू न करना। कई लोग निवेश को खर्च समझ लेते हैं और सोचते हैं कि जब सैलरी बढ़ेगी तब निवेश करेंगे। कुछ लोग 20 साल और 30 साल की उम्र मौज-मस्ती में निकाल देते हैं, जबकि हकीकत यह है कि निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा है। छोटी रकम से भी निवेश शुरू किया जा सकता है, जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना ज्यादा समय कंपाउंडिंग को मिलेगा और उतना बड़ा फंड तैयार होगा। देर करने पर बुढ़ापे में फंड की कमी साफ महसूस होती है। इसलिए हमेशा निवेश जल्द शुरू कर देना चाहिए, ताकि बाद में पछताना ना पड़े और समय रहते आपके पास अच्छा खासा फंड एकत्र हो सके।

निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा

घर नहीं सोचा तो बुढ़ापे में परेशानी

आज भी बहुत से लोग किराए के घर में रहते हुए सोचते रहते हैं कि कभी तो अपना घर लेंगे। लेकिन सही समय पर प्लानिंग न करने की वजह से ये सपना अधूरा रह जाता है। जवानी में होम लोन लेना आसान होता है, ईएमआई चुकाने के लिए लंबा समय मिलता है और इनकम बढ़ने की संभावना भी रहती है। 40 साल की उम्र के बाद ये फैसला मुश्किल हो जाता है। जो लोग समय रहते घर की प्लानिंग नहीं करते, वो बुढ़ापे में सबसे ज्यादा पछताते हैं। इसलिए आप अपना बुढ़ापा शान से गुजारना चाहते हैं तो 40 साल की उम्र होने से पहले ही अपने लिए एक मकान जरूर बना लें। इससे आपको बुढ़ापे में परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी।

लाइफस्टाइल के चक्कर में कर्ज का जाल

जरूरत और शौक के फर्क को न समझना भी एक बड़ी गलती है। कई युवा लग्ज़री लाइफ जीने के लिए क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो जाते हैं। लंबे समय तक कर्ज चुकाने से सेविंग नहीं बन पाती। नतीजा यह होता है कि बुढ़ापे तक भी ईएमआई पीछा नहीं छोड़ती। लोन उतना ही लें, जितना आपकी इनकम और सेविंग्स आराम से संभाल सकें। लाइफस्टाइल के चक्कर में कर्ज का जाल एक बड़ा खतरा है, जिससे हमें बचना होगा। हमें अपनी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देनी, बजट बनाना, कर्ज लेने से पहले सोचना और कर्ज को जल्दी चुकाने की कोशिश करनी होगी। तभी हम कर्ज के जाल से बच सकते हैं।

इंश्योरेंस से दूरी

कई लोग सोचते हैं कि इंश्योरेंस की अभी क्या जरूरत है, लेकिन यही सोच आगे चलकर भारी पड़ती है। कम उम्र में टर्म और हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर प्रीमियम कम होता है और कवर ज्यादा मिलता है। यह मुश्किल समय में आपके और आपके परिवार के लिए मजबूत सुरक्षा कवच बनता है। हेल्थ खर्च और अनहोनी से बचाव के लिए इंश्योरेंस को नजरअंदाज करना बड़ी भूल है। समय रहते इंश्योरेंस कवर ले लेना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में मुंह न ताकना पड़े।

रिटायरमेंट प्लानिंग टालना

बच्चे संभाल लेंगे या अभी तो बहुत टाइम है जैसी सोच सबसे खतरनाक होती है। जल्दी रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना ही मजबूत फंड तैयार होगा।

केंद्र सरकार का 'विकसित भारत- जी राम जी' बिल आखिर संसद में पारित हो गया। सत्ता पक्ष का तर्क है कि मनरेगा में समय के साथ कई संरचनात्मक खामियां पैदा हो गई थीं, जिनका लाभ भ्रष्ट तत्वों ने उठाया। नए विधेयक के जरिए सरकार मजदूरों को अधिक काम, बेहतर भुगतान व्यवस्था और पारदर्शिता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अब काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो यह मजदूरों के लिए सकारात्मक कदम होगा। उधर, प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने इसके नाम परिवर्तन पर विरोध जताया है। कांग्रेस का आरोप है कि इस योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है। वहीं, विपक्ष ने यह आशंका भी जताई कि धीरे-धीरे यह योजना अपने मूल स्वरूप से दूर हो जाएगी और भविष्य में इसे समाप्त करने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। अब असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, संसद की बहस और राजनीतिक घमासान के बीच देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। इसी मुद्दे का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

भरोसे की कसौटी पर 'जी राम जी'

विश्लेषण
सुशील देव
वरिष्ठ स्तंभकार

आखिरकार लंबी और तीखी राजनीतिक बहस के बाद 'जी राम जी' विधेयक लोकसभा में पारित हो गया। मजदूरों के हित में लाए गए इस विधेयक को केंद्र सरकार मनरेगा का उन्नत और पारदर्शी विकल्प बता रही है, जबकि विपक्ष इसे एक लोकप्रिय योजना को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम को हटाने का राजनीतिक प्रयास मान रहा है। संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का शोर, धक्का–मुक्की और आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले, उसने यह साफ कर दिया कि यह केवल एक प्रशासनिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि विचारधारा और राजनीति से भी गहराई से जुड़ा विषय है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि 'विकसित भारत जी राम जी विधेयक 2025' के जरिए सरकार मजदूरों को अधिक काम, बेहतर भुगतान व्यवस्था और पारदर्शिता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सरकार का दावा है कि मनरेगा में समय के साथ कई संरचनात्मक खामियां पैदा हो गई थीं, जिनका लाभ भ्रष्ट तत्वों ने उठाया। अनियमितताएं बढ़ीं।

मजदूरों के हित में लाए गए 'विकसित भारत जी राम जी विधेयक को केंद्र सरकार मनरेगा का उन्नत और पारदर्शी विकल्प बता रही है, जबकि विपक्ष इसे लोकप्रिय योजना को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम को हटाने का राजनीतिक प्रयास मान रहा है। संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का शोर और आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले, उसने यह साफ कर दिया कि यह केवल एक प्रशासनिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि विचारधारा और राजनीति से भी गहराई से जुड़ा विषय है। उम्मीद करें कि मेहनतकश व्यक्ति को उनका सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य मिलेगा।

नाम परिवर्तन पर विपक्ष नाराज

मजदूरी और निर्माण सामग्री के अनुपात में गड़बड़ी, फर्जी जॉब कार्ड, भुगतान में देरी और राज्यों में धन के दुरुपयोग जैसे आरोप लंबे समय से सामने आते रहे हैं। सरकार का कहना है कि नए विधेयक में तकनीक, निगरानी और जवाबदेही को मजबूत किया गया है, ताकि गरीब मजदूर तक योजना का वास्तविक लाभ पहुंचे।

वहीं विपक्ष की आपत्ति का केंद्र केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि नाम परिवर्तन भी है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार योजनाओं के नाम बदलने में ज्यादा रुचि रखती है, बजाय उनके प्रभावी क्रियान्वयन के। उनका कहना है कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि उस विचारधारा को कमजोर करने का प्रयास है, जो गांव, श्रम और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखती है। विपक्ष ने यह आशंका भी जताई कि धीरे-धीरे यह योजना अपने मूल स्वरूप से दूर हो जाएगी और भविष्य में इसे समाप्त करने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। इसी कारण विपक्ष ने विधेयक को स्थायी समिति में भेजने की मांग की, ताकि विस्तृत चर्चा और संशोधन हो सकें, लेकिन यह मांग लोकसभा में खारिज कर दी गई। सरकार ने विपक्ष के इन आरोपों का तीखा जवाब दिया।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन में कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया, जबकि उनके आदर्शों को जमीन पर लागू नहीं किया। उन्होंने याद दिलाया कि मनरेगा का मूल नाम 'नरेगा' था और 2009 के चुनाव से पहले इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया।

सरकार का दावा है कि मोदी सरकार ने गांधी के ग्राम स्वराज, स्वावलंबन और श्रम की गरिमा के विचारों को वास्तविक नीतियों में उतारने का प्रयास किया है। चौहान ने आंकड़ों के जरिए यह भी बताया कि कांग्रेस शासन के दौरान जहां 1660 करोड़ श्रम दिवस सृजित हुए, वहीं मौजूदा सरकार के दौरान यह आंकड़ा 3210 करोड़ तक पहुंचा। महिलाओं की भागीदारी भी 48 प्रतिशत से बढ़कर 56.73 प्रतिशत होने का दावा किया गया। सरकार की एक बड़ी दलील यह भी रही कि मनरेगा में मजदूरी और सामग्री खर्च का संतुलन कई राज्यों में बिगड़ा हुआ था। नियमों के अनुसार जहां 60 प्रतिशत राशि मजदूरी पर खर्च होनी चाहिए थी, वहां कई राज्यों में यह अनुपात कम कर दिया गया और सामग्री पर बेहद कम खर्च दिखाया गया। इससे न केवल काम की गुणवत्ता प्रभावित हुई, बल्कि भ्रष्टाचार के रास्ते भी खुले।

लूट-खसोट पर लगाम लगेगी

सरकार का कहना है कि 'जी राम जी' विधेयक में इन खामियों को दूर करने के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं और तकनीकी निगरानी से लूट-खसोट पर लगाम लगेगी। हालांकि विपक्ष का यह सवाल भी वाजिब है कि किसी योजना की आत्मा केवल नियमों से नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। मनरेगा ने अपने शुरुआती वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल दिया, पलायन को रोका और संकट के समय लाखों परिवारों के लिए सुरक्षा कवच का काम किया। कोरोना काल में भी इस योजना ने ग्रामीण भारत को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे में विपक्ष का डर है कि बदलाव की आड़ में यदि योजना की पहुंच या अधिकार कमजोर हुए, तो इसका सीधा असर सबसे गरीब वर्ग पर पड़ेगा। विपक्ष दलों ने संसद से सड़क तक इस विधेयक को लेकर विरोध जताया। कहा, महात्मा गांधी का नाम हटाकर सरकार ने उचित नहीं किया। विपक्ष ने इसे गांधी का अपमान भी बताया। सच यह भी है कि मनरेगा जैसी बड़ी योजना में खामियां रही हैं और कुछ राज्यों में केंद्र व राज्य-दोनों की जिम्मेदारी तय होती है। भुगतान में देरी, काम की उपलब्धता और निगरानी की समस्याएं वास्तविक रही हैं।

अब 125 दिन काम की गारंटी

यदि नया विधेयक इन समस्याओं को दूर करता है और सरकार का यह दावा सही साबित होता है कि अब काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो यह मजदूरों के लिए सकारात्मक कदम होगा। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि पारदर्शिता केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर भी दिखे। आखिरकार 'जी राम जी' विधेयक केवल नाम परिवर्तन या राजनीतिक जीत–हार का मुद्दा नहीं होना चाहिए। यह करोड़ों ग्रामीण मजदूरों की रोजी–रोटी से जुड़ा सवाल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष-दोनों को चाहिए कि वे जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने के बजाय इसके क्रियान्वयन पर नजर रखें।

सुरक्षित भविष्य की उम्मीद

यदि सरकार वास्तव में गांधी के आदर्शों को जीवित रखने और विकसित गांव की नींव पर विकसित भारत बनाने का दावा कर रही है, तो उसे इस विधेयक को पूरी ईमानदारी से लागू करना होगा। वहीं विपक्ष की भूमिका भी केवल विरोध तक सीमित न रहकर रचनात्मक सुझाव देने की होनी चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि नए नाम और नए ढांचे के साथ यह योजना मजदूरों के काम के अधिकार को मजबूत करेगी, गांवों में टिकाऊ विकास को बढ़ावा देगी और राजनीति से ऊपर उठकर उस उद्देश्य को पूरा करेगी। उम्मीद करनी चाहिए कि मेहनतकश व्यक्ति को उनका सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य मिलेगा।

नाम बदलने के साथ हकीकत भी बदले

नई योजना
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

शेक्सपियर के मशहूर नाटक रोमियो एंड जूलियट की एक लाइन है, जिसका अर्थ है- नाम में क्या रखा है। आज अगर शेक्सपियर होते तो भारत की संसद उन्हें बताती कि शेक्सपियर महोदय, नाम में बहुत कुछ रखा है। संसद अब सिर्फ नाम पर ही बहस करेगी क्योंकि मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार ने मनमोहन सरकार द्वारा लाई गई योजना महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) का नाम बदलकर विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी राम जी) कर दिया है। बहरहाल, विपक्ष ने इसका विरोध बिल के प्रावधानों के साथ ही ये कहकर भी किया कि महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है। ये पहली बार नहीं है जब मोदी सरकार पुरानी योजनाओं की जगह नए नाम के साथ स्कीम लाई हो। योजनाओं के नाम के साथ ही शहरों के नाम, सड़कों के नाम, जगहों के नाम बदले गए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि 1975 से 2013 के बीच शुरू की गई 32 योजनाओं को मोदी सरकार ने नाम बदलकर लॉन्च किया। वह सरकार पर पुरानी योजनाओं की रीपैकेजिंग और रीब्रैंडिंग का इल्जाम लगाती रही है। गांधीजी का नाम हटाना उनकी विरासत को मिटाने की कोशिश है। सिर्फ नाम बदलकर क्रेडिट लेने की मांग है जबकि पहले मोदीजी इसे फेलियर का स्मारक कहते थे। जबकि सरकार का कहना है कि यह विकसित भारत 2047 के विजन से जुड़ा है और गांधीजी के विचारों से कोई विरोध नहीं है। नए कानून की सबसे बड़ी घोषणा है कि ग्रामीण परिवारों को मिलने वाले गारंटीड रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 कर दिए जाएंगे। 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार मिलने से उनकी आय में इजाफा होगा, साथ ही रोजगार सृजन के नए तरीके विकसित होंगे। पहली नजर में यह फैसला राहत भरा लगता है, लेकिन इसके साथ एक बड़ा बदलाव भी जुड़ा है। अब इस योजना का पूरा खर्च केंद्र सरकार नहीं उठाएगी। राज्यों को 10 से 40 प्रतिशत तक खर्च अपनी जेब से देना होगा। यानी जहां पहले मनरेगा पूरी तरह केंद्र प्रायोजित योजना थी, अब राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ने वाला है। जमीनी हकीकत यही है कि गरीब राज्य यह योजना लागू नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनके पास वित्तीय बोझ उठाने की क्षमता नहीं होगी और केन्द्र ने पहले ही खुद को यह कहकर निकल लेने का जुगाड़ कर लिया है। 'जी राम जी' बिल में एक और अहम प्रावधान है। बुवाई और कटाई के मौसम के दौरान करीब 60 दिन तक इस योजना के तहत काम नहीं दिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे खेती के समय मजदूरों की कमी नहीं होगी और किसान परेशान नहीं होंगे। विपक्ष का कहना है कि इससे गरीब मजदूरों को महीनों तक काम से वंचित रहना पड़ेगा। वहीं , मोदी सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने और रोजगार के दिनों की संख्या बढ़ाने का फैसला पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए भी अहम माना जा रहा है।

असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है।

अब नए बिल से सरकार विपक्ष के इस आरोप का जवाब देने की कोशिश करेगी। यह योजना बीजेपी और पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी के बीच राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनी हुई है, क्योंकि केंद्र ने कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए 2022 से पश्चिम बंगाल को निधि देना रोक रखा था। खैर, सियासत अपनी जगह है, लेकिन हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मांग के अनुरूप 100 दिनों का काम उपलब्ध कराने के अनिवार्य दायित्व के बावजूद, प्रति वर्ष 50-55 दिनों से ज्यादा काम उपलब्ध कराने में लगातार विफल रही है। यह स्थिति तब है जब नौकरियों की मांग लगातार बढ़ी है और ग्रामीण क्षेत्रों का संकट और ज्यादा गहराया है। दूसरी तरफ, मनरेगा के लिए बजट आवंटन में लगातार कटौती की गई है। मनरेगा का उद्देश्य केवल रोजगार प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, तालाब निर्माण और वृक्षारोपण जैसी अवसंरचनात्मक परियोजनाएं कराकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना भी है। बेशक, 'जी राम जी' के नाम, काम के दिन और ढांचे में बदलाव जरूर बड़ा है, लेकिन असली सवाल यही है कि क्या इससे गांवों में रोजगार की स्थिति सच में सुधरेगी। अनुभव बताता है कि सिर्फ नाम बदलने और कागजी गारंटी बढ़ाने से जमीन पर बदलाव नहीं आता। असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं।

उपयोगी सिद्ध होगी केंद्र सरकार की योजना

सार्थकता
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र

देश के अधिसंख्यक नागरिकों, मतदाताओं व लोगों की दृष्टि में अस्तित्वहीन विपक्ष के अति अराजक प्रतिरोध के बाद अंततः 18 दिसंबर 2025 को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' लोकसभा में अधिमतों के साथ पारित हो गया। एक दिन पूर्व सभासदन में इस विधेयक पर व्यापक चर्चा हुई। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शीतकालीन सत्र में संसदीय पटल पर रखा गया विधेयक कांग्रेस समेत अन्य दलों के सांसदों को रास नहीं आया। विपक्ष का विरोधी आचरण मात्र विरोध के लिए दिखाई दिया।

विपक्षी सांसदों ने जो बातें उठाईं, उनकी कहीं कोई सार्थक उपयुक्तता नहीं दिखाई दी। उल्लेखनीय है कि पारित विधेयक 25 वर्ष पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। हल्ला करने, बड़बोला आचरण दिखाने तथा देश के सभ्य नागरिकों की दृष्टि में स्वयं को अधिक से अधिक पतित करते हुए कहने को तो विपक्ष मनरेगा के नाम परिवर्तन को महात्मा गांधी के अपमान से जोड़ रहा है, पर विचार करने वाली बात ये है कि अखिल भारतीय रोजगार गारंटी की योजना का अपेक्षित क्रियान्वयन किसी व्यक्ति के नाम के साथ जुड़े रहने से होगा अथवा वर्तमान सत्ता, शासन-प्रशासन द्वारा लोकतांत्रिक निष्ठा के साथ इसके उपयोगी अद्यतनीकरण से होगा। विधेयक के महत्त्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक है रोजगार दिवसों में 100 के स्थान पर 125 दिवसों की वृद्धि। मनरेगा को जी राम जी नाम के साथ अद्यतन करने वाले विधेयक पर सामान्य नागरिकों की पहली प्रतिक्रिया तो यही होगी कि यह इतना गंभीर विषय नहीं था, जो संसद से लेकर सड़क तक विरोध के नाम पर विरोध करके फैलाया व उठाया जाए। कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार के दो पंचवर्षीय कार्यकाल में मनरेगा से जुड़ा भ्रष्टाचार आये दिन लोगों के बीच चर्चा का विषय हुआ करता था। लोग कैसे भूल सकते हैं कि केंद्रीय शासन-प्रशासन से लेकर ग्रामों के प्रधानों तक ने आभासी मनरेगा रोजगार दिखाकर करोड़ों की धनराशि का हेरफेर किया था। अवैध घुसपैठियों को मनरेगा रोजगार के पत्र मिले हुए थे। धरातल पर इनमें से कोई भी व्यक्ति कोई रोजगार या कार्य नहीं करता था, किंतु इनके नाम पर धनाबंटन होता रहा और अवैध तंत्र में ऊपर से नीचे तक परस्पर विभाजित होता रहा। इस समय भारतीय संसद में विपक्ष का अस्तित्व शून्यगति को प्राप्त है। बात यदि जनता के हित की है, तो वो भलीभांति अवगत है कि ग्रामीण विकास मंत्री के नेतृत्व में जी राम जी योजना लोकहित में परिष्कृत की जा रही है। परिवर्तनगामी मनरेगा द्वारा अपेक्षित जनकल्याणकारी लक्ष्य तो प्राप्त होंगे ही होंगे, साथ ही योजना की कमियों, दोषों तथा भ्रष्टाचार का भी निवारण हो सकेगा।

परिवर्तनगामी मनरेगा द्वारा अपेक्षित जनकल्याणकारी लक्ष्य तो प्राप्त होंगे ही होंगे, साथ ही योजना की कमियों, दोषों तथा भ्रष्टाचार का भी निवारण हो सकेगा।

ग्रामीण रोजगार योजना पर बने पक्ष-विपक्ष की सहमति

मुद्दा
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

मनरेगा पर एक बार फिर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने आ गया। यह देश की एक बड़ी योजना है जो रीढ़ की हड्डी भी मानी जाती है और अब फिर से चर्चाओं में आ गई। मामला यह है कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान मनरेगा कानून आया था। यूपीए सरकार ने 2005 में 'ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून' को लागू किया था और 2009 में इसके नाम के साथ 'महात्मा गांधी' जोड़ा गया। यह दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजना मानी जाती है।

पिछले दो दशकों से मनरेगा ग्रामीण रोजगार की रीढ़ रही है लेकिन अब मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी-जी राम जी' बिल कर दिया है। संसद के दोनों सदन से यह बिल पास हो गया है लेकिन इसको विपक्ष के सवालों की बड़ी बौछार हो रही है। विपक्ष का कहना है कि इस अहम कानून में बदलाव करने के लिए जो राज्यों पर बहुत ज्यादा वित्तीय बोझ डालेंगे तो यह योजना निश्चित तौर विफल हो जाएगी, लेकिन इसके लिए पक्ष-विपक्ष को यह समझना चाहिए कि मनरेगा जैसी योजना पर राजनीति नही करनी चाहिए। चूंकि इस योजना से एक बड़ा वर्ग साधा जाता है। मनरेगा के मुख्य लाभों में अकुशल श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान, काम में लिंग-आधारित वेतन अंतर को खत्म करना, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास आदि शामिल हैं। इन सब सुविधाओं व इसके लाभ लेने वाले वर्ग से यह तो तय हो जाता है कि इसमें कहीं भी राजनीति की जरूरत नहीं है। देश के उस वर्ग को लाभ देना जो जमीनी स्तर पर अपने काम से देश निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है,यह किसी भी सरकार का धर्म,फर्ज व कर्तव्य माना जाता है। यदि केवल नाम बदलने की बात है तो इसमें विपक्ष को हंगामा करने की जरूरत नहीं है। यदि सत्ताधारी पक्ष को इसमें

इस योजना की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। यदि विपक्ष इस योजना को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है तो वह उस तरह के सुझाव दें जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले।

कुछ बदलाव करने हैं तो वह इस तरह के बदलाव करे जिससे लाभकारियों को फायदा मिले और इसकी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए वहीं यदि विपक्ष इस योजना को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है तो वह उस तरह के सुझाव दें जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले। राजनीति करने के लिए भारत जैसे देश में इतने मुद्दे हैं कि हर घंटे एक मुद्दे को उठाया या भुनाया जाए तो पक्ष-विपक्ष का पूरा वर्ष बीत जाएगा लेकिन कुछ मुद्दों पर केवल काम किया जाए वह बेहतर ही है। बीती कांग्रेस की सरकार में सैकड़ों योजनाएं लागू की गई थी, जिसमें जनता को लाभ भी मिला लेकिन हमेशा दलालों को बोलबाला रहता था। अब डिजिटल युग आने के बाद प्रक्रियाएं अपडेट व अपग्रेड हुई हैं लेकिन अब भी स्थिति पूर्ण रूप से लाभकारियों के नियंत्रण में नही है चूंकि किसी भी योजना के लिए लागू करने से ज्यादा उसके लिए जागरूक करना होता है।

कांग्रेस की ओर से बयान आया है कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदलने के साथ ही अब इसका बोझ राज्यों पर डाल दिया है। जो अधिकार पहले पंचायतों के पास थे, उन्हें अब छीनकर केंद्रीयकृत व्यवस्था को सौंपा जा रहा है। यह कदम महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान है और कांग्रेस इसका सख्ती से विरोध करेगी। यह समझना चाहिए कि यदि मौजूदा सरकार किसी भी योजना में बदलाव करती है तो यह तय नहीं है कि वह उसमें जनहित का ख्याल नहीं रखती बल्कि उसको पहले से बेहतर करके लागू करती है। कांग्रेस इस मामले में जरूरत से ज्यादा उपस्थिति दर्ज करवाते हुए खुद अपनी शुरू की हुई योजना पर सवालिया निशान खड़े कर रही है। चूंकि इस योजना को लेकर सबसे ज्यादा विरोध प्रर्दशन उनके ही कालखंड में हुआ था। प्रशासनिक जिम्मेदारी में राज्य सरकार की बड़ी भूमिका है।

इससे तय हो जाता है कि यह केन्द्र व राज्य सरकारों की तालमेल के साथ ही इतनी बड़ी योजना को अंजाम दिया जाता है। इसको लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारत देश की सबसे अहम योजना है जिसके लिए हर रोज बेहतर होना अनिवार्य है व इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

'विकसित भारत- जी राम जी विधेयक' से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

यकीनन इस समय देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए दो महत्वपूर्ण परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। एक, ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती हुई खपत के बीच गरीबी में लगातार कमी आ रही है। दो, हाल ही में 16 दिसंबर को सरकार के द्वारा संसद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने और इसकी जगह 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वी बी जी राम जी नामक नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने संबंधी स्वीकृत किया गया विधेयक कानून बनने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हुए दिखाई देगा।

गौरतलब है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण भारत का योगदान बढ़ता जा रहा है। भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है। ये खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती प्रतिद्धता को दिखाता है। हाल ही में 11 दिसंबर को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के मुताबिक 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों के द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। सर्वे यह भी बताता है कि निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने पिछले एक साल में पूंजीगत निवेश (खेती और गैर-खेती दोनों क्षेत्रों में) बढ़ाया है। केवल औपचारिक स्त्रोतों (बैंक, सहकारी संस्थाएं आदि) से कर्ज लेने वाले परिवारों का हिस्सा 58.3 फीसदी हो गया, जो सितंबर 2024 के 48.7 फीसदी था। वस्तुतः ग्रामीण भारत में बढ़ती क्रयशक्ति, वास्तविक आय वृद्धि, जीएसटी सुधार, कम महंगाई और मजबूत सरकारी समर्थन का संयुक्त परिणाम है। गाँवों में भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर विश्वास बढ़ने, ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज की निर्भरता में कमी, ग्रामीण खपत में वृद्धि, किसानों का जीवन स्तर बढ़ने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से

केंद्र सरकार को गांवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की भी जरूरत है।

ग्रामीण भारत मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च के द्वारा गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहाँ वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती देते हुए दिखाई दे रही है। देश के गाँवों में अप्रैल 2020 से शुरु की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। अब संसद में स्वीकृत किए गए वी बी जी राम जी विधेयक के कानून बनने के बाद ग्रामीण रोजगार योजना में बड़ा बदलाव आएगा। प्रत्येक परिवार के लिए रोजगार गारंटी कार्य दिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 करने और मौजूदा फंडिंग संरचना को बदलने का प्रस्ताव है। केंद्र और राज्यों के बीच फंडिंग की हिस्सेदारी मौजूदा अधिकतम 90:10 अनुपात के मुकाबले 60:40 के अनुपात में होगी। मसौदा विधेयक में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्य कर रही मनरेगा को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना में बदल दिया गया है। ग्रामीण रोजगार स्वाभाविक रूप से स्थानीय है और राज्यों को अब लागत और जिम्मेदारी साझा करनी होगी। जीराम जी के कानून बनने के बाद भी हमें ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। गाँवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की जरूरत है। सरकार ने किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए जो कानून बनाए हैं, उन कानूनों के पर्याप्त परिपालन पर ध्यान देना होगा।

ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जाना होगा। औपचारिक ऋणों के लिए बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बनाया जाना होगा। नए दौर की कौशल युक्त शिक्षा तथा ग्रामीण बेरोजगारी जैसी चुनौतियों के निराकरण के लिए अधिक रणनीतिक प्रयास किए जाने होंगे। उम्मीद करें कि सरकार ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती खपत के सुकूनदेह परिदृश्य के बीच मनरेगा के बदलाव के बाद जो वी बी जी राम जी कानून लाने जा रही है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकेगी और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी ।

वीडियो संदेश जारी कर सोनिया ने केंद्र पर साधा निशाना

‘क्रांतिकारी कदम’ मनरेगा पर सरकार ने बुलडोजर चला दिया, नाम भी बदल दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र की एनडीए सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में मनरेगा की जगह पर ‘वीबी-जी राम जी’ बिल लेकर आई। इस बिल को संसद के दोनों सदनों में पास कर दिया गया हैं। इसके पास होने पर कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। सोनियाने 20 साल पहले लाए गए मनरेगा कानून को क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने अब नए कानून को लेकर सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया। सोनिया ने कहा कि अब किसको, कितना, कहां और किस तरह रोजगार मिलेगा, यह जमीनी हकीकत से दूर दिल्ली में बैठकर सरकार तय करेगी।

20 साल पहले लाया गया था

सोनिया ने कहा कि 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पास किया गया था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला था।

गरीबों के हितों पर किया हमला

सोनिया ने कहा कि कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बड़ा योगदान था, लेकिन यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था। ये देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी। मोदी सरकार ने इस कानून को कमजोर करके देश के करोड़ों किसानों, श्रमिकों और भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। इस हमले का मुकाबला करने के लिए हम सब तैयार हैं।

सरकार ने गरीबों और वंचितों के हितों को नजरअंदाज किया

सोनिया ने कहा कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार, गरीबों और वंचितों के हितों को नजरअंदाज कर मनरेगा को कमजोर करने की हर कोशिश की, जबकि कोविड के वक्त ये गरीब वर्ग के लिए संजीवनी साबित हुआ। लेकिन बहुत अफसोस की बात है कि अभी हाल में सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया।

जयराम ने परमाणु विधेयक पर साधा निशाना

हमें सब कुछ मालूम हो गया प्रधानमंत्री ने शांति बिल जबरन क्यों पास कराया?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि परमाणु विधेयक शांति बिल को संसद में सिर्फ इसलिए जबरन पारित कराया गया ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने एक समय के अच्छे दोस्त के साथ शांति बहाल कर सकें। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने हालांकि किसी का नाम नहीं लिया। जयराम ने कहा कि शांति बिल ‘सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट’ के मुख्य प्रावधानों को खत्म करता है और यह एक चिंता का विषय है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट 2026 में भी इसे लेकर चिंता जताई गई है।

अच्छे दोस्त के साथ शांति बहाल करने के लिए था

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी वित्तीय वर्ष 2026 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एक्ट 3,100 पन्नों का है। अब हमें पक्का पता चल गया है कि प्रधानमंत्री ने इस हफ्ते की शुरुआत में संसद में शांति बिल को जल्दबाजी में पास कराया। यह उनके एक समय के अच्छे दोस्त के साथ शांति बहाल करने के लिए था।

अमेरिकी एक्ट में पेज 1912 पर भारत का जिक्र

अमेरिकी एक्ट के पेज 1,912 पर ‘न्यूक्लियर लायबिलिटी नियमों पर संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच संयुक्त मूल्यांकन’ शीर्षक के तहत एक सेक्शन है। जिसमें कहा गया है कि ‘विदेश सचिव, अन्य संबंधित संघीय विभागों और एजेंसियों के प्रमुखों के परामर्श से, अमेरिकी-भारत रणनीतिक सुरक्षा संवाद के भीतर भारत गणराज्य की सरकार के साथ एक संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित किया जाएगा, जो नियमित आधार पर बैठक करेगा। इसमें कहा गया है कि भारत के घरेलू परमाणु दायित्व नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के साथ संरेखित करने पर चर्चा की जाएगी।

खबर संक्षेप

अलका लांबा पर आरोप तय करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता अलका लांबा पर आरोप तय करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में लांबा के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना सही है। यह मामला 2024 में जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर हमले से जुड़ा है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्वनी पंवार ने फैसला सुनाया।

दिल्ली में जल्द लागू होगी ईवी पॉलिसी

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के मुद्दे पर घिर रही भाजपा सरकार ने जनवरी में जनता की भलाई के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी लाने का ऐलान किया है। सरकार का दावा है कि इससे जनता को स्वच्छ हवा मिलेगी। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि ईवी पॉलिसी बहुत जल्द लाई जाएगी। हम इसे अगले 15 दिनों के अंदर पब्लिक डोमेन में रखेंगे।

शाह से मिले नायडू प्रोजेक्ट पर की बात

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य में चल रहे कई अहम प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर चर्चा की। नायडू ने विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट में मिले सकारात्मक निवेशक प्रतिक्रिया पर जोर दिया, जहां बड़ी कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है।

3 भाजपा समर्थकों की ट्रेन हादसे में मौत

नादिया। पीएम मोदी आज पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। ऐसे में एक दुखद घटना सामने आई है। नादिया जिले के ताहेरपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होने जा रहे मुर्शिदाबाद के 3 भाजपा समर्थकों की ट्रेन हादसे में मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार तड़के ताहेरपुर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के किनारे हुई। मृतकों में रामप्रसाद घोष सबलदहा, बरंजा के थे।

राजस्थान में 25 ट्रेनें लेट,10 उड़ानें प्रभावित

जयपुर। राजस्थान में शीतलहर और कोहरे का डबल अटैक जारी है। सुबह और रात में कोहरे की वजह से 25 ट्रेन का टाइम-टेबल प्रभावित हुआ है। शुक्रवार को सिर्फ जयपुर एयरपोर्ट से 7 विमानों ने तय समय से देरी से उड़ान भरी जबकि कुछ का समय बदला गया है। आईएमडी ने न्यूनतम तापमान में औसतन एक से दो डिग्री तक की गिरावट का अलर्ट जारी किया है।

नादिया रैली को कोलकाता से पीएम मोदी ने किया वर्चुअली संबोधित

बंगाल को जंगलराज से मुक्त करें, टीएमसी की लूट और धमकियों ने सभी हदें पार की

पीएम मोदी ने 3,200 करोड़ के नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन भी किया

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के तहेरपुर हेलीपैड पर उतरने की कोशिश में विफल रहे। क्षेत्र में घने कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम थी, जिससे पीएम का हेलीकॉप्टर कुछ समय हेलीपैड के ऊपर मंडराने के बाद वापस कोलकाता हवाई अड्डे लौट गया। उन्होंने एयरपोर्ट से ही वर्चुअली संबोधन किया। उन्होंने खराब मौसम के कारण रैली स्थल तक नहीं पहुंच पाने पर लोगों से माफी भी मांगी।

पीएम ने कहा कि बंगाल में कई विकास परियोजनाएं राज्य सरकार की वजह से लंबित पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अगर टीएमसी भाजपा का विरोध करना चाहती है तो करे, लेकिन राजनीतिक फायदे के लिए विकास को रोके जाने की बात समझ से बाहर है। पीएम ने लोगों से अपील की कि वे भाजपा को एक मौका दें, डबल इंजन सरकार बनने दें और भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बंगाल के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगी। पीएम ने 3,200 करोड़ रुपए के नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी सुबह करीब 10.40 बजे दिल्ली से कोलकाता पहुंचे थे।

एसआईआर पर ममता सरकार पर गरजे प्रधानमंत्री

खराब मौसम के कारण रैली स्थल तक नहीं पहुंचने पर लोगों से माफी भी मांगी

चट्टोपाध्याय को नमन कर कहा- वंदे मातरम को राष्ट्र निर्माण का मंत्र बनाएंगे

गुवाहाटी में टर्मिनल भवन के उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी

पीएम मोदी ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को किया नमन

पीएम मोदी ने महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए कहा कि वंदे मातरम ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष का मंत्र था। पीएम मोदी ने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्र निर्माण का मंत्र बनाना है।

बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण मिल रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश के नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने बंगाल समेत पूरे देश के लोगों को बड़ी राहत दी है और दुर्गा पूजा और अन्य त्योहारों के दौरान देशभर के लोग इससे काफी लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है। पीएम ने कहा कि गंगा बिहार से होकर बंगाल तक जाती है और बिहार ने बंगाल को रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि बंगाल को जंगलराज से मुक्त होना होगा। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि वे पूरे दिल से बंगाल के लोगों के लिए समर्पित हैं और राज्य के लिए फंड और नीतियों की कोई कमी नहीं है।

राजमार्ग और सेक्शन की सौगात दी

नादिया जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 के बरजागुली-कृष्णानगर सेक्शन के 66.7 किलोमीटर लंबे फोर-लेन का उद्घाटन और उत्तर 24 परगना जिले में 17.6 किलोमीटर लंबे बारासात-बरजागुली सेक्शन के फोर-लेन का शिलान्यास किया। अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं से कोलकाता और सिलीगुड़ी के बीच एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी लिंक बनने की उम्मीद है, जिससे राज्य के दक्षिणी और उत्तरी हिस्सों में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मीडिया पोस्ट में कहा टीएमसी के कुशासन के कारण सभी लोग पीड़ित

पीएम मोदी ने शुक्रवार शाम को एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि बंगाल के लोगों को केंद्र की कई जन-समर्थक पहलों से फायदा हो रहा है। टीएमसी के कुशासन के कारण पीड़ित हैं। टीएमसी की लूट और धमकियों ने सभी हदें पार कर दी हैं। भाजपा से लोगों को उम्मीद है। यहां ममता सरकार एसआईआर का लगातार विरोध कर रही है। टीएमसी का आरोप है एसआईआर ‘जल्दबाजी’ में की जा रही है और शरणार्थी हिंदुओं को, मताधिकार से वंचित किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री के दौरे से जनता में खुशी की लहर

प्रधानमंत्री के पश्चिम बंगाल दौरे पर वहां के स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का हमारे बीच में आगमन शुभ संकेत है। निसंदेह उनके आने से राज्य में विकास से संबंधित कार्यों में तेजी देखने को मिलेगी। उनका आगमन हमारे बीच में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिसका हम सभी लोगों को स्वागत करना चाहिए ।

असम को ईस्ट पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की साजिश हो रही

पीएम ने किया गुवाहाटी एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन

पीएम मोदी

गुवाहाटी। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम में लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। अदाणी समूह द्वारा संचालित गोपीनाथ बरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है, ताकि गुवाहाटी को पूर्वोत्तर भारत का प्रमुख विमानन केंद्र और दक्षिणपूर्व एशिया का प्रवेश द्वार बनाया जा सके। 5,000 करोड़ की इस परियोजना में 13.1 एमपीपीए क्षमता वाला एक नया प्रकृति-थीम वाला टर्मिनल, उन्नत रनवे और एयरसाइड बुनियादी ढांचा, और नियोजित कार्गो और एमआरओ सुविधाएं शामिल हैं।

कांग्रेस ने दशकों तक पूरे क्षेत्र की उपेक्षा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों के लिए असम और पूर्वोत्तर का विकास उनके एजेंडे में ही नहीं था, बल्कि असम को ईस्ट पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की साजिश रची जा रही थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों में बैठे लोग कहते थे कि असम और पूर्वोत्तर में जाता ही कौन है? उनकी सोच थी कि असम और पूर्वोत्तर को आधुनिक एयरपोर्ट, बेहतर रेलवे और हाईवे की क्या जरूरत है। इसी सोच की वजह से कांग्रेस ने दशकों तक इस पूरे क्षेत्र की उपेक्षा की।

मेरे लिए असम का विकास प्राथमिकता, बिना पर्ची, बिना खर्ची कार्यक्रम हो गया बंद

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस 6-7 दशकों तक गलतियां करती रही, मोदी एक-एक करके उन गलतियों को सुधार रहा है। मेरे लिए असम का विकास जरूरत भी है, जिम्मेदारी भी है और इसकी जवाबदेही भी है। इसलिए पिछले 11 सालों में असम, पूर्वोत्तर के लिए लाखों-करोड़ो की परियोजनाएं शुरू हुई हैं। असम भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू करने में नंबर एक राज्य बना है। कांग्रेस के समय असम में बिना पर्ची, बिना खर्ची के सरकारी नौकरी मिलना असंभव था, लेकिन आज यहां हजारों युवाओं को बिना पर्ची, बिना खर्ची के नौकरी मिल रही है।

वित्त मंत्री ने होसपेटे तालुक के बालिका सरकारी स्कूल में लॉन्च की योजना

यहां के सरकारी स्कूलों में पढ़ाया जाएगा एआई, स्टेम व रोबोटिक्स

छात्रों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी मिल सकेगी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कर्नाटक में साइएंट एआई लैब (विजयपथ) पहल की शुरुआत की। इसा उद्देश्य सरकारी स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एसटीईएम (स्टेम) और रोबोटिक्स शिक्षा तक आसान और समान पहुंच सुनिश्चित करना है। यह योजना होसपेटे तालुक के एक बालिका सरकारी स्कूल में लॉन्च की गई। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस पहल से जुड़ी तस्वीरें साझा कीं। पायलट प्रोजेक्ट के तहत सरकारी स्कूलों में 5 अत्याधुनिक एआई, एसटीईएम और रोबोटिक्स लैब स्थापित की जा रही हैं।

कर्नाटक में वित्त मंत्री सीतारमण ने शुरू की विजयीपथ पहल

विजयीपथ की शुरुआत करतीं मंत्री सीतारमण

लैब्स में मिलेंगी कई सुविधाएं

इन लैब्स में हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर, एआई के लिए तैयार सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स किट, इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइस, सेंसर और सुरक्षित ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की सुविधा दी जाएगी। छात्र आधुनिक तकनीकों से सीधे जुड़ सकेंगे।

इससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे तकनीकों से परिचित होंगे

यह पहल खासतौर पर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों पर केंद्रित है। इसका मकसद स्कूल स्तर पर ही भविष्य की तकनीकों से छात्रों को परिचित कराना है, जिससे उनमें डिजिटल समझ, कम्प्यूटेशनल सोच और नवाचार की क्षमता विकसित हो सके। विजयीपथ पहल से 2,000 से ज्यादा छात्रों को लाभ मिलेगा और 200 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसे एक ऐसा स्केलेबल सीएसआर मॉडल बताया गया है।

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन ने किया साफ

इंडिगो के यात्रियों को 26 दिसंबर को दिया जाएगा 10,000 रुपए का ट्रैवल वाउचर

इस महीने की 3,4 और 5 तारीख को कई उड़ाने हो गई थीं रद्द

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस महीने की शुरुआत में बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को अगले हफ्ते से 10,000 रुपए का ट्रैवल वाउचर देगी। कई रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि बजट एयरलाइन इंडिगो 26 दिसंबर को इस महीने की 3,4 और 5 तारीख को रद्द हुई उड़ानों से प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपए की वैल्यू वाला ट्रैवल वाउचर देगी।

इंडिगो एयरलाइंस

यह प्रभावित यात्रियों को सरकारी नियमों के अनुसार दिए जाने वाले 5,000 रुपए से 10,000 रुपए तक के मुआवजे के अतिरिक्त होगा।

सीधे भुगतान सुनिश्चित करने का दिया गया था निर्देश

इंडिगो को ट्रैवल एजेंटों और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों से यात्रियों का विवरण एकत्र करने और प्रभावित ग्राहकों को सीधे भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने कहा था,व्यापक उड़ान रद्दीकरण के मूल कारणों की पहचान करने के लिए बाहरी तकनीकी विशेषज्ञों को नियुक्त करेगा।

राहुल के जर्मनी में बयान पर देश में मचा बवाल, भाजपा ने किया सवाल

विदेशी धरती पर राहुल ने फिर किया देश को ‘शर्मसार’

सदन में न आकर वे इंडियन डायस्पोरा को एड्रेस करने गए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर देश में विवाद छिड़ गया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल ने फिर विदेशी धरती से भारत का अपमान किया है। विपक्ष के नेता को सच में जिम्मेदारी से पेश आना होता है, खासकर तब जब वह विदेशी धरती पर हो। पात्रा ने कहा संसद चल रही है, सदन में कई बिल पर चर्चा हो रही है और राहुल जर्मनी में इंडियन डायस्पोरा को एड्रेस करने गए हैं। हमने राहुल गांधी को म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू फैक्ट्री जाते हुए देखा और वहां उन्होंने उनकी मैन्युफैक्चरिंग की तारीफ की और कहा कि उन्हें दुख है कि भारत में मैन्युफैक्चरिंग खराब है।

भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने कांग्रेस नेता को सुनाया

राहुल और जिम्मेदारी कभी साथ नहीं चल सकते

उन्होंने कहा कि राहुल का बार-बार विदेश जाना और विदेशी धरती से भारत की बेइज्जती करना दिखाता है कि वे और कांग्रेस पार्टी की इंडिया के लिए क्या भावनाएं हैं? राहुल और जिम्मेदारी कभी साथ-साथ नहीं चल सकते। जब भी वे विदेश जाते हैं, तो पार्लियामेंट और इंडिया की बेइज्जती करते हैं।

मीर जाफर हैं राहुल, भारत के दुश्मनों से मिलेः भाटिया

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि राहुल ने जर्मनी यात्रा के दौरान भारत के दुश्मनों से मुलाकात की। वे ऐसे तत्वों से हाथ मिलाकर वे देश के खिलाफ आखिर किस तरह की साजिश रच रहे हैं? भाटिया ने कहा कि वे मीर जाफर बन गए हैं।

राहुल ने यह कहा

भारत में विनिर्माण में गिरावट आ रही, विकास थम गया

राहुल गांधी ने जर्मनी के दौरे पर कहा कि हमें विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और नौकरियां सृजित करना जरूरी है। उन्होंने बीएमडब्ल्यू के कारखाने का दौरा किया। भारत के विनिर्माण उत्पादन गिर गया है। विकास थम गया है।

महाराष्ट्र सरकार ने बनाया नियम

स्कूलों के नाम में ग्लोबल इंटरनेशनल लगाना बैन

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने पात्रता के बिना स्कूलों के इंटरनेशनल या ग्लोबल शब्दों के प्रयोग पर रोक लगा दी है। स्कूल अब अपने नाम में ‘अंतरराष्ट्रीय’ या ‘वैश्विक’ जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। जब तक कि वे विदेशों में परिसर का होना अथवा अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रदान करना जैसे कुछ विशिष्ट पात्रता मानदंडों को पूरा न करें।

मानदंड अधूरा तो नाम बदलने होंगे

स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय शिक्षा अधिकारियों को नए प्रस्तावों और मौजूदा स्कूलों की जांच करने और नए नियमों का अनुपालन करने का निर्देश दिया है। स्कूलों को अपने नाम में उपरोक्त शब्दों का प्रयोग करने के लिए भारत के बाहर कैंपस होना या मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रदान करना आवश्यक है। जो स्कूल पहले से ही इन शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, यदि वे मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, तो उन्हें नाम बदलना होगा।

पीड़ित के पिता रविलाल दास ने बताया कि सरकार की तरफ से किसी ने कोई बात नहीं की। उन्हें अपने बेटे की हत्या की खबर सबसे पहले सोशल मीडिया से मिली। ये उसी समय हुआ जब छात्रा नेता उस्मान शरीफ हादी की हत्या के लिए इंसाफ की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी हिंसा कर रहे थे

बांग्लादेश में मारे गए दीपू के पिता ने बताई बर्बरता की कहानी

बुरी तरह पीटा, पेड़ से बांधा और केरोसिन डालकर लगा दी 'आग'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत-विरोधी कट्टरपंथी नेता हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में नए सिरे से हिंसा भड़क उठी है। इस्लामी कट्टरपंथी लगातार हिंदूओं को टारगेट कर रहे हैं। मयमनसिंह की एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वाले 25 साल के दीपू चंद्र दास को गुरुवार रात इस्लाम का कथित तौर पर अपमान करने के आरोप में पीट-पीटकर मार डाला गया।

पीड़ित के पिता रविलाल दास ने बताया कि सरकार की तरफ से किसी ने कोई बात नहीं की। उन्हें अपने बेटे की हत्या की खबर सबसे पहले सोशल मीडिया से मिली। ये उसी समय हुआ जब छात्रा नेता उस्मान शरीफ हादी की हत्या के लिए इंसाफ की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी हिंसा कर रहे थे।

दीपू दास को लोगों ने आग के हवाले किया (इन्सेट में) दीपू दास फाइल फोटो

नरपिशाचों की तरह जश्न मनाने लगे

रविलाल दास ने बताया कि हमें फेसबुक से खबरें मिलनी शुरू हुईं, फिर और भी लोग इसके बारे में बात करने लगे। हमें तब पता चला जब किसी ने मुझे बताया कि उसे बुरी तरह पीटा गया है। आधे घंटे बाद मेरे चाचा आए और मुझे बताया कि कट्टरपंथी मेरे बेटे को ले गए और पीट-पीटकर निढाल करने के बाद, हैवानों ने उसका बेजान शरीर पेड़ से बांध दिया। फिर उन्होंने उस पर केरोसिन डालकर आग लगा दी और नरपिशाचों की तरह जश्न मनाने लगे। उसका जला हुआ शरीर बाहर छोड़ दिया गया।

दीपू की हत्या के मामले में 7 गिरफ्तार

हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने मयमनसिंह के बलुका में सनातन हिंदू युवक दीपू चंद्र दास (27) की पीट-पीटकर हत्या के मामले में सात लोगों को संदिग्ध के रूप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद लिमोन सरकार (19), मोहम्मद तारेक हुसैन (19), मोहम्मद मानिक मिया (20), इरशाद अली (39), निजुम उद्दीन (20), आलमगीर हुसैन (38) और मोहम्मद मिराज हुसैन अकॉन (46) शामिल हैं। आरएबी-14 ने विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

सुपुर्द-ए-खाक हुआ उस्मान हादी

बांग्लादेश में शनिवार को इंक़िलाब मोंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उस्मान हादी के नमाज़-ए-जनाज़ा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और दुआ की। हादी को राष्ट्रीय कवि काजी नज़रुल इस्लाम की कब्र के बगल में दफनाया गया। मोहम्मद यूनुस ने हादी को अंतिम विदाई देते हुए कहा कि हादी आप हमारे दिलों में बसते हैं। जब तक बांग्लादेश का अस्तित्व रहेगा, आप इस राष्ट्र का हिस्सा बने रहेंगे। शनिवार को राजकीय शोक दिवस घोषित कर दिया है।

शरीफ उस्मान हादी के जनाजे में शामिल लोग

आतंकवादियों को मिल रही शह

शेख हसीना सरकार में पूर्व सांसद और सूचना मंत्री मोहम्मद अली अराफात ने कहा है कि हादी की मौत के विरोध प्रदर्शनों की आड़ में कट्टरपंथी इस्लामी ताकतें बांग्लादेश की सड़कों पर कब्जा कर रही हैं। हादी के समर्थकों ने हत्या के लिए न्याय की मांग करते हुए धरना दिया। बाद में इस कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण दिए गए।

सरकार को अल्टीमेटम

इंकलाब मंच से जुड़े हादी के सहयोगी अब्दुल्ल अल जबेर ने यूनुस सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि सरकार अगले 24 घंटे में सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट करे कि हादी की हत्या के जिम्मेदार लोग कौन हैं और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं।

खबर संक्षेप

यूट्यूबर अनुराग की 10 करोड़ की कारें जब्त

उन्नाव। यूपी के उन्नाव जिले का यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर है।

जांच एजेंसी ने उनकी लैंबॉर्गिनी, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज और थार जब्त की है। इन लग्जरी कारों की कीमत 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। 25 साल के अनुराग और उनके घरवालों के सभी बैंक खाते सीज कर दिए हैं। इन खातों से हुई लेन-देन की जांच भी शुरू कर दी है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की है।

कोहरे के चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर 129 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। शनिवार को पूरे उत्तर भारत में घना कोहरा छाया रहा,

जिसके चलते दृश्यता बेहद कम होने से दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हुईं। दिल्ली एयरपोर्ट पर 129 उड़ानें रद्द हुईं, जिनमें कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अनुसार हवाई अड्डा केट-3 कैटेगरी में संचालित हो रहा है, जिसके तहत विमानों की लैंडिंग और टेक-ऑफ के दौरान विशेष सावधानी बरती जा रही है।

सऊदी और भारत संबंधों को बेहतर करने पर लगातार कर रहे काम

वीजा में छूट पर किया समझौता, श्रम कानूनों में बदलाव से भारतीयों को मिलेगा बड़ा फायदा

एजेंसी ▶▶ रियाद

भारत और सऊदी अरब के संबंधों में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। दोनों देशों ने वीजा से जुड़े समझौते पर दस्तखत किए हैं। इस समझौते में कुछ पासपोर्ट धारकों को शॉर्ट-स्टे वीजा की जरूरत से छूट दी गई है। रियाद में विदेश मंत्रालय के दफ्तर में साइन किया गया यह समझौता दोनों देशों के बीच आधिकारिक मेलजोल को आसान करने के लिए किया गया है। इसे सऊदी-भारत वीजा छूट समझौते का नाम दिया गया है।

यह समझौता नौकरशाही की बाधाओं को दूर करने के लिए किया गया है। भारत और सऊदी अरब ने अब आधिकारिक तौर पर कुछ खास पासपोर्ट धारकों को छोटी अवधि के वीजा की आवश्यकता से छूट देने वाले आपसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे नई दिल्ली और रियाद के बीच राजनयिक संबंध नए मुकाम पर पहुंच गए हैं।

> यह वीजा छूट जिन पासपोर्टों के धारकों के लिए है। इसके तहत दोनों देशों के राजनयिक, विशेष और आधिकारिक पासपोर्ट धारक छोटी अवधि के लिए वीजा के बिना रियाद और नई दिल्ली की यात्रा कर सकेंगे

- आधिकारिक कामों के लिए यात्रा तेज और सुगम होगी
- प्रवासी श्रमिकों से सिर्फ अनुबंधित काम ही करवाया जाएगा

भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल खान (बाएं) और सऊदी के उप मंत्री अब्दुल अल-स्मरी

राजनयिक वीजा बगैर कर सकेंगे यात्रा

सऊदी अरब और भारत ने आपसी अल्पकालिक वीजा छूट समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत दोनों देशों के राजनयिक, विशेष और आधिकारिक पासपोर्ट धारक छोटी अवधि के लिए वीजा के बिना रियाद और नई दिल्ली की यात्रा कर सकेंगे। सऊदी अरब विदेश मंत्रालय के प्रोटोकॉल मामलों के उप मंत्री अब्दुल माजीद अल-स्मरी और भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान ने डील पर हस्ताक्षर किए। यह वीजा छूट आम पर्यटकों या व्यावसायिक यात्रियों पर लागू नहीं होती है। यह छूट जिन पासपोर्टों के धारकों के लिए है। उनमें- राजनयिक पासपोर्ट, विशेष पासपोर्ट (अक्सर उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों के लिए) और आधिकारिक पासपोर्ट (सरकारी काम पर जाने वाले सिविल सेवकों के लिए) रखने वाले शामिल हैं।

वीजा आवेदन की आवश्यकता नहीं

इन पासपोर्ट को रखने वाले लोग अब एक-दूसरे के देशों में छोटी अवधि के लिए प्रवेश कर सकेंगे। उन्हें पहले से वीजा के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे आधिकारिक कामों और राजनयिक व्यस्तताओं के लिए यात्रा तेज और सुगम हो जाएगी। ऐसे कदम अक्सर घनिष्ठ नीतिगत संवाद को बढ़ावा देते हैं। इससे भविष्य में यात्रा सहयोग का विस्तार हो सकता है।

श्रमिकों को हर साल 30 दिन के वेतन के साथ मिलेगी सालाना छुट्टी

सऊदी अरब ने खेती और पशुपालन से जुड़े मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए श्रम कानून में बड़ा बदलाव किया है। इससे सऊदी में रहने वाले हजारों भारतीय कामगारों को फायदा होगा। सऊदी अरब के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्री इंजीनियर अहमद अल-राजही ने नये कानून को मंजूरी दे दी है। 30 दिनों की वेतन के साथ सालाना छुट्टी की गारंटी देता है। इसके अलावा अगर कॉन्ट्रैक्ट, छुट्टी लेने से पहले खत्म हो जाता है तो भी उन्हें पूरे पैसे दिए जाएंगे।

अतिरिक्त काम के लिए मूल वेतन का 50 प्रतिशत मिलेगा

अतिरिक्त काम के लिए श्रमिक को मूल वेतन का 50 प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान मिलेगा, हालांकि आधिकारिक छुट्टियों पर किया गया काम ओवरटाइम में नहीं गिना जाएगा। नियमों के मुताबिक, नियोक्ता 21 वर्ष से कम उम्र के श्रमिकों को नियुक्त नहीं कर सकते हैं और न ही उनसे अनुबंध में तय काम के अलावा कोई अन्य काम करा सकते हैं। किसी कर्मचारी को दूसरे के लिए या निजी व्यवसाय के लिए काम करने को मजबूर करना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।

विदेश मंत्री जयशंकर का बड़ा बयान

अब कोई देश मर्जी नहीं थोप सकता शक्ति व प्रभाव के कई 'केंद्र' उभरे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक बयान में कहा है कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक संतुलन बड़े बदलाव से गुजर रहा है और अब ताकत के कई केंद्र उभरे हैं। पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि कोई भी देश, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अब सभी मुद्दों पर अपनी मर्ज़ी थोप नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह भी है कि अब दुनिया के देशों के बीच एक स्वाभाविक मुकाबला है और यह अपना संतुलन बनाता है। शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र उभरे हैं। उन्होंने कहा कि शक्ति के विचार की कई परिभाषाएं हैं, जिनमें व्यापार, ऊर्जा, सेना, संसाधन, तकनीक और टैलेंट शामिल हैं।

सही फैसलों और नीतियों से भारत आगे

डॉ. जयशंकर ने कहा कि आजादी के बाद, कई देश तरक्की और खुशहाली हासिल कर पाए और अब वे अपनी किस्मत खुद नियंत्रित करते हैं। सही फैसलों और समझदारी भरी नीतियों ने बहुत बड़ा फर्क डाला है। भारत के मामले में, हमने देखा है कि कैसे नेतृत्व और प्रशासन ने हमारी आर्थिक वृद्धि और सामाजिक बदलाव के अलग-अलग दौर में उतार-चढ़ाव का सामना किया। इस दौर में जिस देश ने सबसे ज़्यादा फायदा उठाया है, वह चीन है। लेकिन हमने भी अच्छा किया है, खासकर सुधारों के बाद के दौर में, और पिछले दशक में तो और भी ज़्यादा। इसके उलट, पश्चिमी दुनिया का ज़्यादातर हिस्सा अब महसूस करता है कि वह ठहर गया है, यह भावना धीरे-धीरे राजनीतिक मायने लेने लगी है। पश्चिमी लोगों ने जानबूझकर ज़्यादा मुनाफा कमाने के लिए उत्पादन इकाइयों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला किया।

नई पीढ़ी भारत की जिम्मेदारी ले

विदेश मंत्री ने कहा कि जब मैं आपके समय में था, तब दुनिया अलग थी और कम जटिल थी, लेकिन दुनिया एक बड़े बदलाव से गुजरी है और हमारे समाज और देश में भी बदलाव हुए हैं। अब नई पीढ़ी पर जिम्मेदारी है कि वे विकसित भारत की जिम्मेदारी लें।

सेना के अधिकारियों ने आईएमए में मनाया अपनी 25 वर्षीय राष्ट्र सेवा का जश्न

(हरिभूमि ब्यूरो) नई दिल्ली। भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून (आईएमए) के 107वें नियमित कोर्स के अधिकारियों के लिए शनिवार को दिन बेहद खास रहा। क्योंकि इसी के जरिए उन्होंने सेना का हिस्सा बनकर जो राष्ट्र सेवा की उसके 25 वर्ष पूरे हो गए यानी रजत जयंती का मौका था। जिसकी खुशी में कभी वर्ष 2000 में इस कोर्स का हिस्सा रहे 255 सैन्य अधिकारियों ने अपने परिजनों के साथ आईएमए, देहरादून का दौरा किया। इस कोर्स में 416 पुरुष कैडेट शामिल रहे हैं। ये सभी 24 जून 2000 को भारतीय सेना में कमीशन हुए थे और आज इनकी सेवा के 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस लंबी अवधि में इस कोर्स ने अपने नाम 47 वीरता पुरस्कार और 176 प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार किए हैं। जो कि 107 कोर्स द्वारा भारतीय सेना में किए गए सराहनीय योगदान को प्रदर्शित करता है। वहीं, इसी कोर्स के ही 10 बहादुर अधिकारियों ने राष्ट्र सेवा के कर्तव्य को निभाते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान भी दिया है। कोर्स की रजत जयंती का ये कार्यक्रम भारतीय सैन्य अकादमी के सम्मान, साहस और बलिदान के मूल्यों के अलावा अधिकारियों की देशसेवा की प्रतिबद्धता को भी मजबूती के साथ प्रदर्शित करता है।

तोशाखाना मामला: पूर्व पीएम को झटका

इमरान खान व बुशरा बीबी को 17 साल की सजा, 1.64 करोड़ जुर्माना

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

इमरान खान, बुशरा बीबी

पाकिस्तान के पूर्व पीमए और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को बड़ा झटका लगा है। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की विशेष अदालत ने शनिवार को तोशाखाना-2 मामले में दोनों को 17-17 साल की कैद की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पर 1.64 करोड़ पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में उन्हें अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। विशेष न्यायाधीश (सेंट्रल) शाहरुख अर्जुमंद ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया, जहां इमरान खान पहले से ही बंद हैं।

रूस का यूक्रेन पर भीषण मिसाइल हमला

तबाह हुआ ओडिसा पोर्ट, 8 की मौत, 27 घायल, कारें क्षतिग्रस्त

रूसी हमले में तबाह यूक्रेन का पोर्ट

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस ने यूक्रेन के दक्षिणी शहर के ओडेसा में बंदरगाह पर बड़ा हमला किया है। रूस के इस मिसाइल हमले में 8 लोग मारे गए और 27 घायल हो गए। यूक्रेन की इमरजेंसी सर्विस ने शनिवार सुबह इस भयावह हमले की जानकारी दी है। सर्विस ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि एक बस पर सवार होकर जा रहे यात्रियों में से भी कुछ लोग घायल हो गए।

रात को पोर्ट पर हुए हमले के केंद्र में आने से बस सवार घायल हो गए। इसके अलावा पार्किंग लॉट में खड़ी एक ट्रक आग की चपेट में आ गई। इसके बाद कई कारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

उपराष्ट्रपति ने कपड़ा और परिधान निर्यात बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर जताई चिंता

कपड़ा उद्योग नए बाजार तलाशे, पर्यावरण अनुकूल उत्पादन करें

एफटीए वर्तमान की जरूरत, तभी भारत बराबरी में खड़ा हो सकेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने वैश्विक कपड़ा और परिधान निर्यात बाजार में भारत को बराबरी दिलाने के लिए और अधिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धी देशों को एफटीए का बड़ा लाभ मिल रहा है, जबकि भारत को अभी इस मोर्चे पर और तेजी दिखाने की जरूरत है। यह बात उन्होंने शनिवार को अपैरल एक्सपोर्ट्स प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी) के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कही। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पहले वैश्विक स्तर पर परिधान निर्यात में भारत के सामने बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धी नहीं थे, लेकिन अब बांग्लादेश, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और कई अफ्रीकी देश कड़ी चुनौती दे रहे हैं।

एईपीसी के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

2030 तक कपड़ा उद्योग 350 अरब डॉलर का होगा

100 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य रखें

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एफटीए अब जरूरी हो गया है। हमारे प्रतिस्पर्धी देशों को सबसे बड़ा फायदा इसी का मिल रहा है। उन्होंने बताया कि भारत का लक्ष्य 2030 तक कपड़ा उद्योग का आकार 350 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है, जिसमें से 100 अरब डॉलर का योगदान निर्यात से होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने परिधान उद्योग से नए बाजार तलाशने, पर्यावरण अनुकूल उत्पादन, जिम्मेदार सोर्सिंग और अपशिष्ट कम करने की रणनीतियां अपनाने का आह्वान किया।

तीन वर्षों में कपड़ा निर्यात होगा दोगुना

उपराष्ट्रपति ने भरोसा जताया कि आने वाले तीन वर्षों में भारत का कपड़ा निर्यात दोगुना हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में कपड़ा उद्योग को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह आगे बढ़ेगा और मुझे पूरा विश्वास है कि अगले तीन साल में निर्यात दोगुना होगा। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कपड़ा और परिधान निर्यात 37.75 अरब डॉलर रहा।

डब्ल्यूएचओ भवन में जेपी नड्डा का दौरा

वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग पर दिया जोर, भारत की प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय (एसईएआरओ) के नव-उद्घाटित भवन का केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को दौरा किया।

नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को मजबूत करने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौतियां किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर, समन्वित और निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सामूहिक कार्रवाई को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

जेपी नड्डा और डॉ. टेड्रोस

डब्ल्यूएचओ महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने भारत सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

साधु वासवानी स्कूल में सात दिवसीय अखंड रामधुन का किया भव्य आयोजन

रामधुन में जो भी सेवा कार्य करेगा, उसके सभी दुःख दूर हो जाएंगे: सिद्ध भाऊ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब के आशीर्वाद एवं सिद्ध भाऊ की प्रेरणा से संचालित साधु वासवानी स्कूल में आज श्रद्धा के साथ 61वीं वार्षिक रामधुनी का शुभारम्भ आज प्रातः 9 बजे सिद्ध भाउजी द्वारा किया गया। सर्वप्रथम संतजी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

साधु वासवानी स्कूल के ग्राउंड में में राम नाम जाप करते हुए श्रद्धालु।

यह कार्यक्रम साधु वासवानी स्कूल के ग्राउंड में आयोजित किया गया इस सात दिवसीय अखंड रामधुन का शुभारंभ स्वामी हिरदाराम के उत्तराधिकारी संत सिद्ध भाऊ के कर कमलों द्वारा किया गया। रामधुन के शुभारंभ के अवसर पर सिद्ध भाऊ ने सभागार में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बताया कि हम भाग्यशाली है कि हम सभी को राम-नाम जपने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है इस रामधुन में जो भी सेवा कार्य करेगा उसके सभी दुःख दूर होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। राम-नाम का जाप घर में प्रतिदिन सभी सदस्य मिलकर करेंगे, तो हमारे मन में शांति का अनुभव होगा एवं हमारे सभी कष्ट व तकलीफें दूर होंगी। किसी भी व्यक्ति को कोई दुःख संताप हो तो उसका एक ही उपाय है राम-नाम का जाप। यह आयोजन अत्यंत ही महत्वपूर्ण है आप सभी इस महान यज्ञ में आहूति डालकर अपना जीवन सफल बनाएं।

संतों की महिमा अपरंपार

इस अवसर पर पार्षद राजेश हिंगोरानी ने रामधुनी के शुभ अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए बताया कि भगवान श्रीराम व श्रीकृष्ण का नाम व संतों की महिमा अपरंपार है। हरे राम हरे कृष्ण मंत्र का जाप करना हमारे कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। जीव सेवा संस्थान के सचिव महेष दयारामानी ने बताया कि इस नगर व अन्य नगरों में भी सेवा सिमरन के अनेक कार्य चल रहे हैं हमें भी उन सेवा मार्गों पर चलने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। अखण्ड रामधुन के प्रभारी समाज सेवी अनिल चोटरानी ने बताया कि कलयुग में इस पाठ की महिमा अपरंपार है 16 अक्षर के इस मंत्र का जाप तारने वाला है कृष्ण यजुर्वेद में भी इस मंत्र का बखान किया गया है अब यह वृटवक्ष कल्पवृक्ष में परिवर्तत हो गया है।

विद्यार्थियों ने संतजी के किए गए सेवा कार्यों को किया याद, उनके बताए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

संस्कार स्कूल में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन, दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

संस्कार स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने कहा कि संत कभी इस दुनिया से जाते नहीं है, संत जी सेवा और त्याग की प्रतिमूर्ति माने जाते थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा, मोन्टेसरी इन्चार्ज प्रियांशी आडवानी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय के विद्यार्थियों ने संतजी के द्वारा किए गए सेवा कार्यों को याद करते हुए, उनके द्वारा बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया एवं संत हिरदाराम साहिब जी के छायाचित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल ख्यांतानी फाउंडेशन स्कूल एवं अर्जन हाथीरामानी प्ले स्कूल में परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब के महाप्रयाण दिवस पर उनका पुण्य स्मरण किया गया। विद्यालय के प्री- नर्सरी, नर्सरी एवं केजी के नन्हें मुन्ने विद्यार्थियों ने संत जी के भक्तों की वेशभूषा धारण कर वाद्य यंत्रों के साथ रामधुनी की अत्यंत मनोहारी प्रस्तुति दी, जिससे सभी बच्चे तालियां बजाते हुए झूम उठे एवं पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिकाओं ने सिंधी और हिंदी भजनों की प्रस्तुति दी।

संत हिरदाराम साहिब जी को पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए।

खबर संक्षेप

वार्डों में एसआईआर के बारे में किया जागरूक

औबेदुल्लागंज। वार्ड 7 में भाजपा के प्रभारी पवनजोत सिंह ने एसआईआर को लेकर विधायक सुरेंद्र पटवा के निर्देश पर मतदाताओं को जागरूक करना और सही मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए वार्ड में सघन कार्यक्रम चलाया। उनके साथ हरजीत सिंह, रनजीत सिंह, संजू चौकसे आदि ने भी एसआईआर के बारे में मतदाताओं को समझाया।

चेक बाउंस के दोषी को तीन माह का कारावास

भोपाल। जिला न्यायालय ने 40,000 रुपए के चेक बाउंस मामले के आरोपी रामकुमार शर्मा को दोषी ठहराते हुए तीन माह के कारावास और 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 74 हजार 800 रुपए की प्रतिकर राशि अदा किए जाने के आदेश पारित किए हैं। यह आदेश न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रुचिता सिंह गुर्जर ने परिवादी सुधीर जैन की ओर से अधिवक्ता विजय तिवारी के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत किए गए परिवाद पत्र की सुनवाई के बाद दिए हैं।

नंदवंशी को नप के अध्यक्ष बनाने युवा सक्रिय

औबेदुल्लागंज। भाजपा पिछड़ा वर्ग के पूर्व प्रदेश मंत्री और वार्ड 13 के चहेते नेता रामकिशोर नंदवंशी को नगर परिषद अध्यक्ष बनाने के लिए कई युवा सक्रिय हैं। रामकिशोर नंदवंशी, प्रभावशाली नेता हैं पटवा के करीबी भी हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मंगू का मनाया जन्मदिन

औबेदुल्लागंज। वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरजीत सिंह मंगू का नगर मैं बड़ी ही धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया। जन्मदिन पर सभी मित्रों ने बधाई और शुभकामनाएं दी और फूल मालाओं से स्वागत किया। जिले के कांग्रेस प्रभारी शैलेंद्र पटेल, पूर्व शिक्षा मंत्री राजकुमार पटेल, जिला अध्यक्ष विधायक सिलवानी देवेंद्र पटेल ने बधाई दी। सेवादल के जिला अध्यक्ष मेघराज सिंह चौहान, कांग्रेस के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष इमरात सिंह दरबार, राजेश खटीक, सुभाष पटेल, उत्तम यादव, चौहान सिंह चौहान, महेश जैन, विनोद इरपाचे, परेश नागर, राजू मेहरा, द्वारका पटेल, संजय मदान, संजय सिंह चौहान, पंकज नागरानी आदि ने बधाई दी।

शुभांक

शुभांक			
कल्याणः	1736		
दिनः	139	39	478
रातः	479	07	179
ताराः			
दिनः	240	69	180
रातः	277	62	129

क्राइम ब्रांच ने की कार्रवाई, एकतापुरी सेमरा के गोदाम से हो रही थी सप्लाई

अंग्रेजी शराब और बीयर के गोदाम पर छापा, 907 पेटियां बरामद, एसयूवी में रखी मिली 19 पेटी

गोदाम में रखी हजारों लीटर अवैध शराब का हिसाब-किताब नहीं मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजेश मीणा, आरोपी

गजेन्द्र रावत, आरोपी

रामा अहिरवार, आरोपी

क्राइम ब्रांच पुलिस ने एकतापुरी मैदान अशोका गार्डन थाना क्षेत्र से एसयूवी 300 कार से सप्लाई की जा रही अवैध अंग्रेजी शराब व बीयर की 19 पेटियां बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए तीन आरोपियों में से दो को एक्सयूवी कार से गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीसरे आरोपी को अवैध शराब की गोदाम से हिरासत में लिया गया है। गोदाम में करीब 888 पेटियां शराब व बीयर रखी मिली है। पुलिस का कहना है कि गोदाम मे रखी हजारों लीटर अवैध शराब का हिसाब-किताब नहीं मिला है। पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आबकारी विभाग को सूचना दी है।

गोदाम में रखी बड़ी मात्रा में अवैध शराब की पेटियां।

पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि अशोका गार्डन क्षेत्र के एकतापुरी मैदान के पास काले रंग की कार से अवैध अंग्रेजी शराब व बीयर की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और एकतापुरी मैदान सेमरा अशोका गार्डन के पास पहुंची और वहां खड़ी काले रंग की महिन्द्रा एक्सयूवी 300 कार की घेराबंदी की उसमें सवार दो लोगों को हिरासत में ले लिया। उन्होंने अपने नाम राजेश मीणा (32) निवासी रतन कॉलोनी करोंद और रामा अहिरवार (25) निवासी राजीव नगर कोटरा सुल्तानाबाद का होना बताए। तलाशी लेने पर कार की पिछली सीट व डिग्गी में रखी अंग्रेजी शराब व बीयर की 19 पेटियां बरामद हुईं। विधिवत जांच करने पर कुल 176.28 लीटर अवैध शराब पाई गई।

गोदाम में रखी मिली 888 पेटियां शराब व बीयर

गोदाम पर दबिश के दौरान पुलिस को वहां आरोपी गजेन्द्र रावत (35) निवासी शंकराचार्य नगर स्टेशन बजरिया मौजूद मिला। पूछताछ करने पर उसने अवैध रूप से शराब का भंडारण और सप्लाई करना कुबूल किया। पड़ताल करने पर गोदाम में कोई साइन बोर्ड, स्टॉक रजिस्टर, लेखा-जोखा अथवा वैध दस्तावेज नहीं मिले। गणना करने पर गोदाम में लगभग 888 पेटियां अंग्रेजी शराब व बीयर रखी होना पाई गई। अनियमितताओं को देखते हुए गोदाम को सीलबंद किया गया तथा वैधता की जांच के लिए आबकारी विभाग को सूचित किया गया। कार्रवाई पूरी होने पर क्राइम ब्रांच ने आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उक्त तीनों आरोपियों को विधिवत रूप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अवैध शराब के अलावा एक्सयूवी वाहन और मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

यूपीआई लेनदेन से रैकेट पर नजर

पुलिस ने बताया कि अवैध शराब की तस्करी के लिए बिना रजिस्टर्ड और लावारिस गाड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था, ताकि पुलिस को चकमा दिया जा सके। गिरफ्त में आए आरोपी शराब के ठेकेदार, मैनेजर व तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के नाम बताने में लगातार गुमराह करते रहे। पुलिस की टीम अब वाट्सएप, यूपीआई लेनदेन व बैंक डिटेल्स के माध्यम से शराब की अवैध तस्करी व आरोपियों की जांच कर रही है।

कारोबारी ने कहा- कार्रवाई गलत, हमारे पास दस्तावेज

हमारे पास गोदाम का लाइसेंस है, क्राइम ब्रांच ने गलत कार्रवाई की है। इस कार्रवाई को भोपाल जिला कलेक्टर को शिकायत की है। हमारे पास पर्याप्त दस्तावेज है।
किशन आसूदानी, शराब कारोबारी

लघुशंका के लिए घर से बाहर आई युवती से किया दुष्कर्म

परिचित हाथ बांधकर बाइक पर ले गया था खेत पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में बीस साल की युवती से शादीशुदा युवक द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी गत 15 दिसंबर की रात करीब साढ़े 11 बजे युवती को बंधक बनाकर अपने साथ ले गया था। वह तीन दिन तक खेत में रखकर उससे शारीरिक संबंध बनाता रहा। गुमशुदगी के आधार पर पुलिस ने युवती की तलाश की। इस दौरान आरोपी को उसके खेत से गिरफ्तार कर युवती को उसके चंगुल से छुड़ा लिया गया। युवती के बयान के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बंधक बनाकर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया, वहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 20 साल की युवती थाना क्षेत्र के एक कस्बे में रहती है। उसकी पहचान अकरम से थी। अकरम पीड़िता के भाई का दोस्त है और शादीशुदा है।

तीन दिन बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि गत 15 दिसंबर की रात करीब साढ़े 11 बजे वह घर से बाहर लघुशंका करने आई थी। इसी दौरान घर के पास खड़े अकरम ने उसके हाथ बांध दिए और धमकाते हुए बाइक से अपने साथ खेत पर बने टपरे पर लेकर पहुंच गया। वहां जबरन उससे शारीरिक संबंध बनाए। अचानक घर से लापता हुई युवती के परिजन ने थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई। इस बीच पुलिस को पता चला कि आरोपी अकरम उसे अपने साथ लेकर खेत वाले टपरे पर है। पुलिस ने टपरे पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर युवती को सकुशल बरामद कर लिया।

किशोर ने घर में लगाई फांसी, मौत

भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बीलखो में शुक्रवार दोपहर 17 साल के किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह काम करके खाना खाने घर लौटा था। घटना के समय घर में कोई नहीं था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद कारणों का खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस के मुताबिक ग्राम बीलखो, नजीराबाद निवासी अमर सिंह अहिरवार (17) मेहनत-मजदूरी करता था। शुक्रवार दोपहर वह खाना खाने घर आया था। पड़ोस में रहने वाले दो-तीन अन्य लडके भी उसके साथ ही काम करते थे और वे भी खाना खाने घर आए थे। काफी देर बाद भी जब अमर सिंह घर से बाहर नहीं आया तो पड़ोस में रहने वाले लड़के उसे देखने घर के अंदर पहुंचे। अंदर कमरे में वह फांसी के फंदे पर लटका मिला। गांव वालों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि घटना के समय अमर सिंह के माता-पिता एक दिन पूर्व विदिशा में किसी रिश्तेदार के घर गए थे। उसका छोटा भाई घटना के समय बकरी चराने गया था।

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में लगाया स्वास्थ्य शिविर

विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने कराई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में शनिवार को विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना एवं समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान करना था। यह शिविर सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल भोपाल के अनुभवी डॉक्टरों की टीम द्वारा संचालित किया गया। टीम में जनरल फिजिशियन एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ उपस्थित थे।

शिविर के दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर एवं वजन की जांच की गई। साथ ही नेत्र परीक्षण भी किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टरों की टीम।

डॉक्टरों ने सभी को व्यक्तिगत परामर्श दिया तथा संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए मार्गदर्शन किया। स्वास्थ्य शिविर में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी रही। विद्यालय प्रबंधन ने सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम का इस सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मप्र सड़क विकास निगम के सहायक प्रबंधक की कार को मारी बस ने टक्कर

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित लालघाटी चौराहा पर शनिवार दोपहर मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम के सहायक महाप्रबंधक की कार को तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। हादसे के समय वे लालघाटी सिग्नल पर खड़े थे। उन्हें चोट तो नहीं आई है, लेकिन कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने आरोपी बस चालक पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार मिथिलेश पवार (37) बी-212, भगवान परिसर मिसरोद में रहते हैं और मध्य प्रदेश विकास निगम भोपाल में सहायक महाप्रबंधक हैं। शनिवार दोपहर वह आईसर कॉलेज मुबारकपुर से अपनी आई-20 कार से घर मिसरोद जाने के लिए निकले थे। दोपहर करीब 3 बजे लालघाटी चौराहा पहुंचे। सिग्नल रेड होने के कारण वह रुके थे बस उनकी कार में टक्कर मार दी।

यूपी गए वल्लभ भवन कर्मचारी के सूने मकान का ताला तोड़ा

पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी कैमरे के फुटेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित राजाभोज कॉलोनी में वल्लभ भवन कर्मचारी के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाश नगदी और जेवरात चुरा लिए। हालांकि वह घर से क्या लेकर गए है। इसकी जानकारी मकान मालिक के भोपाल पहुंचने पर पता चल सकेगा। पुलिस ने रिश्तेदार की शिकायत पर नकबजनी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार मोहम्मद नईम (62) ऐयरोसिटी, गांधी नगर में रहते हैं। उनकी भांजी अंजुम का राजाभोज कॉलोनी में मकान है। अंजुम दामाद के साथ गत 18 दिसंबर को उत्तर प्रदेश गई हैं। अंजुम की छोटी बहन मरियम बरकत उल्ला यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करती है। मरियम शनिवार को राजाभोज कॉलोनी बहन के घर पहुंची। उसने घर के मुख्य गेट का ताला और सेंट्रल लॉक टूटा हुआ देखा। इसके बाद मामा मोहम्मद नईम को घटना की जानकारी दी। वे ऐयरोसिटी से राजाभोज कॉलोनी पहुंची। इस दौरान पता चला कि अंजुम के घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद अज्ञात बदमाश के खिलाफ नकबजनी का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि अंजुम के भोपाल पहुंचने पर पता चल सकेगा कि घर से क्या क्या सामान चोरी गया है।

भानपुर रेलवे ट्रैक पर मिले शव की हुई शिनाख्त, लापता थे किराना व्यापारी

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भानपुर रेलवे ट्रैक पर दो दिन पूर्व मिली लाश की शिनाख्त कर ली गई है। मृतक खामखेड़ा के रहने वाले थे और गुरुवार शाम को घर से बिना बताए घर से निकले थे। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात पुलिस ने भानपुर रेलवे ट्रैक से एक अज्ञात लाश बरामद की थी। मृतक के पास कोई भी दस्तावेज नहीं मिला था। लिहाजा उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया। इसी बीच मोहन सिंह लोधी (55) खामखेड़ा थाना छोला मंदिर के परिजन उनकी गुमशुदगी दर्ज कराने थाने पहुंचे थे। पुलिस ने उन्हें मृतक का फोटो दिखाया और परिजन ने उनकी शिनाख्त कर ली। परिजन ने बताया कि वह किराना दुकान का संचालन करते थे। गुरुवार शाम को घर से बिन बताए निकले थे। इसके बाद से ही नहीं लौटे।

खाद्य विभाग ने की कोलार के गेहूंखेड़ा में कार्रवाई

गैस चूल्हा रिपेयरिंग की आड़ में की जा रही थी गैस रिफलिंग, टीम ने 26 सिलेंडर जब्त किए

घरेलू गैस सिलेंडरों से पांच किलो के छोटू सिलेंडर में रिफलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

घरेलू गैस सिलेंडर से गैस निकालकर पांच किलो के छोटू सिलेंडरों में गैस रिफलिंग करने का भंडाफोड़ हुआ है। शनिवार को खाद्य विभाग की टीम जब कोलार क्षेत्र के गेहूं खेड़ा में अरविंद मेवाड़ा गैस चूल्हा रिपेयरिंग की दुकान चला रहा था, जहां इलेक्ट्रॉनिक मोटर से गैस रिफलिंग की जा रही थी। टीम ने मौके से 18 घरेलू और 8 कमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए हैं।

खाद्य विभाग की टीम ने कार्रवाई कर जब्त किया रसोई गैस सिलेंडर।

जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि गेहूं खेड़ा में गैस चूल्हा रिपेयरिंग की दुकान पर गैस रिफलिंग की सूचना मिली रही थी, जिसके बाद टीम जब मौके पर पहुंची तो दुकान पर मेवाड़ा घरेलू गैस सिलेंडर की गैस छोटे सिलेंडरों में रिफिल कर रहा था। टीम ने मौके से 26 सिलेंडर जब्त किए हैं, जिसमें आठ कमर्शियल और 18 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। टीम ने मौके से बिजली मोटर, पीतल की बंसी और गैस संतुलन की नोजल जब्त की है। जब्त सामान की कीमत पचास हजार रुपए आंकी गई है।

जिपं सीईओ ने स्कूली प्राचार्यों की समीक्षा में देखा कार्य ब्यौरा

भोपाल। जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में राजधानी भोपाल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आईकफ आश्रम में हुई इस स्कूली प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में अध्यापन व्यवस्था की समीक्षा की गई।

बैठक में उन प्राचार्यों से सवालिया निशान लगाए गए, जिन्होंने पिछले साल 30 फीसदी कम रिजल्ट दिया था। उन्हें निर्देशित किया गया है कि आने वाली परीक्षा में शत-शत प्रतिशत नहीं तो कम से कम 80 फीसदी तक रिजल्ट होना चाहिए। हर स्कूल का कार्य ब्यौरा देखने के साथ ही अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम की भी समीक्षा की गई। जिस पर कम रिजल्ट देने वाले प्राचार्यों के प्रति चिंता जाहिर की गई।

गाड़गे बाबा की पुण्यतिथि पर लिया स्वछता का संकल्प

मालवीय रजक समाज संघ ने किया माल्यार्पण

पिपलेश्वर महादेव मंदिर में संत शिरोमणि गाडगे बाबा को पष्पांजलि अर्पित करते हुए।

भोपाल। मालवीय रजक समाज संघ द्वारा श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर पुल पुख्ता में स्थापित स्वच्छता अभियान के जनक राष्ट्रीय संत शिरोमणि गाड़गे बाबा की पुण्यतिथि पर महाराज बाबा की प्रतिमा पर समाज के नागरिकों ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर संत जी अमर रहे का जयघोष किया गया। प्रवक्ता प्रकाश मालवीय ने बताया कि संत गाडगे बाबा की 69वीं पुण्यतिथि पर श्री पिपलेश्वर महादेव परिसर में सभी सदस्यों ने स्वच्छता बनाएं रखने एवं संत जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

इंदौर में यंग एंटरप्रेन्योर्स फाउंडेशन की ओर से आयोजित नव उद्यमियों की समिट को संबोधित कर रहे थे मुख्यमंत्री

वायईएफ भारत समिट 2025 के मंच पर युवा नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर जोर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य ने किया आह्वान

- मुख्यंमत्री डॉ. यादव ने नव उद्यमियों से प्रदेश में अधिकाधिक निवेश का किया आह्वान
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, नव उद्यमी नवाचार, स्पष्ट सोच और सामाजिक दायित्व के साथ बढ़ें आगे

उद्‌बोधन देते सीएम यादव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नव उद्यमियों से आह्वान किया कि वे नवाचार, स्पष्ट सोच और सामाजिक दायित्व के साथ आगे बढ़ें। प्रदेश में अधिकाधिक निवेश करें। प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण संसाधन और सविधाएं है। राज्य शासन द्वारा निवेशकों को सभी संभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योग न केवल संपन्नता, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ भारत और मध्यप्रदेश उद्यमिता के नए शिखर छुएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को इंदौर में यंग एंटरप्रेन्योर्स फाउंडेशन (वाईईएफ) द्वारा आयोजित नव उद्यमियों के भारत समिट 2025 को सम्बोधित कर रहे थे। इस प्रतिष्ठित आयोजन में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, दीपक विस्पुते, राज सोमानी, सिद्धार्थ सिंह, विकास खेमानी, विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा, मालिनी गौड़, डॉ. निशांत खरे, सावन सोनकर, सुमित मिश्रा, श्रवण चावड़ा सहित जनप्रतिनिधि और पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा सहित अधिकारी मौजूद थे। यह समिट नेतृत्व, उद्यमिता, आध्यात्मिकता और अगली पीढ़ी के लिए दूरदर्शी सोच को एक सशक्त मंच पर एक साथ लाने वाला ऐतिहासिक आयोजन रहा। देशभर से आए प्रभावशाली वक्ताओं, युवा उद्यमियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और विचारशील व्यक्तित्वों ने अपने अनुभव साझा किए।

उद्योग से जीवन संवारने की स्पष्ट नीति के साथ मध्यप्रदेश में उद्योग का नया संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा शक्ति ही भारत के भविष्य की आधारशिला है। उद्यमिता और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार किया जा सकता है। मध्यप्रदेश देश का सबसे तेज गति से बढ़ने वाला राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए पहली बार उद्योग विभाग को सीधे मुख्यमंत्री स्तर पर प्राथमिकता दी है, ताकि निर्णय तेजी से हों और निवेशकों का विश्वास और मजबूत हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग से जीवन संवारने की स्पष्ट नीति के साथ मध्यप्रदेश में उद्योग का नया संकल्प लिया गया है। यह नीति न केवल आर्थिक विकास को गति देगी, बल्कि युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी।

जल संसाधन और सौहार्द्र का नया अध्याय

डॉ. मोहन यादव ने बताया कि पीकेसी योजना और नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से राज्य को जल-संपन्न बनाने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के बीच जल-साझेदारी ने एक नया मोड़ लिया है। पड़ोसी राज्यों को पानी देने का निर्णय केवल परियोजना नहीं, बल्कि सौहार्द और सहयोग का नया अध्याय है।

समिट के दौरान मंच पर एक दूसरे से चर्चारत सीएम यादव एवं केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

ग्रीन एनर्जी में ऐतिहासिक उपलब्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रीनको प्रोजेक्ट का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां कुछ राज्यों और देशों में यह परियोजना 4 से दस वर्षों में पूरी हुई, वहीं मध्यप्रदेश में यह दुनिया का बड़ा प्रोजेक्ट दो साल से भी कम समय में तय होकर आज लोकार्पण की स्थिति तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मजबूत संबंधों, भरोसे और तेज निर्णय प्रक्रिया का परिणाम है।

निवेश के नए कीर्तिमान

समिट में मौजूद उद्योगपति एवं अतिथि सदस्य।

डॉ. मोहन यादव ने बताया कि भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 32 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए हैं, जिनमें से 6 लाख करोड़ रुपए के निवेश का भूमिपूजन पहले ही हो चुका है। उन्होंने जानकारी दी कि 25 दिसम्बर को 2 लाख करोड़ रुपए के निवेश का भूमिपूजन-लोकार्पण एक ही स्थान पर संपन्न होगा, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। यह कार्यक्रम पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मतिथि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कई सेक्टर्स में भी अपार संभावनाएं है। इन संभावनाओं के मद्देनजर इन्हें विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि युवाओं में नेतृत्व क्षमता और सही दिशा देने वाले मंच ही राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

पैनल चर्चा, प्रेरणादायी सत्र और संवाद

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने व्यक्तिगत जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि न्यूयॉर्क में नौकरी के बाद भारत लौटकर शून्य से शुरुआत करना आसान नहीं था, लेकिन धैर्य, परिश्रम और निरंतर प्रयास ने सफलता का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने स्टार्टअप, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। आज भारत विश्व के शीर्ष स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है और डिजिटल क्रांति के माध्यम से आम नागरिक वैश्विक बाजार से जुड़ रहा है। समिट के दौरान पैनल चर्चा, प्रेरणादायी सत्र और संवाद के माध्यम से युवाओं को नवाचार, नैतिक नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया संबोधित

युवा-नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर दिया जोर

इंदौर में वायईएफ भारत समिट 2025 के मंच पर एकजुट हुए हजारों युवा उद्यमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

यंग एंटरप्रेन्योर्स फोरम (वायईएफ) भारत के मध्य प्रदेश चैप्टर द्वारा 20 दिसंबर 2025 को इंदौर में युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए वायईएफ भारत समिट 2025 का आयोजन किया गया। शहर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित यह समिट नेशन फर्स्ट की सशक्त विचारधारा के मार्गदर्शन में एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के उद्देश्य को समर्पित रहा। समिट का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। आयोजन में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ख्यात भारतीय पॉडकास्टर राज शमानी, आध्यात्मिक वक्ता अमोघ लीला दास, कार्निलियन एसेट मैनेजमेंट के फाउंडर एवं सीआईओ विकास खेमानी सहित प्रतिष्ठित नेता, हस्तियां और चेंजमेकर्स भी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश प्रभावशाली रफ्तार से आगे बढ़ रहा

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुझे यह देखकर बेहद प्रसन्नता हो रही है कि मध्य प्रदेश एक प्रभावशाली रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। देश के केंद्र में स्थित होने के कारण इस राज्य को किफायती परिवहन और लॉजिस्टिक्स का खास फायदा मिलता है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि एंटरप्रेन्योरशिप जीवन को बदल सकती है। युवा एंटरप्रेन्योर्स को सरकारी नीतियों और समर्थन का पूरा उपयोग करते हुए, इससे सार्थक प्रभाव उत्पन्न करना चाहिए और समृद्ध भविष्य का निर्माण करना चाहिए। विगत दो वर्षों की प्रगति के साथ मध्य प्रदेश, देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में से एक बनकर उभरा है। मैं यंग एंटरप्रेन्योर्स फोरम (वायईएफ) को उनके संकल्प, इनोवेशन और भारतीय उद्यमियों की नई पीढ़ी तैयार करने के प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। उल्लेखनीय है कि वायईएफ भारत समिट 2025 के इस आयोजन में देशभर से एक हजार से अधिक युवा एंटरप्रेन्योर्स ने भाग लिया।

युवा एंटरप्रेन्योर्स विश्व का भविष्य

उद्‌बोधन देते केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

सिंधिया ने कहा कि युवा एंटरप्रेन्योर्स न केवल इंदौर, मध्य प्रदेश या भारत का, बल्कि पूरे विश्व का भविष्य हैं। मैं वायईएफ भारत समिट के आयोजकों को बधाई देता हूं कि वे युवा एंटरप्रेन्योर्स को न केवल स्वयं के और अपने व्यवसाय की वृद्धि के लिए, बल्कि देश की वृद्धि के उद्देश्य से एक साथ, एक मंच पर लेकर आए। वह देश जो कि आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2014 में देशभर में मौजूद 350 स्टार्टअप की संख्या से आज 2025 में हम 2 लाख से अधिक स्टार्टअप की संख्या तक पहुंच चुके हैं, हमारे यूनिकॉर्न की संख्या 3 से बढ़कर 122 हो गई है, जो कि आज भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाता है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े ऑटोमोबाइल निर्माता होने से लेकर 1.2 अरब उपयोगकर्ताओं के साथ दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम नेटवर्क और सबसे बड़े आईटी सेवा प्रदाताओं में से एक के रूप में तथा अन्य कई उपलब्धियों के साथ इस वृद्धि को दर्शाता है।

साहस, विचार, कौशल, प्रयास की ज़रूरत

उद्‌बोधन देते एमडीपीएच के निदेशक एवं वायईएफ के आयोजक अंकित अग्रवाल

एमडीपीएच के निदेशक एवं वायईएफ के आयोजक अंकित अग्रवाल ने कहा कि इंदौर में वायईएफ भारत समिट 2025 की मेज़बानी करना हमारे लिए गर्व की बात है। यह केवल एक समिट नहीं, बल्कि देश के उद्यमशील भविष्य को आकार देने की एक ईमानदार कोशिश है। आज के युवाओं के पास तकनीक और मार्केटिंग जैसे संसाधन हैं, लेकिन उन्हें सबसे अधिक आवश्यकता सही मार्गदर्शन की है। पैसा हमेशा दूसरे नम्बर पर आता है, असली ज़रूरत साहस, विचार, कौशल और प्रयास की है। भारत इस उद्यमशील परिवर्तन के लिए तैयार है और हमें इस परिवर्तन में सही भूमिका निभाने की स्थिति में चाहिए।

रिवर्स लाइव पॉडकास्ट का आयोजन

पॉडकास्टर राज शमानी ने वायईएफ भारत समिट 2025 में पहली बार एक अनोखे रिवर्स लाइव पॉडकास्ट का आयोजन किया, जिसका संचालन किमिरिका के सह-संस्थापक मोहित जैन ने किया। कार्यक्रम में दीपक विस्पुते, अमोघ लीला दास और एमएसएमई मंत्री चेतन्य कश्यप ने भी संबोधित किया और उद्देश्य से प्रेरित उद्यमिता, नैतिक नेतृत्व तथा राष्ट्र निर्माण में युवा व्यवसायों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वायईएफ भारत इंदौर चैप्टर की लॉन्चिंग की घोषणा

यंग एंटरप्रेन्योर्स फोरम के आयोजक एवं किमिरिका के संस्थापक रजत जैन ने कहा कि मैं इस आयोजन में मैं वायईएफ भारत इंदौर चैप्टर की लॉन्चिंग की घोषणा करता हूं। वायईएफ भारत समिट 2025 केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि देशभर के युवा एंटरप्रेन्योर्स के लिए 'नेशन फर्स्ट' की सोच के साथ एकजुट होकर सक्रिय होने का आह्वान है। हमारा यह विश्वास है कि जब इंटरप्रेन्योरशिप मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित होगी, तो वह एकता, रोजगार सृजन और भारत की समग्र प्रगति का शक्तिशाली उत्प्रेरक बन जाएगी।

राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह बोले

25-31 तक हर विस में होगा 'अटल स्मृति सम्मेलन'

पीसी को संबोधित करते राष्ट्रीय महासचिव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

25 से 31 दिसंबर तक मध्यप्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में 'अटल स्मृति सम्मेलन' आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों का विषय -मध्यप्रदेश में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व व वैचारिक यात्रा, राष्ट्र निर्माण का सुशासन मॉडल एवं विकसित भारत की विरासत है। इन सम्मेलनों में जनसंघ काल से अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़े वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, सामाजिक क्षेत्र के प्रबुद्धजनों तथा शिक्षा, विज्ञान, शोध और अन्य क्षेत्रों से जुड़े उनके संपर्क में रहे विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कही। उनके द्वारा प्रारंभ किए गए राष्ट्र निर्माण के कार्यों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई ऊर्जा, नई गति से नई ऊँचाइयों तक ले जा रहे हैं। भाजपा वाजपेयी का जन्मशताब्दी वर्ष पूरे देश में प्रेरणा, स्मरण और जनभागीदारी के साथ मना रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री करेंगे विकास योजनाओं का शुभारंभ

अरुण सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसंबर को लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ग्वालियर और रीवा में अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से समर्पित अनेक विकास योजनाओं का शुभारंभ करेंगे, जो प्रदेश के विकास को नई दिशा देंगी। 25 दिसंबर से मप्र के सभी जिला भाजपा कार्यालयों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी, जो 31 दिसंबर तक चलेंगी। इन प्रदर्शनियों में उनके विराट व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे आमजन प्रेरणा ले सके। अरुण सिंह ने कहा कि ने 24 दिसंबर को सुबह अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा और शाम को पार्टी के सभी जिला कार्यालयों में दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

वाजपेयी के सपनों को साकार कर रहा भारत

राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भज योजना, कारगिल विजय जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच का परिणाम थे। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

नया नाम जुड़वाने भरना पड़ेगा गणना पत्रक, देना पड़ेगी पिता की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का काम होने के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने नए नाम जोड़ने के फार्म में भी बदलाव किया है। जिसके तहत वोटर लिस्ट में नया नाम जुड़वाने के लिए गणना पत्रक भी भरना पड़ेगा, जिसमें वर्ष-2003 में दर्ज पिता के नाम की जानकारी भरना पड़ेगी। अगर कोई मतदाता इसकी जानकारी नहीं देगा, तो उसे जन्म का प्रमाण पेश करना पड़ेगा।

खास बातें

- ऑनलाइन आए 12 हजार नए आवेदन, 23 से 17 फरवरी तक दे सकेंगे आवेदन
- 1 जनवरी को 18 साल पूरे करने वाले भी कर सकेंगे आवेदन

नोटिस देकर लिए जाएंगे दस्तावेज

जिले की सात विधानसभाओं में एसआईआर के बाद चार लाख 38 हजार 876 नाम हटाने का काम शुरु कर दिया है। जबकि नो मैपिंग वाले एक लाख 16 हजार 317 मतदाताओं को नोटिस देकर दस्तावेज लिए जाएंगे। ऐसे में कई मतदाता ऐसे भी सामने आए हैं, जिनका वर्तमान वोटर लिस्ट में नाम नहीं था। ऐसे में इन लोगों को नया फार्म जमा करना पड़ेगा। जिसके लिए 23 दिसंबर से पोलिंग बूथों पर बैठे बीएलओ नया आवेदन लेंगे। ऐसे में इन मतदाताओं को नाम जुड़वाने के लिए जन्म का दस्तावेज पेश करना पड़ेगा। जिसके तहत वर्ष-1987 के पहले जन्म लेने वाले लोगों को खुद के जन्म का प्रमाण देना है। जबकि इसके बाद 2003 तक जन्म लेने वाले मतदाताओं को खुद का और अपने माता या पिता में से किसी के जन्म का प्रमाण देना पड़ेगा उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता का कहना है कि नए फार्म में कुछ बदलाव किया गया है, जिसमें नए मतदाता को अपने पिता की जानकारी देना पड़ेगी।

बैतूल में छह दिवसीय आदि बाजार महोत्सव का शुभारंभ आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत की जनजातीय कला, संस्कृति को प्रदर्शित करने तथा जनजातीय समुदाय के लिए आजीविका के अवसरों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बैतूल में 21 दिसम्बर को शुभारंभ किया जा रहा है। छह दिवसीय आदि बाजार महोत्सव के शुभारंभ में भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ मर्यादित द्वारा जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में किया जा रहा है। केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके मुख्य अतिथि होंगे। हेमंत खंडेलवाल, विधायक, बैतूल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ट्रायफेड की क्षेत्रीय प्रबंधक प्रीति मैथिल ने बताया कि आदि बाजार में देशभर से 50 प्रतिभाशाली कारीगर भाग ले रहे हैं।

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के सामने अपने राज्य का दिया प्रजेंटेशन

राज्यों के बजट की स्थिति बेहद चिंताजनक, चुनावी और राजनीतिक मजबूरियों के चलते कर दी गई कई घोषणाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देश के 5 राज्यों मप्र, उप्र, राजस्थान, छग और दिल्ली के शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक (उत्तरी एवं मध्य राज्यों) में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राज्यों के बजट की स्थिति बेहद खराब हो गई है। चुनावी और राजनीतिक मजबूरियों के चलते कई घोषणाएं कर दी गईं, जिसका सीधा असर राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति पर पड़ा है। इसी वजह से आज राज्य सरकारों को केंद्र की ओर अधिक देखना पड़ता है।

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक में चार राज्यों के मंत्री व नगरीय प्रशासन विभाग से जुड़े अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी शामिल होना था, किंतु वे अपरिहार्य कारणों से कांफ्रेंस में शामिल नहीं हो पाए। हालांकि उप्र से शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा व नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर शामिल हुए थे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के सामने अपने राज्य का प्रजेंटेशन दिया। इसके साथ ही साथ छग के उप मुख्यमंत्री अरूण साव, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी, राजस्थान के नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा शामिल हुए। नई दिल्ली से शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, मप्र के नगरीय विकास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, उप्र के नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव पी गुरूप्रसाद, राजस्थान के नगरीय एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव देवाशीष प्रस्तुति समेत कई आईएएस अधिकारी मौजूद थे। अन्य राज्यों से आने वाले अतिथियों के लिए लिंक ऑफिसर बनाए गए थे।

शहर स्वयं ड्राइविंग सीट पर बैठकर विकास की जिम्मेदारी लें

शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक का दृश्य।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत यह है कि शहर स्वयं ड्राइविंग सीट पर बैठकर अपने आसपास के क्षेत्रों के विकास की जिम्मेदारी लें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रही हैं, पर चुनाव के दौरान किए गए वादों के कारण राजनीतिक दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि इसी कारण केंद्र से जितनी सहायता की अपेक्षा रहती है, वह पूरी नहीं हो पाती। मप्र का उदाहरण देते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि अमृत योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना में केंद्र से और अधिक सहयोग की आवश्यकता है।

आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तय किया

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का बजट सीमित होता है। कुछ राज्यों में आवंटित राशि का पूरा उपयोग नहीं हो पाता। ऐसे मामलों में जब अन्य राज्यों से मांग आती है, तो शेष बची राशि का वितरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तय किया है। विकसित भारत का अर्थ है लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति है।

आय- व्यय का अंतर कम किए बिना आत्मनिर्भर भारत संभव नहीं

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आय के अंतर को कम करना बेहद जरूरी है और यह काम केंद्र व राज्य सरकारों के सहयोग से ही संभव है। उन्होंने कहा कि प्रदेशों को स्वयं को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि अनुमान है कि देश का करीब 40 प्रतिशत क्षेत्र शहरी हो चुका है, लेकिन वास्तविक स्थिति जनगणना 2026 के बाद ही सामने आएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कॉलोनाइजेशन और भूमि प्रबंधन राज्य सरकारों का विषय है, जबकि केंद्र सरकार की भूमिका सहयोगी की है।

'हे-फीवर' के इलाज को लेकर एम्स भोपाल की स्टडी में चौकाने वाला खुलसा

मौसमी एलर्जी मानकर 'हे फीवर' को न करें नजरअंदाज, सालों तक पीछा नहीं छोड़ती यह बीमारी, करती है सेहत पर वार

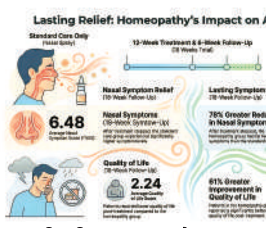

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आमतौर पर लोग 'हे फीवर' यानी एलर्जिक राइनाइटिस को मौसमी एलर्जी मानकर नजरअंदाज कर देते है, लेकिन हकीकत यह है कि यह बीमारी सालों तक पीछा नहीं छोड़ती। अब एम्स भोपाल के एक बड़े क्लीनिकल अध्ययन ने इस बीमारी को लेकर ऐसी बात सामने रखी है, जो इलाज की दिशा बदल सकती है।

अध्ययन में दावा किया गया है कि अगर पारंपरिक एलोपैथिक इलाज के साथ होम्योपैथी जोड़ी जाए, तो हे फीवर के लक्षण न सिर्फ तेजी से कंट्रोल होते हैं, बल्कि दवा बंद करने के बाद भी लंबे समय तक वापस नहीं आते। यह स्टडी अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुई है और इसके नतीजे चौंकाने वाले हैं। यह रैंडमाइज्ड, ओपन-लेबल कंट्रोल्ड स्टडी एम्स भोपाल के आयुष (होम्योपैथी) विभाग और ईएनटी विभाग के संयुक्त सहयोग से की गई। इस अध्ययन का नेतृत्व डॉ. आशीष कुमार दीक्षित (होम्योपैथी) और डॉ. अंजन कुमार साहू (ईएनटी) ने किया। रिसर्च टीम में डॉ. शैला और डॉ. निभा गिरी भी शामिल रही।

डॉक्टरों के मुताबिक एलर्जिक राइनाइटिस में समस्या यह है कि दवाएं लक्षण दबा तो देती हैं, लेकिन दवा बंद होते ही परेशानी फिर शुरू हो जाती है। स्टडी के नतीजे बताते हैं कि होम्योपैथी को सहायक इलाज के तौर पर जोड़ने से लक्षणों की पुनरावृत्ति कम हो सकती है।

स्टडी में एलोपैथिक के साथ होम्योपैथी दवा लेने से लंबे समय तक राहत का दावा

एलर्जिक राइनाइटिस से पीड़ित 210 युवाओं पर की स्टडी

स्टडी में मध्यम से गंभीर एलर्जिक राइनाइटिस से पीड़ित 210 वयस्क मरीजों को शामिल किया गया। मरीजों को दो ग्रुप में बांटा गया। पहले ग्रुप को सिर्फ मानक एलोपैथिक इलाज यानी फ्लुटिकासोन फ्यूरोएट नेजल स्प्रे दिया गया। दूसरे ग्रुप को वही मानक इलाज दिया गया, लेकिन उसके साथ व्यक्तिगत होम्योपैथिक दवाएं भी दी गई। इलाज 12 हफ्तों तक चला और 6 हफ्ते तक मरीजों को ऑब्जर्व किया गया। रिसर्च में यह बात सामने आई कि इलाज के शुरूआती चरण में यानी 4 और 12 सप्ताह के बाद दोनों ग्रुप में लगभग समान सुधार देखा गया।

क्या है हे फीवर, जिससे हर दूसरा घर परेशान

एलर्जिक राइनाइटिस जिसे आम भाषा में हे फीवर कहा जाता है, आज की लाइफस्टाइल की सबसे आम बीमारियों में से एक बन चुकी है। धूल, पराग, पालतू जानवरों की रूसी, फफूंद और प्रदूषण जैसे एलर्जेंस के संपर्क में आते ही शरीर की इम्यून सिस्टम जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया देने लगती है। नतीजा बार-बार छींक, नाक बहना या बंद होना, आंखों से पानी, गले में खुजली, थकान और सिरदर्द।

स्कूली प्राचार्यों की समीक्षा में देखा कार्य ब्यौरा

भोपाल। हाल ही में जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में राजधानी भोपाल की समीक्षा बैठक की गई। आईकफ आश्रम में हुई इस स्कूली प्राचार्यों की समीक्षा बैठक में अध्यापन व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में उन प्राचार्यों से सवालिया निशान लगाए गए, जिन्होंने पिछले साल 30 फीसदी कम रिजल्ट दिया था। उन्हें निर्देशित किया गया है कि आने वाली परीक्षा में शत-शत प्रतिशत नहीं तो कम से कम 80 फीसदी तक रिजल्ट होना चाहिए। हर स्कूल का कार्य ब्यौरा देखने के साथ ही अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम की भी समीक्षा की गई।

ब्राह्मण समाज संयुक्त मोर्चा की बैठक कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश ब्राह्मण समाज संयुक्त मोर्चा की बैठक 22 दिसंबर को शुभ इन रेस्टोरेंट एमएलए रेस्ट हाउस में आयोजित की गई है। बैठक में ब्राह्मण समाज संयुक्त मोर्चा के संघर्ष के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

यह निर्णय शनिवार को आयोजित बैठक में लिया गया। मप्र ब्राह्मण समाज संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संतोष वर्मा एवं मीनाक्षी सिंह प्रदेश में सामाजिक विभेद पैदा कर रहे हैं। वहीं मीनाक्षी सिंह का बयान की वर्तमान में समाज का पक्षपात लेना समय की मांग है घोर निंदनीय है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के शपथ का उल्लंघन है बैठक में ब्राह्मण समाज संयुक्त मोर्चा ने दोनों आईएएस अधिकारियों के विरोध में निंदा प्रस्ताव पारित किया है। अशोक पांडे ने बताया कि संयुक्त मोर्चा ने सरकार से दोनों आईएएस अधिकारियों के द्वारा सर्विस रूल के विपरीत टिप्पणियों को संज्ञान में लेते हुए जांच करने की मांग की है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने किया परिचय सम्मेलन के पत्रक का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जीनगर समाज द्वारा परिचय सम्मेलन सेवा समिति के तत्वावधान में 18 जनवरी 2026 को आयोजित होगा। शनिवार को अखिल भारतीय द्वितीय परिचय सम्मेलन के पत्रक का विमोचन उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि परिचय सम्मेलन समाज में सामाजिक समरसता, एकता, उन्नति तथा मितव्ययी विवाह परंपरा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में जीनगर समाज के अध्यक्ष अजय पवार, हरिओम आसेरी, अशोक सांकले, देवेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय जनयोद्धा नाट्य समारोहः एकल नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से अटलजी के जीवन का सजीव चित्रण

अटलजी की कवि हृदयता, राष्ट्रभक्ति की जीवन यात्रा दिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित एकल नाट्य प्रस्तुति ने भावविभोर कर दिया। इस नाटक के माध्यम से अटलजी की कवि हृदयता, पत्रकारिता, राजनीति और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत जीवन यात्रा को अत्यंत सहज और प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया गया।

कविता से अंतिम क्षणों तक की अटल यात्रा

यह नाटक अटल बिहारी वाजपेयी की प्रथम कविता से लेकर उनके अंतिम क्षणों तक की उस अविचल यात्रा को दर्शाता है, जो उनके नाम की तरह अटल रही। नाटक ने अटलजी के वैचारिक दृढ़ता और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावी रूप से उजागर किया।

युगपुरुष अटलजी की प्रेरक जीवन यात्रा

अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन संवेदना, संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का अद्भुत संगम रहा। नाट्य प्रस्तुति में उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को क्रमबद्ध रूप से दर्शाया गया, जिसने दर्शकों को आत्मिक रूप से जोड़ दिया। कलाकार विपिन कुमार के सशक्त अभिनय ने दर्शकों से बार-बार तालियां बटोरीं।

शहीद भवन में मंचित हुआ 'मेरी यात्रा अटल यात्रा'

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा आयोजित जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह की पांचवीं संध्या पर शहीद भवन में मंचित नाटक 'मेरी यात्रा अटल यात्रा' ने विशेष प्रभाव छोड़ा। नाटक के युवा रंग निर्देशक चंद्रभूषण सिंह ने बताया कि इस प्रस्तुति का उद्देश्य अटलजी के विचारों, सिद्धांतों और जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि बच्चे, युवा और समाज उनसे प्रेरणा ले सकें।

'विश्व रंग वार्ता' में साझा हुई विश्वरंग की वैश्विक यात्रा

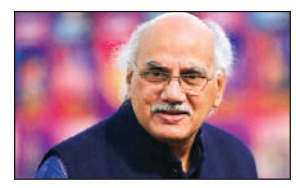

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

'विश्व रंग श्रीलंका' आरंभ मुंबई' और 'विश्व रंग भोपाल 2025' जैसे ऐतिहासिक आयोजनों की सफलता और विश्वरंग के सातवें संस्करण की अंतरराष्ट्रीय पहुंच को साझा करने के उद्देश्य से शनिवार को होटल पलाश रेसीडेंसी में 'विश्व रंग वार्ता' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वरंग फाउंडेशन एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के संयुक्त निर्देशन में संपन्न हुआ।

विश्वरंग केवल उत्सव नहीं, वैश्विक संवाद का मंच : संतोष चौबे

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार एवं विश्वरंग के परिकल्पक संतोष चौबे ने कहा कि विश्वरंग केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि भाषा, साहित्य और संस्कृति के माध्यम से वैश्विक मानवीय संवाद की सशक्त पहल है। उन्होंने बताया कि श्रीलंका, मॉरिशस, मुंबई और भोपाल जैसे विविध सांस्कृतिक केंद्रों में विश्वरंग ने भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक चेतना को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया है।

नए प्रयोगों का मंच बन रहा है विश्वरंग : डॉ. अदिति

विश्वरंग की सह-निदेशक डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि विश्वरंग से कला संस्कृति में नए प्रयोगों की संभावनाएं विस्तृत हो रही हैं। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में 'क्वायर फेस्टिवल' पर विचार किया जा सकता है।

भविष्य की सांस्कृतिक योजनाओं की दिशा भी हुई तय

कार्यक्रम में उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी, वरिष्ठ कथाकार उर्मिला शिरीष, महिला लेखिका संघ की सलाहकार डॉ. अनीता सक्सेना, वरिष्ठ रचनाकार गोकुल सोनी, व्यंग्यकार सुदर्शन सोनी आदि ने सहभागिता की।

लाइफ स्टाइल

अगस्त्य नंदा की 'इक्कीस' का फाइनल ट्रेलर जारी...

मुंबई। अगस्त्य नंदा की चर्चित फिल्म 'इक्कीस' का फाइनल ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इसके जरिए फिल्म के अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों को बारीकियों से सामने लाने की कोशिश की गई है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म क्रिसमस पर यानी, 25 दिसंबर को रिलीज होनी थी। अब इसे 1 जनवरी, 2026 को रिलीज किया जाएगा। 'इक्कीस' का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया इस फिल्म से डेब्यू करने जा रही हैं। 'इक्कीस' के फाइनल ट्रेलर की शुरुआत जयदीप अहलावत के डायलॉग से होती है। वह कहते हैं, उस धुएं और बारूद की बू आज भी याद है मुझे। हम तारीख बदलने वाले थे।

लाइफ Style

आशिका

मेरा किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री आशिका पादुकोण का कहना है कि स्टार प्लस के शो 'शहज़ादी है तू दिल की' में उनका निभाया दीपा का किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर है। स्टार प्लस का नया शो 'शहज़ादी है तू दिल की 'लगातार दर्शकों के दिलों को छू रहा है, और इसके असर का एक बड़ा कारण आशिका पादुकोण द्वारा निभाया गया दीपा का भावुक किरदार है।

दिल टूटने, ज़िम्मेदारियों और मजबूती के बीच जूझती एक मां की भूमिका निभा रहीं आशिका ने हाल ही में अपने किरदार और उसे पर्दे पर उतारते वक्त जुड़ी इमोशनल बातों को लेकर खुलकर बात की। आशिका ने दीपा की मानसिक स्थिति पर बात करते हुए कहा कि उनका किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर है, लेकिन भावनात्मक सहारे की उम्मीद में वह कहीं न कहीं नाजुक भी है। उन्होंने कहा कि दीपा आत्मनिर्भर है, लेकिन कहीं न कहीं उसे उम्मीद थी कि भानु ज़िम्मेदारी निभाएगा। जब वह उम्मीद टूटती है, तो वह उसे अंदर से तोड़ देती है। मैंने उसी विश्वासघात, निराशा और बेबसी की भावना को महसूस किया, खासकर यह जानते हुए कि वह अपनी बेटी के भविष्य के लिए यहां तक आई है, और यही उनकी परफॉर्मेंस की भावनात्मक नींव को दर्शाता है। आशिका ने बताया कि इस किरदार का सबसे मुश्किल हिस्सा दीपा के चुपचाप सहने वाले दर्द को दिखाना था। उन्होंने कहा कि सबसे कठिन बात दीपा के मन के अंदर चल रही लड़ाई को दिखाना था। वह अंदर से बहुत आहत है, लेकिन अपनी बेटी के सामने खुद को टूटने नहीं देती। बाहर से मजबूत और संभली हुई दिखते हुए उस चुपचाप टूटते दिल को दिखाना भावनात्मक तौर पर बहुत मुश्किल था।

हॉलीवुड मसाला

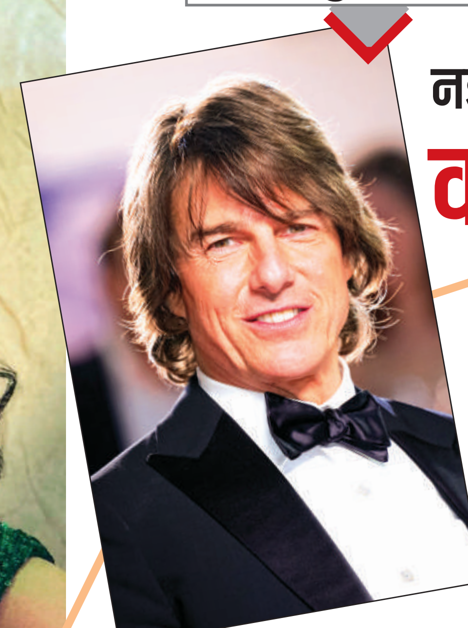

नई फिल्म में करेंगे कॉमेडी...

लॉस एंजिल्स। सुपरस्टार टॉम क्रूज हमेशा से अपने हैरतअंगेज कारनामों के लिए जाने जाते हैं। इस बार उन्हें नए अंदाज में देखने को तैयार हो जाइए, क्योंकि नई फिल्म का ऐलान हो चुका है। अगर आप सोच रहे हैं कि यह 'मिशनः इम्पॉसिबल' सीरीज का अगला भाग होगा, तो आप बिल्कुल गलत हैं। टॉम की नई फिल्म का नाम 'डिगर' है जिसके निर्देशन की कमान एलेजांद्रो गोंजालेज इनारितु ने संभाली है। फिल्म का पहला टीजर और इसकी तारीख भी आ गई है।

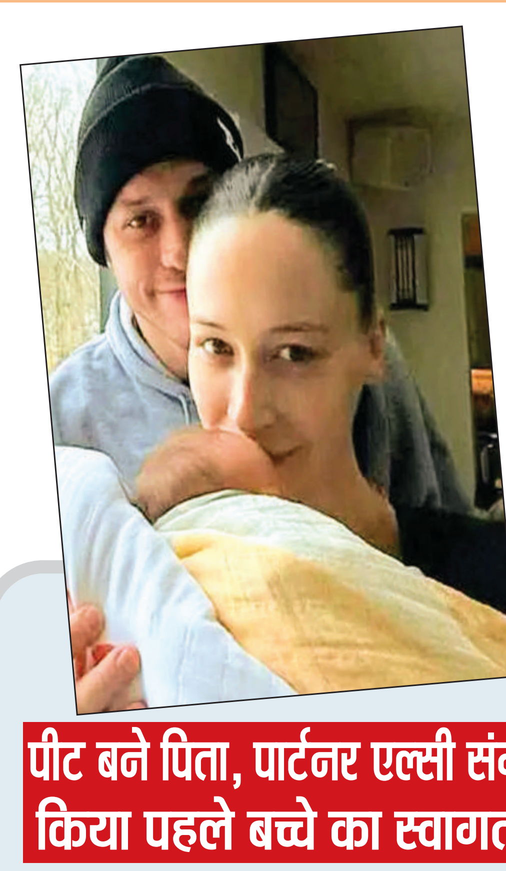

पीट बने पिता, पार्टनर एल्सी संग किया पहले बच्चे का स्वागत

लॉस एंजिल्स। 'द पिकअप' और 'द किंग ऑफ स्टेटन आइलैंड' जैसी फिल्मों के अभिनेता पीट डेविडसन पिता बन गए हैं। उन्होंने पार्टनर एल्सी हेविट के साथ अपने पहले बच्चे (बेटी) का स्वागत किया है। इस खुशखबरी को दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए प्रशंसकों के साथ साझा किया। इस जोड़े ने अपनी नन्ही परी के नाम का खुलासा भी कर दिया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट सामने आने के बाद से प्रशंसक इस जोड़े को बधाई दे रहे हैं। एल्सी ने इंस्टाग्राम पर नन्ही परी की पहली झलक साझा की है। उन्होंने कैप्शन दिया, 'हमारी प्यारी परी बच्ची 12/12/2025 को आई। 'स्कॉटी रोज हेविट डेविडसन...' यह मेरा अब तक का सबसे अच्छा काम है, मैं प्यार, कृतज्ञता और अविश्वास से भरी हूं।' पीट ने बेटी का नाम स्कॉटी शायद अपने दिवंगत पिता स्कॉट डेविडसन के सम्मान में रखा है। एल्सी और पीट ने मार्च, 2025 में डेटिंग शुरू की थी। जुलाई में, मॉडल ने प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था।

अक्षरा के नए गाने ने मचाया धमाल...

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह फिर से सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस का नया गाना 'सोना के पलना' यूट्यूब पर रिलीज हो गया है और कुछ ही घंटे में इसे 11 हजार से ज्यादा लोग देख चुके हैं। ये गाना फिल्म 'अग्निसाक्षी' का है, जिसमें अक्षरा सिंह, तनुश्री और प्रदीप पांडे चिंटू लीड रोल में हैं। गाने की खुशमिजाज कहानी और रंग-बिरंगे सेट ने इसे बहुत मजेदार बना दिया है। गाने में अक्षरा सिंह पीली साड़ी में और तनुश्री हरी साड़ी में बहुत सुंदर दिख रही हैं गाने में एक बच्चे के जन्म का जश्न दिखाया गया है, जिसमें सभी झूमते हुए गाते हैं और खुशियां मनाते हैं। दर्शक इस गाने में बच्चे की मासूमियत और झूमते हुए किरदारों को देखकर काफी एंजॉय कर रहे हैं। गाने की मीठी धुन और हंसी-मजाक वाला माहौल इसे और भी खास बना देते हैं।

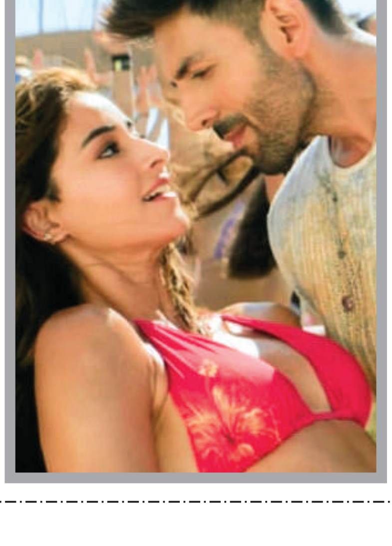

तू मेरी मैं तेरा... में अनन्या कार्तिक में नोकझोंक

मुंबई। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म का निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है। निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा हैं। ट्रेलर देखने के बाद दिमाग में धर्मा प्रोडक्शन की पिछली रोमांटिक फिल्मों का रिकैप आना तय है। जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता की झलक भी दिखाई दी है, जिससे साफ है कि दोनों फिल्म का अहम हिस्सा हैं। कार्तिक ने 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का ट्रेलर जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'किस्से, कहानियां, चर्चे, दास्तांन... अधूरे इश्क के ही होते हैं।' ट्रेलर की शुरुआत तो कार्तिक, अनन्या की नोकझोंक वाली दोस्ती से होती है, लेकिन बहुत जल्द दोनों भावनाओं के दरिया में ले जाते हैं।

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशु के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

{ कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा }

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड ड्राइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गौशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीद: चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकता: यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमा: क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था।

कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

{ अमेजिंग / शिखर चंद जैन }

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसए: चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

बिग क्रिसमस-ट्री इटली: यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

स्काई ट्री जापान: क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसए: न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

{ कविता / हेमधर शर्मा }

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

{ लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले }

उपेक्षा के आंसू

एआई इमेज

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुश्बू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तक: तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकार: ओम निश्चल, मूल्य: 300 रुपए, प्रकाशक: हिंदी अकादमी, दिल्ली

एशेज: इंग्लैंड पर हार का खतरा, 435 के लक्ष्य का पीछा करते हुए 207 रन पर गंवाए 6 विकेट

नाथन लियोन ने तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को जीत के करीब पहुंचाया

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

इंग्लैंड की एशेज में बने रहने की बेताब कोशिश को शनिवार को उस समय करारा झटका लगा जब नाथन लियोन ने एक के बाद एक तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत और श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के करीब पहुंचा दिया।

इंग्लैंड की टीम जब 435 रन के रिकार्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए एशेज में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की कोशिश कर रही थी तब लियोन ने उप कप्तान हैरी ब्रूक (30) को बोल्ड, कप्तान बेन स्टोक्स (05) को बोल्ड और सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली (85) को स्टंप आउट करके इंग्लैंड के खेमे में खलबली मचा दी। इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 207 रन बनाए हैं और वह अभी लक्ष्य से 228 रन पीछे है।

लियोन ने की शानदारी गेंदबाजी

पहली पारी में 371 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 349 रन बनाए। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे। क्रॉली और ब्रूक ने 68 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 109 रन से 177 रन तक पहुंचाया। ऐसे में लियोन ने गेंद संभाली और अपनी दूसरी ही गेंद पर सफलता हासिल की। उन्होंने इस बीच केवल आठ रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 194 रन हो गया। आउट होने वाले बल्लेबाजों में स्टोक्स भी शामिल थे। वह टर्न लेती हुई गेंद को समझने में नाकाम रहे, जो उनके ऑफ स्टंप से जा लगी।

इंग्लैंड की दूसरी पारी की शुरुआत खराब

इंग्लैंड की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर दो विकेट पर 31 रन था। लेकिन इसके बाद जो रूट (39) और क्रॉली ने तीसरे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने लंच से पहले अपनी दूसरी ही गेंद पर बेन डकेट (04) का विकेट लिया और फिर लंच के बाद ओली पोप (17) को भी पवेलियन भेज दिया, जिनका मार्नस लाबुशेन ने दूसरी स्लिप से बायीं तरफ डाइव लगाते हुए शानदार कैच पकड़ा। कमिंस ने चाय के विश्राम के तुरंत बाद रूट को पवेलियन की राह दिखाई। टेस्ट क्रिकेट में यह 13वीं बार था जब कमिंस ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान को आउट किया। कमिंस ने अभी तक 24 रन देकर तीन जबकि लियोन ने 64 रन देकर तीन विकेट लिए हैं।

हेड और कैरी ने की 162 रन की साझेदारी

स्टोक्स और इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण ने सुबह के सत्र में श्रृंखला को जीवित रखने के लिए हरसंभव प्रयास किया। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 271 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसने आखिरी छह विकेट 11 ओवरों में 38 रन पर गंवा दिए। सुबह ट्रैविस हेड ने 142 रन और एलेक्स कैरी ने 52 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन वह लंबे समय तक नहीं टिके रहे। हेड के 170 रन पर आउट होने से उसकी पारी का पतन शुरू हो गया। हेड और कैरी ने पांचवें विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी का अंत जोश टोंग (70 रन देकर चार विकेट) ने हेड को आउट करके किया। क्रॉली ने मिडविकेट पर उनका कैच लपका। स्टोक्स ने कैरी को 72 रन पर आउट कर दिया। कैरी ने लेग स्लिप में कैच दिया। इसके बाद ब्रायडन कार्स (80 रन देकर तीन विकेट) ने कमिंस (06) और लियोन को लगातार गेंदों पर आउट किया। जोफ्रा आर्चर ने स्कॉट बोलैंड का अपनी ही गेंद पर कैच लेकर ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया।

खबर संक्षेप

विजय हजारे ट्रॉफी: बंगाल टीम शामिल किए गए शमी

कोलकाता। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। शमी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं लेकिन उन्होंने चोट से उबरने के बाद बंगाल की तरफ से घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वर्तमान सत्र में अभी तक सभी प्रारुप में 36 विकेट लिए हैं। भारतीय घरेलू सत्र की शुरुआत रणजी ट्रॉफी से हुई, जिसमें शमी ने चार मैच में 18.60 के औसत से 20 विकेट लिए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और सात मैचों में 14.93 के औसत से 16 विकेट हासिल किए। विजय हजारे ट्रॉफी में शमी बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। बंगाल की टीम में भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और मुकेश कुमार भी शामिल हैं। ट्राफी के लिए बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को कप्तान बनाया गया है।

2026 एटीपी टूर के बाद नहीं खेलेंगे वावरिंका

लुसाने। स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी और तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने कहा है कि 2026 एटीपी टूर पर उनका आखिरी साल होगा। वावरिंका 2002 में पेशेवर खिलाड़ी बने थे और उन्होंने 16 टूर एकल खिताब जीते हैं। उन्होंने 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन (राफेल नडाल), 2015 में फ्रेंच ओपन (नोवाक जोकोविच) और 2016 में अमेरिकी ओपन (जोकोविच) के फाइनल में उस समय के नंबर एक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को हराया था। वावरिंका ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आखिरी प्रयास। हर पुस्तक का अंत जरूरी होता है। अब पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरे करियर का अंतिम अध्याय लिखने का समय आ गया है। 2026 टूर पर मेरा आखिरी साल होगा।'

टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

टी-20 के राजा सूर्या से रूठी फॉर्म, निराशाजनक प्रदर्शन से शुभमन को खोनी पड़ी अपनी जगह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जब अपने टी20 करियर की शुरुआत की थी, तो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर पूरी दुनिया में छा गए थे। साल 2025 सूर्यकुमार यादव के लिए बतौर कप्तान बेहद सफल रहा है, लेकिन एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने निराश किया है।

वहीं शुभमन गिल को भी खराब फॉर्म की वजह से टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह खोनी पड़ी है। सूर्या और गिल दोनों के लिए टी20 में साल 2025 बेहद निराशजनक रहा है। सूर्यकुमार यादव ने 14 मार्च 2021 को इंग्लैंड के खिलाफ अपने टी20 करियर का आगाज किया था। टी20 फॉर्मेट में शुरुआत के साथ ही सूर्या ने तहलका मचा दिया था। लगातार दमदार प्रदर्शन की वजह से सूर्या 30 अक्टूबर 2022 को आईसीसी की टी20 रैंकिंग में नंबर वन बल्लेबाज बन गए। वह टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे।

ईशान का खत्म हुआ वनवास

वर्ल्ड कप स्क्वॉड के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड में अपना नाम देखने के बाद ईशान किशन काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुश हूं और टीम के साथ जुड़ने पर काफी उत्साहित हूं। ईशान किशन दो साल बाद भारत की टी20 टीम में वापसी करने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए पिछला टी20 मुकाबला नवंबर, 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

भारतीय टीम का शेड्यूल

दिनांक	बनाम	स्थान
7 फरवरी	यूएसए	वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई)।
12 फरवरी	नामीबिया	अरुण जेटली स्टेडियम (दिल्ली)।
15 फरवरी	पाकिस्तान	आर. प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो)।
18 फरवरी	नीदरलैंड्स	नरेंद्र मोदी स्टेडियम (अहमदाबाद)।

सुपर-8 के मैच अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता।
ग्रुप ए : भारत, अमेरिका, पाकिस्तान, नामीबिया और नीदरलैंड्स ।

गिल और जितेश बाहर

चीफ सेलेक्टर अगरकर ने किया बड़ा खुलासा

चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने शुभमन गिल को बाहर करने की वजह का खुलासा करते हुए कहा कि गिल का हालिया फॉर्म और टीम कॉम्बिनेशन की मजबूरियां इस फैसले के पीछे की वजह रहीं। अजीत अगरकर ने कहा, 'हम जानते हैं कि वह कितने क्वालिटी वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन शायद इस समय उनके पास कुछ रन कम हैं। पिछले वर्ल्ड कप में भी चूकना दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे। लेकिन यह फैसला किसी भी और चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की वजह से लिया गया है, जब आप 15 चुनते हैं तो किसी को चूकना पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय वह गिल हैं। दूसरी ओर, विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी टीम में अपनी जगह बनाने से चूक गए। अगरकर ने इस बात पर जोर दिया कि वह टॉप ऑर्डर में एक ज्यादा विकेटकीपर रखना चाहते थे और इसके लिए उन्हें एक मेन बल्लेबाज का त्याग करना पड़ा। अगरकर ने कहा कि हम कॉम्बिनेशन पर गौर कर रहे हैं। जितेश ने बहुत ज्यादा गलत नहीं किया है। लेकिन वह लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं और टॉप ऑर्डर में एक विकेटकीपर बल्लेबाज के विकल्प के चलते उनकी जगह ईशान किशन को मौका दिया गया है।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन पटेल बने उपकप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम इंडिया के ऐलान के साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भी भारतीय टीम का सेलेक्शन कर दिया गया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए एक ही टीम चुनी गई है। टीम इंडिया की टी20 टीम का उप-कप्तान बदल चुका है। अक्षर पटेल को न्यूजीलैंड सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप 2026, दोनों के लिए उप-कप्तान बना दिया गया है। चूंकि टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड सीरीज के लिए एक ही टीम है तो शुभमन गिल इस सीरीज से भी बाहर रहेंगे। ईशान किशन ने टीम में उनकी जगह ली है। ईशान किशन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कमाल के प्रदर्शन का इनाम मिला है। ईशान किशन ने 33 छक्कों के साथ 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। वो टूर्नामेंट में 500 प्लस रन बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। जितेश शर्मा को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया हैं। वहीं रिंकू सिंह की वापसी हुई है। रिंकू सिंह साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं थे ।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल (उपकप्तान), शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह।

रिकॉर्ड 12वीं बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय टीम रविवार को आईसीसी अकादमी में होने वाले अंडर-19 एशिया कप फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए रिकॉर्ड 12वां खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी। आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली भारतीय टीम ग्रुप ए के सभी मैच जीतकर पाकिस्तान से आगे शीर्ष पर रही। पाकिस्तान को ग्रुप चरण में एकमात्र हार भारत के खिलाफ मिली थी, जिसमें उसे

पिछले रविवार को 90 रन से हार मिली। भारत ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में भी यही लय बरकरार रखी और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। दूसरी ओर पाकिस्तान ने गत चैंपियन बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

श्रीलंका के खिलाफ युवाओं को परखेगी महिला क्रिकेट टीम

एजेंसी ▶▶| विशाखापत्तनम

भारतीय टीम रविवार से श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए ऐसे युवा खिलाड़ियों की तलाश करना चाहेगी, जो टीम को लंबे समय तक स्थिरता प्रदान कर सके।

टीम में कप्तान हरमनप्रीत कौर, उपकप्तान स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह जैसे परिचित चेहरे मौजूद हैं, लेकिन यह सभी खिलाड़ी 30 की उम्र पार कर चुके हैं या उस ओर बढ़ रहे हैं। भारतीय टीम प्रबंधन की निगाहें ऐसे में युवा बल्लेबाज जी कमलिनी और

उभरती हुई बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी। सत्रह साल की कमलिनी ने तमिलनाडु के लिए बीसीसीआई अंडर-23 टी20 ट्रॉफी, इस साल की शुरुआत में अंडर-19 विश्व कप और फिर महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए अपनी परिपक्वता का परिचय दिया है।

टीमें इस प्रकार

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

कैवेम हॉज का शानदार शतक वेस्टइंडीज ने टाला फॉलोऑन

एजेंसी ▶▶| माउंट माउंगानुई

कैवेम हॉज ने सूत्रधार की भूमिका अच्छी तरह से निभाते हुए अपना दूसरा टेस्ट शतक बनाया, जिससे वेस्टइंडीज की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन फॉलोऑन बचाने में सफल रही। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय हॉज 109 रन पर खेल रहे थे।

उनके साथ दूसरे छोर पर एंडरसन फिलिप 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 381 रन बनाए हैं और वह न्यूजीलैंड से अभी 194 रन पीछे है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 575 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।वेस्टइंडीज का

फॉलोऑन बचाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले टेस्ट मैच में शतक बनाने वाले शाई होप बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतर पाए। वह अज्ञात बीमारी के कारण मैदान से बाहर हैं।

यादें 2025 : भारतीय निशानेबाजों ने प्रत्येक रंग का हासिल किया पदक

सुरुचि, सम्राट और सिमरनप्रीत ने निशानेबाजी में बिखेरी चमक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुरुचि सिंह, सम्राट राणा और सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने वर्ष 2025 में भारतीय निशानेबाजी में अपनी विशेष छाप छोड़ी। इस वर्ष भारतीय निशानेबाजों ने प्रत्येक रंग का पदक हासिल किया और यह साल कई युवाओं के उभरने का गवाह बना।

पिछले कुछ वर्षों में निशानेबाजी का खेल भारत के लिए सबसे अधिक पदक हासिल करने वाले खेलों में से एक के रूप में उभरा है। यह खेल अब छोटे शहरों में लोकप्रिय होता जा रहा है, जिससे भारत को कई शानदार प्रतिभाएं मिली हैं। भारतीय निशानेबाजों के अच्छे प्रदर्शन की शुरुआत ब्यूनस आयर्स में हुई, जहां भारत ने चार स्वर्ण, दो रजत और इतने ही कांस्य पदक जीते।

सुरुचि ने असाधारण प्रतिभा की दिखाई झलक

सुरुचि ने इस सत्र में विश्व कप में शीर्ष स्थान हासिल करके अपनी असाधारण प्रतिभा की झलक दिखाई। झज्जर की इस युवा निशानेबाज ने विश्व कप में चार स्वर्ण पदक जीते थे और दोहा में सत्र की अंतिम प्रतियोगिता विश्व कप फाइनल्स में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। करनाल के रहने वाले 20 वर्षीय सम्राट राणा ने पुरुषों की एयर पिस्टल स्पर्धा में कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हराकर काहिरा में विश्व चैंपियन का खिताब जीता और इस तरह से यह उपलब्धि हासिल करने वाले देश के पहले खिलाड़ी बने।

प्रतियोगिता में चार हाउस टीमें रेड, ब्लू, ग्रीन और ऑरेंज के अधिकारियों एवं उनके परिवारजनों ने भाग लिया

राजधानी के बोट क्लब में शनिवार को भव्य बोट रेस प्रतियोगिता में भाग लेते आईएएस अधिकारी और उनके परिवार के सदस्य।

आईएएस सर्विस मीट : दूसरे दिन बोट क्लब पर रोमांचक बोट रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आईएएस सर्विस मीट के दूसरे दिन शनिवार को राजधानी के बोट क्लब में भव्य बोट रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बड़े तालाब में हुई इस रोमांचक प्रतियोगिता में चार हाउस टीमें रेड, ब्लू, ग्रीन और ऑरेंज के अधिकारियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रेस का प्रारूप और टीम संरचना

200 मीटर की इस बोट रेस में प्रत्येक टीम में तीन वयस्क पुरुष, एक अनुभवी खिलाड़ी, एक महिला और एक बच्चा शामिल था। इसके साथ ही चार सपोर्ट सदस्य, एक गाइड और एक ड्रमर भी टीम का हिस्सा रहे। ड्रम बीट्स और डीजे पर बज रहे देशभक्ति गीतों ने पूरे आयोजन को जोश और उत्साह से भर दिया।

रेस दर रेस रोमांच

1 **पहली रेस :** रेड और ऑरेंज टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें ऑरेंज टीम ने 51 सेकंड में जीत दर्ज की।

2 **दूसरी रेस :** ब्लू और ग्रीन टीम आमने-सामने रहीं, जिसमें ब्लू टीम ने 52 सेकंड में बढ़त बनाई।

3 **दूसरा राउंड :** रेड और ऑरेंज टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें ऑरेंज टीम 51.66 सेकंड के साथ आगे रही।

फाइनल परिणाम

फाइनल मुकाबले में टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। परिणाम इस प्रकार रहे...

प्रथम स्थान	ग्रीन टीम	48.07 सेकंड
द्वितीय स्थान	ऑरेंज टीम	49.14 सेकंड
तृतीय स्थान	रेड टीम	51.05 सेकंड
चतुर्थ स्थान	ब्लू टीम	52.33 सेकंड

उत्साह और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन

आईएएस सर्विस मीट के तहत आयोजित यह बोट रेस न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच बनी, बल्कि खेल भावना, टीम वर्क और पारिवारिक सहभागिता का भी सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

बोट क्लब पर आईएएस अधिकारी और उनके परिवार के सदस्य।

आईएएस अधिकारी अपने परिवार के साथ बोट रेस में भाग लेते हुए।

राजधानी के बोट क्लब पर आईएएस अधिकारी चर्चा करते हुए।

खेल से मिलता है तनावमुक्त जीवन : इल्लैया राजा

इस अवसर पर मध्य प्रदेश पर्यटन निगम के एमडी इल्लैया राजा ने कहा कि ऐसी खेल प्रतियोगिताएं हर साल आयोजित की जानी चाहिए। इससे न केवल आपसी मेलजोल बढ़ता है, बल्कि व्यक्ति तनावमुक्त भी रहता है।

राजधानी के बोट क्लब में बोट रेस प्रतियोगिता के बाद आईएएस अधिकारी खाना खाते हुए।

बोट क्लब पर आईएएस अधिकारी अपने परिवार के साथ।

कुकिंग में दिखा स्वाद और रचनात्मकता का संगम, पकवानों की महक रही खास

प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष आईएएस अधिकारियों के साथ उनके परिजनों ने बढ़-चढ़ कर लिया हिस्सा

भोपाल। शनिवार को आयोजित हुई कुकिंग प्रतियोगिता आईएएस सर्विस मीट के दूसरे दिन शनिवार को कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष आईएएस अधिकारियों के साथ उनके परिजनों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी-अपनी टीम का उत्साह बढ़ाया।

सीताफल से नई रेसिपी बनाने की दी चुनौती

ग्रीन हाउस की टीम अपनी रेसिपी लिट्टी-चोखा प्रस्तुत करती हुईं

कुकिंग प्रतियोगिता में रेसिपी प्रस्तुत करती टीम।

चार हाउस टीमों ने लिया हिस्सा

प्रतियोगिता में ब्लू, रेड, ऑरेंज और ग्रीन हाउस टीमों ने सहभागिता की। सभी टीमों ने टीम वर्क के साथ विभिन्न व्यंजन तैयार किए।

सीताफल से नई रेसिपी बनाने की कला: होटल ताज से आए दो जज और आईएचएम से आए विशेषज्ञ जजों द्वारा सभी टीमों को सीताफल दिया गया। चुनौती यह थी कि सभी टीमों को सीताफल से कुछ अलग और रचनात्मक रेसिपी तैयार करनी थी।

रेड टीम की विविध और आकर्षक प्रस्तुति

रेड हाउस टीम की कॉर्डिनेटर मानुशी भार्गव ने बताया कि उनकी टीम ने मेन कोर्स से लेकर डेजर्ट तक कई व्यंजन तैयार किए। प्रतियोगिता में पालक पत्ता चाट, भरवा बैंगन और पनीर टिक्का खास आकर्षण रहे, जिन्हें जजों ने काफी सराहा।

ऑरेंज टीम ने सीजनल रेसिपी से जीता दिल

ऑरेंज हाउस टीम की कॉर्डिनेटर नेहा चौधरी ने बताया कि उनकी टीम ने मौसमी सब्जियों से बने बथुआ, पालक और मटर के पराठे तैयार किए। इसके साथ ही सीताफल का सालसा और सर्दियों में लाभदायक एक विशेष जूस भी प्रस्तुत किया गया। ब्लू टीम ने पुरी मिक्स सब्जी बनाई साथ ही सीता फल का हलवा बनाया, जिसको जजों ने पंसद किया।

ग्रीन टीम ने पेश की बिहारी स्वाद की झलक

ग्रीन हाउस टीम की कॉर्डिनेटर प्रियंका घोष ने बिहार की प्रसिद्ध रेसिपी लिट्टी-चोखा प्रस्तुत की। इसके साथ ही सीताफल से विशेष पुडिंग बनाकर जजों का ध्यान आकर्षित किया।

रेड टीम बनी विजेता

जजों द्वारा दिए गए फाइनल निर्णय में रेड हाउस टीम को प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया। संतोष और उत्साह के साथ कार्यक्रम का समापन कुकिंग प्रतियोगिता का समापन सभी प्रतिभागियों और आयोजकों की संतुष्टि और उत्साह के साथ हुआ। कार्यक्रम ने आपसी सहयोग और रचनात्मकता का भी सुंदर प्रदर्शन किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930